



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 14, 1982 (श्रावण 23, 1904)
No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 14, 1982 (SRAVANA 23, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय

दिनांक 26 जुलाई 1982

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० ए-19036/10/82-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से डॉ० बिन्दू नाथ झा, निरीक्षक को दिनांक 13 जुलाई, 1982 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थापनापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19021/4/78-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री पी० एस० द्वारा, भारतीय पुलिस सेवा (पंजाब : 1962), पुलिस उप-महानिरीक्षक (एस०), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 1 जुलाई, 1982 के अपराह्न से पंजाब सरकार को सौंपी जाती हैं।

आर० एस० नागपाल
प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० ए-19021/6/78-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री पी० सी० शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा (असम एवं मेघालय-1966), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सी० आई० डी० यू० (1) शाखा की सेवाएं दिनांक 15 जुलाई, 1982 के अपराह्न से असम सरकार को सौंपी जाती हैं।

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल
नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1982

सं० ओ० वो० 1713/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ओ० ग्रेड-II) डा० जगन्नाथ, बेस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम

5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 10 जुलाई 1982 के पूर्वान्ति से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० O-II-136/75-स्थापना—के० कर्नल उमराव भिह ने अपनी पुनः नियुक्ति की अवधि समाप्त होने के फलस्वरूप केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडेन्ट का कार्यभार दिनांक 16 जून 1982 पूर्वान्ति को छोड़ दिया।

ए० के० मुरी
सहायक निदेशक (स्थापना)

श्रम मंत्रालय

श्रम व्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 7 अगस्त 1982

सं० 23/3/82-सी. पी. आई—जून, 1982 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभाक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मई 1982 के स्तर में 8 अंश बढ़ कर 470 (चार सौ गत्तर) रहा। जून, 1982 माह का सूचकांक आधार पर 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 571 (पांच सौ इक्तर) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज
निदेशक
श्रम व्यूरो

वित्त मंत्रालय

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1982

सं० एम-6/4370-श्री बी० एल० शर्मा, फोरमैन (यांत्रिक) को दिनांक 9 जुलाई 1982 से 30 सितम्बर 1982 तक की अवधि अथवा अग्रिम आदेशों तक, इनमें से जो भी पहिले हो, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० अ०-40-1200 में पूर्णतः तदर्थ आभार पर सहायक अधियता (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

नई दिल्ली-110066, दिनांक 19 जुलाई 1982

सं० प्रणा०/11/2158-81—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को लेखा अधिकारी के रूप में प्रत्येक के सामने लिखी तारीखों से आगामी आदेश पर्यन्त स्थानापन्न रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रमांक	नाम	संगठन	तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	धनी राम मूद	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	18-2-81
2.	दिवाकर सिंह	र० ले० नि० (पें०), इलाहाबाद	18-6-81
3.	हरि प्रसाद मिह	र० ले० नि० (अन्ध रैंक) उत्तर, मेरठ	26-3-81
4.	एस० एम० श्रीवास्तव	र० ले० नि० (पें०), इलाहाबाद	16-3-81

दिनांक 17 जुलाई 1982

सं० 3(28)/4369—निम्न दर्शाए अधिकारियों को उनके नाम के आगे दर्शाई तारीख से स्थायी पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है :—

क्रमांक	नाम एवं पदनाम	जिस पद पर स्थायी किए गए उस पद का नाम	स्थायी करने की तारीख
(1)	श्री आर० कृष्ण मूर्ति अभियन्ता (विद्युत)।	सहायक अभियन्ता (विद्युत)।	20-4-77
(2)	श्री एस० एस० जौहरी उप मुख्य नियंत्रण अधिकारी।	सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी	12-7-82

श० रा० पाठक
महाप्रबन्धक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० प्रणा०/1/1899/5/जिल्द-1—श्री बी० एस० बाल मुब्रह्मणियन, आई० डी० ए० एस० जिन्होंने दिनांक 6-6-1982 (उनकी जन्म तिथि 7-6-1924 होने के कारण) को 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, दिनांक 30-6-1982 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए और तदनुसार वे मूल नियम 56(ए०) की शर्तों के अनुसार दिनांक 30-6-1982 (अपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल पर नहीं रहे। अधिकारी, दिनांक 3-9-1981 से अपनी वार्धक्य निवर्तन की तारीख तक सेवा निवृत्ति पूरा छुट्टी पर रहे।

आर० के० माधुर
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

1	2	3	4
	सर्वश्री		
5.	ए० नारायणा मूर्ति	२० ले० नि०, दक्षिण कमान, पुणे	16-3-81
6.	बी० पेरियास्वामी	२० ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
7.	मरोज कुमार भट	२० ले० नि० पटना	16-3-81
8.	तिलक राज सेठी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-3-81
9.	आर० श्रीधरन	२० ले० नि० (अ० रैं०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
10.	घनश्याम लाल	२० ले० नि० (अ० रैं०), उत्तर, मेरठ	16-3-81
11.	आर० विजयराघवन	२० ले० नि० दक्षिण कमान, पुणे	16-3-81
12.	आई० सी० सिंह	२० ले० नि०, वायुसेना, देहरादून	16-3-81
13.	जी० एन० मेहरोत्रा	२० ले० नि० (अ० रैं०) उत्तर, मेरठ	16-3-81
14.	बी० गणेशन	२० ले० नि० (अ० रैं०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
15.	एम० एल० जुवेकर	२० ले० नि० दक्षिण, कमान, पुणे	16-3-81
16.	रवि दत्त शर्मा	२० ले० नि०, पटना	16-3-81
17.	ए० आर० आइजक चन्द्र	२० ले० नि० (अ० रैं०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
18.	आर० पी० आर्या	२० ले० नि० (अ० रैं०), उत्तर, मेरठ	23-3-81
19.	गणेश चन्द्र	२० ले० नि० (पे०), इलाहाबाद	16-3-81
20.	महेशचन्द्र	२० ले० नि० (पे०) इलाहाबाद	16-3-81
21.	ए० एम० नटराजन	२० ले० नि० (अ० रैं०) दक्षिण, मद्रास	19-3-81
22.	बी० पी० गुप्ता	२० ले० नि० मध्य कमान मेरठ	16-3-81
23.	भीषम देव	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
24.	प्रीप पाल सिंह	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	12-3-82
25.	जी० सी० मुखर्जी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-3-81
26.	डी० जी० अग्रवाल	२० ले० नि० (अ० रैं०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
27.	प्रेम शंकर लव	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
28.	टी० राजामनी	२० ले० नि०, दक्षिण कमान, पुणे	16-3-81
29.	गुलशन राय आनन्द	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	23-3-81
30.	कृष्ण चन्द्र विजय	२० ले० नि० पटना	16-3-81
31.	एन० सुब्बा राव	२० ले० नि० (अ० रैं०) मध्य, नागपुर	16-3-81
32.	अब्दुल हई अन्मारी	२० ले० नि०, पटना	16-3-81
33.	एम० मुब्बोरमन	२० ले० नि० नांसेना, बम्बई	16-3-81
34.	आर० डी० भारद्वाज	२० ले० नि० (निधि) मेरठ	16-3-81
35.	एन० माधव नायर	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
36.	चन्द्रिका प्रसाद मिश्रा	२० ले० नि०, पटना	16-3-81
37.	ए० आर० लक्ष्मीनारायणन	२० ले० नि० (अ० रैं०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
38.	इंद्रजीव सिंह	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
39.	जी० एच० संजीवा	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	16-3-81
40.	बी० एस० बालकृष्णन	२० ले० नि० (अ० रैं०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
41.	के० पी० शर्मा	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
42.	कस्तूरी लाल	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
43.	एच० एस० श्रीवास्तव	२० ले० नि० (अ० रैं०) मध्य, नागपुर	23-3-81
44.	मुप्रकाश राय	२० ले० नि०, पटना	16-3-81
45.	राजेन्द्र सिंह	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
46.	एस० के० दास	२० ले० नि०, पटना	16-3-81
47.	डी० ए० जोशी	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	16-3-81
48.	एस० बी० बोस	२० ले० नि० (पे०) इलाहाबाद	16-3-81
49.	टी० रामचन्द्र शर्मा	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	16-3-81
50.	ओ० नरसिम्हन	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81

1	2	3	4
51.	रमेश चन्द्र चटर्जी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-4-81
52.	विष्णु कुमार अलवर	र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू	17-3-81
53.	राम कृष्ण सिंह	र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	23-3-81
54.	ए० ए० के० गौरी	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
55.	एस० कृष्णमूर्ति	र० ले० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली	16-3-81
56.	बी० के० सिंह	र० ले० नि० पटना	8-4-81
57.	अर्धेन्दु प्रकाश बसु	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-3-81
58.	जय प्रकाश	र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
59.	राजेन्द्र पाल मेहता	र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	16-3-81
60.	एस० कृष्णा मूर्ति	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	30-3-81
61.	यू० एस० मुले	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	16-3-81
62.	एन० एस० नेगी	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	16-3-81
63.	ए० के० मुखर्जी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	27-3-81
64.	एस० डी० द्विवेदी	र० ले० नि० (निधि), मेरठ	16-3-81
65.	के० एल० राठी	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	16-3-81
66.	एच० एस० एस० मूर्ति	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	16-3-81
67.	सतीश चन्द्र सक्सेना	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	30-3-81
68.	के० एल० टंडन	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	23-3-81
69.	योगेन्द्र पाल चुप	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	16-3-81
70.	दीना नाथ चतुर्वेदी	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	16-3-81
71.	बी० वी० मुनीरमैया	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण मद्रास	21-3-81
72.	राम कुमार गोयल	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	16-3-81
73.	वी० आर० कुलकर्णी	र० ले० नि० नौसेना, बम्बई	16-3-81
74.	पी० एस० बहल	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
75.	ए० पी० बलायुधन नम्बियार	र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	23-3-81
76.	जी० एस० पुंडीर	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	23-3-81
77.	एन० बी० सुरगोद	र० ले० नि० नौसेना, बम्बई	16-3-81
78.	राजेन्द्र सिंह हुडा	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
79.	निर्मल जीत सिंह साहनी	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
80.	के० आर० रेड्डी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	13-5-81
81.	धर्मानन्द	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
82.	एन० बी० देशमुख	र० ले० नि० नौसेना, बम्बई	16-3-81
83.	ए० आर० शिवरामन	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	25-3-81
84.	श्रीम प्रकाश शर्मा	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
85.	सुदर्शन कुमार	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	25-3-81
86.	एस० नटराजन	र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	20-3-81
87.	सी० पी० शर्मा	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	23-3-81
88.	पी० सी० गुप्ता	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	26-3-81
89.	के० पी० राजेन्द्र	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	28-3-81
90.	एच० एस० श्रीवास्तव	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	24-3-81
91.	विजेन्द्र कुमार	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	16-3-81
92.	यू० सी० चौधरी	र० ले० नि०, पटना	6-4-81
93.	के० अच्युत राव	र० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	14-4-81
94.	ए० आर० तारा	र० ले० नि०, नौसेना, बम्बई	14-4-81
95.	के० रामालिंगम	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण मद्रास	6-4-81
96.	बी० डी० नारायण	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	6-4-81

1	2	3	4
97.	रुद्र मोहन भटनागर	२० ले० नि० (पें०), इलाहाबाद	6-4-81
98.	मोहम्मद मुर्तेजा खान	२० ले० (नि० हुअ० रें०) मध्य, नागपुर	30-4-81
99.	राजपाल सिंह	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	24-4-81
100.	एम० के० मित्तलू	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	6-4-81
101.	राम कंवर	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	9-4-81
102.	आर० बालजोगी रेड्डी	२० ले० नि० (अ० रें०) दक्षिण, मद्रास	13-4-81
103.	बी० पी० सिंह	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	6-4-81
104.	पी० के० कुरियन	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	8-4-81
105.	आर० एम० मूर्ति	२० ले० नि० (अ० रें०) दक्षिण मद्रास	14-4-81
106.	पी० पी० श्रीनिवास राव	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	6-4-81
107.	एन० पी० सिंह	२० ले० नि० (अ० रें०) मध्य, नागपुर	13-4-81
108.	जी० परमेश्वर राव	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	14-4-81
109.	एन० चौ० श्रीराम आर्यंगर	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	22-6-81
110.	विनोद ब्रिहानी लाल	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	6-4-81
111.	हुक्कम सिंह	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	6-4-81
112.	ओमेश्वर पाल सिंह	२० ले० नि० (अ० रें०) उत्तर, मेरठ	7-4-81
113.	बी० पाल्लम राजू	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	8-5-81
114.	जमीर हुसैन	२० ले० नि० (अ० रें०) उत्तर, मेरठ	14-5-81
115.	जगमोहन लाल	२० ले० नि० पटना	19-5-81
116.	एन० सी० इन्द्रा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	4-5-81
117.	मीता राम गुप्ता	२० ले० नि० (निधि) मेरठ	1-5-81
118.	के० सी० गोपीनाथन	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	8-5-81
119.	एस० आर० मुखर्जी	२० ले० नि० पटना	4-5-81
120.	मतीश चन्द्र गुप्ता	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	11-5-81
121.	के० के० भाटिया	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	7-5-81
122.	के० पी० मिश्रा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	28-5-81
123.	रामजी गुप्ता-IJ	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	11-5-81
124.	अवधेश बहादुर सिंह	२० ले० नि० (निधि) मेरठ	29-5-81
125.	आर० के० सिन्हा	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	26-6-81
126.	रमापति त्रिपाठी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	14-5-81
127.	राम पाल सिंह	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	30-5-81
128.	गया दत्त मिश्रा	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	6-5-81
129.	रमेश चन्द्र श्रीवास्तव	२० ले० नि० पटना	22-5-81
130.	बी० बी० एल० माथुर	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	1-5-81
131.	एल० बी० विश्वनाथन	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	8-5-81
132.	शम्भू नाथ यादव	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	25-5-81
133.	अभय नारायण सिंह	२० ले० नि० (अ० रें०) उत्तर, मेरठ	18-7-81
134.	राज किशोर	२० ले० नि० (अ० रें०) उत्तर, मेरठ	1-5-81
135.	सूर्य प्रकाश कौशिक	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	30-5-81
136.	ओम प्रकाश कक्कड	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	12-5-81
137.	जी० के० टंडन	२० ले० नि० (अ० रें०) मध्य, नागपुर	13-5-81
138.	सुभाष चन्द्र अग्रवाल	२० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	13-5-81
139.	सुरेश चन्द्र मकमेना	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	30-7-81
140.	एस० सी० विज	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	29-6-81
141.	डी० पी० वर्मा	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	30-6-81
142.	जी० एम० दबड़गाव	२० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	5-6-81

1	2	3	4
143.	आर० आर० माधुर	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	14-9-81
144.	आर० बैकटरामनन	र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	6-6-81
145.	पी० जी० जनार्दनन	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	5-6-81
146.	विजय पाल सिंह	र० ले० नि० पटना	27-6-81
147.	सी० गोविन्दन	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण मद्रास	9-6-81
148.	गोपाल शरण	र० ले० सि० नि० (निधि) मेरठ	5-6-81
149.	राज कुमार	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	11-9-81
150.	बीर कुमार आनन्द	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	24-6-81
151.	रामदुलार सिंह	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	29-6-81
152.	जी० एम० भाटिया	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	10-6-81
153.	के० वी० अंजनेयलू	र० ले० नि० नौसेना, बम्बई	8-7-81
154.	बी० बैकटश्वरलू	र० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	8-7-81
155.	ब्रह्मप्रकाश सक्सेना	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	31-7-81
156.	एम० विष्णेश्वर राव	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	2-7-81
157.	एस० गोपाल	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	8-7-81
158.	एच० बी० गुप्त	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-7-81
159.	लल्लन प्रसाद चौरसिया	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-7-81
160.	वीर सिंह	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	13-7-81
161.	मदन स्वरूप	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	1-7-81
162.	एम० पी० बाण्ये	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	4-7-81
163.	अस्नानी हरि	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	4-7-81
164.	हीरानन्द उपाध्याय	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	11-8-81
165.	एस० एन० वन्सल	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	17-9-81
166.	आर० एल० शर्मा	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	1-8-81
167.	टी० आर० लरोइया	र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू	10-8-81
168.	एस० डी० एस० चन्द्रोल	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	24-9-81
169.	ए० जी० चौधरी	र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	10-8-81
170.	सत्यपाल सिंह	र० ले० नि०, वायुसेना, देहरादून	1-8-81
171.	टी० आर० शर्मा	र० ले० नि०, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-8-81
172.	लक्ष्मी सिंह	र० ले० नि० पटना	31-8-81
173.	हरपाल सिंह	र० ले० सि० नि० (निधि) मेरठ	10-8-81
174.	अब्दुल खालिक	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	25-2-82
175.	एस० पी० अस्थाना	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	17-8-81
176.	एस० बी० राय चौधरी	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-8-81
177.	एम० गोपाल कृष्णन	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	3-8-81
178.	पी० रामूलू	र० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	13-8-81
179.	के० सुब्बाराव	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	30-10-81
180.	एम० टी० चारी	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	1-8-81
181.	आर० सत्यानारायण	र० ले० नि०, दक्षिण कमान, पुणे	1-8-81
182.	एम० साम्बशिवराव	र० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	31-8-81
183.	के० एल० त्रिपाठी	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	11-8-81
184.	बी० पी० सश्रुतनियन	र० ले० नि० दक्षिण कमान पुणे	29-8-81
185.	ए० के० घोष	र० ले० नि० पटना	30-11-81
186.	हरिवंश दुवे	र० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	27-8-81
187.	बी० नारायणास्वामी	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	30-9-81
188.	टी० गोविंद राजलू	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-9-81

1	2	3	4
189.	टी० कृष्णन	२० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	3-9-81
190.	ए० जी० कार्लेकर	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-9-81
191.	बी० एम० कालूराम	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ	7-9-81
192.	एस० के० जैन	२० ले० नि० सं० (निधि) मेरठ	1-9-81
193.	एम० जी० श्रीनिवासन	२० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	10-9-81
194.	एम० एल० शर्मा	२० ले० नि०, उत्तरी कमान, जम्मू	1-9-81
195.	कुप्पास्वामी	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	16-9-81
196.	सी० शनमुगामुन्दरम	२० ले० नि०, वायुसेना, देहरादून	5-9-81
197.	केवल कृष्ण	२० ले० नि० वायुसेना, देहरादून	1-9-81
198.	एम० ए० वेंकटरामन	२० ले० नि० (अ० रै०) दक्षिण, मद्रास	5-9-81
199.	जी० वीर राघवन	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	10-9-81
200.	यशपाल सिंह	२० ले० नि०, पश्चिमी कमान, मेरठ	1-9-81
201.	राजपाल सिंह	२० ले० नि० पटना	14-10-81
202.	कैलाश चन्द्र अग्रवाल	२० ले० नि०, मध्य कमान मेरठ	1-10-81
203.	राम रमिक सिंह	२० ले० नि० पटना	28-10-81
204.	एम० भास्करदू	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	14-10-81
205.	अफजल इलाही	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	1-10-81
206.	आर० पी० गुप्ता	२० ले० नि०, पटना, अनुक्रम नियम के अधीन	22-10-81
207.	तारा सिंह शिशोदिया	२० ले० नि०, मध्य कमान मेरठ	22-10-81
208.	एस० वेंकटरामन	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	12-10-81
209.	एम० मारिया एलफोन्स	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	5-10-81
210.	जगदीश प्रसाद दीक्षित	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	12-10-81
211.	पी० लक्ष्मणन	२० ले० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली	28-10-81
212.	एम० मलयप्पन	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	19-10-81
213.	कमल गंगोपाध्याय	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	1-10-81
214.	सुरेश चन्द्र गुप्ता	२० ले० नि०, पश्चिमी कमान, मेरठ	4-11-81
215.	एस० लक्ष्मीनारायणन	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान पुणे	3-11-81
216.	तरसेम लाल	२० ले० नि०, उत्तरी कमान, जम्मू	16-11-81
217.	पी० श्रीनिवासन	२० ले० नि०, (अफसर) पुणे	4-11-81
218.	नरेन्द्र कुमार	२० ले० नि०, पश्चिमी कमान, मेरठ	3-11-81
219.	के० सौरी राजूलू	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	12-11-81
220.	राजबली शुक्ल	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	12-3-82
221.	एस० एम० यूसुफ	२० ले० नि० नौसेना बम्बई	16-11-81
222.	वीरेन्द्र प्रकाश रस्तोगी	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	1-2-82
223.	एम० सूर्यनारायणमूर्ति	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	14-12-81
224.	रघुनाथ गोपाल जोशी	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-12-81
225.	एम० एल० रिमबड	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	4-12-81
226.	एम० सुब्रह्मनियन	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान पुणे,	30-12-81
227.	एन० एन० गोमाई	२० ले० नि० (अ० रै०) उत्तर, मेरठ	1-12-81
228.	गुरुदयाल सिंह	२० ले० नि० (अ० रै०) उत्तर, मेरठ	31-12-81
229.	जी० डब्ल्यू० भावे	२० ले० नि०, दक्षिणी कमान पुणे,	1-12-81
230.	रमेश चन्द्र राय	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	16-12-81
231.	एस० एन० त्रिगुणायत	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता	5-2-82
232.	उमार्शकर मेहता	२० ले० नि०, उत्तरी कमान, जम्मू	21-2-81

1	2	3	4
233.	वी०एम०एल० सरीन	२० ले० नि०, नौसेना, बम्बई	30-12-81
234.	गंगेश्वर उपाध्याय	२० ले० नि०, मध्य कमान, मेरठ	8-12-81
235.	दिनेश मिश्रा	२० ले० नि०, वायुसेना, देहरादून	4-1-82
236.	एम० सहफूजर्हमान	२० ले० नि० (अ० रै०) उत्तर मेरठ	30-12-81
237.	ए०एम०बी० शाह	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	11-12-81
238.	भारत मित्र आहूजा	२० ले० नि० (अफसर) पुणे	29-4-81
239.	शिव कुमार मिश्र	२० ले० नि० पटना	31-1-81
240.	पूरन चन्द	२० ले० नि० पटना	27-3-81
241.	बी० एम० रायखरे	२० ले० नि० पटना	31-3-81
242.	एस० सी० सूदन	२० ले० नि० पटना	27-2-81
243.	वारिका नाथ गुलाटी	२० ले० नि० पटना	28-1-81
244.	हर प्रसाद चंचल	२० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	23-2-81
245.	एस० एल० गुप्ता	२० ले० नि० पश्चिमी कमान, मेरठ अनुक्रम नियम के अधीन	12-1-81 से
246.	गोविन्द राम कक्कड़	२० ले० नि० पटना	12-1-81
247.	जगदीश चंद्र वर्मा	२० ले० नि० पटना	10-2-81
248.	ए० दत्त गुप्ता	२० ले० नि० (अ० रै०) उत्तर मेरठ	7-1-81
249.	अ० पी० भोला	२० ले० नि० (अ० रै०) मध्य, नागपुर	30-1-81
250.	पी० पूर्ण, चन्द्र राव	२० ले० नि० (पें०) इलाहाबाद	20-2-81

ए० के० घोष रक्षा लेखा उप महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय	
भारतीय आर्डनेंस फैक्टरीयां सेवा	
आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड	
कलकत्ता दिनांक 22 जुलाई, 1982	
सं० 37/जी/82—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अफसरों को सहायक प्रबन्धक (परखाबधी) के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।	
क्रम० सं०	नाम
1.	श्री सी०बी० मुन्नाईया
2.	श्री बानुपा जाथागं
3.	श्री एन० के० सिन्हा
4.	श्री के० कृष्णमूर्ति
5.	श्री टी० टी० एस० कृपा बेंकटेशन
6.	श्री आर० राजामेखरन
7.	श्री एम० के० जोर्ज कुट्टी
8.	श्री पी० के० श्रीवास्तवा

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरीयां

वाणिज्य मंत्रालय	
मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय	
नई दिल्ली-110001 दिनांक 1 जुलाई, 1982	
आयात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)	
सं० 1/2/82—प्रशासन (राजपत्रित)/3968—राष्ट्रपति, श्री जे० के० माथुर (1980 के केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 की प्रवरण सूची) को केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 में और इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में 1-5-1982 से 30-6-82 तक और 2 मास के लिए स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं।	

वी० शेपन
संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-11, दिनांक 22 जुलाई, 1982

सं० ए०-12018 (1) 74 (मुख्य स्थापना)—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तक द्वारा प्रवक्त अधिकारों

का प्रयोग करते हुए, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के अधीन, लघु उद्योग विकास संगठन में मुख्य प्राक्कलक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

अर्थात् :

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लघु उद्योग विकास संगठन (मुख्य प्राक्कलक) भर्ती नियम, 1982 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपावृद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 में विनिर्दिष्ट हैं ।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वह होंगी, जो पूर्वोक्त अनुसूची के सम स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं ।

4. निरहर्ताएं : वह व्यक्ति :

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा ।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहां केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिये जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी ।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई भी बाल ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है ।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
मुख्य प्राक्कलक	कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है ।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" अराजपक्षित अलिपिकवर्गीय	700-30-750 35-900 रु०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है, तो उसकी मंजूना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	-------------------------------	---	---	--	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	प्रोन्नति : ऐसे श्रेणी-1 नक्शा-नवीस, जिन्होंने नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 8 वर्ष सेवा की है।	समूह "ख" वि० प्रो० स० 1. निदेशक (प्रशा०) अध्यक्ष 2. संबद्ध तकनीकी प्रभाग का निदेशक 3. उपनिदेशक (प्रशासन) 4. अ० जा०/अ० ज० जा० का समुचित प्रास्थिति का एक अधिकारी-सदस्य	इन नियमों को संशोधित/शिथिल करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है। —सदस्य —सदस्य

एच० एल० जुनेजा,
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० 12/447/64-प्रशा० (रा०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, त्रिचूर के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आई० एम० टी०) को लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में 21 जून, 1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक उप-निदेशक (आई० एम० टी०) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० : ए०-19018 (68)/73-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति ने, श्री एस० गुन्ड्यामी, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास को निवर्तन आयु के प्राप्त कर लेने पर 30-6-82 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त कर दिया है।

सं० ए०-19018/608/82-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त ने श्री ए० आर० सिंह, लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद को 14-6-82 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (कांच एवं भूतिका) नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जुलाई 1982

सं० ए०-19018 (279)/77-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति ने श्री एन० पी० भटनागर, सहायक निदेशक ग्रेड-II

(आर्थिक अन्वेषण) लघु उद्योग सेवा संस्थान, सोलन को, 29-6-82 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक विकास आयुक्त का कार्यालय (लघु उद्योग) नई दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण) नियुक्त किया है।

दिनांक 28 जुलाई 1982

सं० ए०-19018 (570)/81-प्र० (राज०)—राष्ट्रपति ने श्री एस० बालामुधावनम, लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी (एल०/एफ०), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास को 26-6-82 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उसी संस्थान में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (एल०/एफ०) नियुक्त किया है।

सी० सी० राय,
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० प्र०-I/I (1130)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय

में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री के० वी० शिवराम कृष्णन का सेवाकाल निवर्तमान आयु के पश्चात् छः मास के लिये अर्थात् 1-7-1982 से 31-12-1982 तक बढ़ाते हैं।

सं० प्र० I/I (1039)—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री जे० एल० शाह निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-5-82 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 24 जुलाई, 1982

सं० प्र० I (1195)—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक (स्तर-I) श्री ए० के० चक्रवर्ती को दिनांक 4-6-82 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में श्री एच० एन० समव्दार, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) को अवकाश रिक्त में पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एल० कपूर,

उप निदेशक (प्रशासन)

कुले महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1982

सं० 4968 बी०/ए०-32014 (2-ग्री० एम०)/81-19बी०—श्री एच० पी० मजूमदार की भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में तदर्थ पदोन्नति को सर्वेक्षक अधिकारी के पद पर 28-6-82 (पूर्वाह्न) से नियमित किया जा रहा है।

दिनांक 21 जुलाई, 1982

सं० 3482 डी०/ए०-19012 (डी०टी०एस०) 81-19ए०—श्री डी०टी० सेयमल्लिह को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40 1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई, क्षमता में आगामी आदेश होने तक 5-6-1982 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3493 डी०/ए० 32013 (ए०ग्री०)/78-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री जमीन अहमद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उमी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200-रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद के प्रशासनिक अधिकारी श्री सी० एन० दक्षिणी मृत्ति के अवकाश रिक्त के स्थान पर 5-4-1982 10-5-1982 (पूर्वाह्न) तक पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

जे० स्वामीनाथ
महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

(महासर्वेक्षक का कार्यालय)

देहरादून, दिनांक 12 जुलाई, 1982

सं० सी०-5835/707—निम्नलिखित अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, अब प्रत्येक के मामले दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :—

क्रम०सं०	नाम	अधिसूचना की संख्या और तारीख, जिसके अन्तर्गत तदर्थ अन्तिम आधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1.	श्री एम० के० गुहा	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-5837/707.	सं० 76 (फोटो) पार्टी (द०पू० सकिंल), भुवनेश्वर।	1-2-82
2.	श्री एस० जी० अग्रवाल	—तदर्थ—	सं० 20 (फोटो) पार्टी (उ०स०) देहरादून।	21-1-82
3.	श्री प्रमोद चन्द्र	—तदर्थ—	सं० 45 पार्टी, (म० सकिंल), जबलपुर।	1-2-82

1	2	3	4
4. श्री रामदास चक्रवर्ती	—तद्वै—	सं० 37 पार्टी (पू० सर्किल) कलकत्ता ।	2-2-82 (अपराह्न)
5. श्री एन० श्रीनिवासन	दिनांक 17-8-78 की अधिसूचना सं० सी० 5403/707.	सं० 67 (एफ० एस० पी०) (सर्वे हवाई) कोडम्बोटूर	23-1-82
6. श्री बी० एस० रावत	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-5837/707.	सं० 47 पार्टी (सं० प्र० सं०) हैदराबाद ।	2-2-82
7. श्री पी०जी०पी० पाणिकर	दिनांक 24-7-78 की अधिसूचना सं० सी० 5395/707.	अनुसंधान एवं विकास निदेशालय, हैदराबाद ।	25-1-82
8. श्री प्रीतम सिंह	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०—5837/707.	सं० 93 (क्यू०सी० ए०पी०) (सर्वे हवाई) नई दिल्ली ।	23-1-82

सं० सी०-5836/707—निम्नलिखित अधिकारी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षण (ग्रुप “बी” पद) के पद पर 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर अनंतिम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :—

क्रम सं०	नाम और पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1. श्री पुरुषोत्तम दास, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड		सं० 32 (फोटो) पार्टी, (पश्चिमी सर्किल), आबू	12-3-82 (पूर्वाह्न)
2. श्री एच० ओ० पी० माथुर, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड		सं० 32 (फोटो) पार्टी, (पश्चिमी सर्किल), आबू ।	2-2-82 (पूर्वाह्न)
3. श्री राजवीर सिंह, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड		सं० 92 पार्टी (दक्षिण पूर्वी सर्किल), वाराणसी ।	29-1-82
4. श्री बी० एस० नेगी, ड्राफ्ट्समैन डि० 1 सिले० ग्रेड		सं० 83 पार्टी, (पश्चिमी सर्किल), जयपुर ।	2-2-82 (पूर्वाह्न)
5. श्री पी०सी० पांडे, ड्राफ्ट्समैन डि० 1		सं० 83 पार्टी (पश्चिमी सर्किल), जयपुर ।	2-2-82 (पूर्वाह्न)
6. श्री पी० कोचु मोहम्मद, सर्वेक्षक सहायक सिले० ग्रेड		सं० 8 पार्टी (दक्षिण सर्किल), बेंगलूर	2-2-82 (पूर्वाह्न)
7. श्री के० एस० श्रीवास्तव, सर्वेक्षक सहायक सिले० ग्रेड		सं० 83 पार्टी, (पश्चिमी सर्किल), जयपुर ।	15-2-82
8. श्री जगदीश मिश्र, सर्वेक्षण सहायक सिले० ग्रेड		सं० 34 पार्टी, (प्रा० मा० उ० मंत्र), हैदराबाद	1-2-82 (पूर्वाह्न)
9. श्री एस० डी० पलानी, सर्वेक्षक सहायक सिले० ग्रेड		सं० 17 पार्टी, (दक्षिणी सर्किल), बेंगलूर	2-2-82 (पूर्वाह्न)
10. श्री बी० एस० नेगी, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड		सं० 11 पार्टी (दक्षिणी पूर्वी सर्किल), रांची	12-3-82 (पूर्वाह्न)
11. श्री आर०सी० शर्मा, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड		सं० 92 पार्टी, (दक्षिणी पूर्वी सर्किल), वाराणसी ।	27-2-82 (पूर्वाह्न)
12. श्री के० डी० मेहता, सर्वेक्षण सहायक सिले० ग्रेड		सं० 76 (फोटो) पार्टी, (दक्षिणी पूर्वी सर्किल), भुवनेश्वर	26-2-82 (पूर्वाह्न)
13. श्री एस० एन० एस० पंवार, ड्राफ्ट्समैन डि० 1 सिले० ग्रेड		सं० 11 आरेखण कार्यालय (दक्षिण पूर्वी सर्किल), भुवनेश्वर ।	6-3-82

सं० सी०-5837/707--निम्नलिखित अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, अब प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किए जाते हैं :--

क्रम सं०	नाम	अधिसूचना की संख्या और तारीख जिसके अन्तर्गत तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1.	श्री पी०वी० गणेश	दिनांक 5-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-5837/707	सं० 4 आरेखण कार्यालय (दक्षिणी सकिल) बंगलूर ।	8-9-81
2.	श्री क० एन० जी० के० पिल्ले	दिनांक 24-7-78 की अधिसूचना सं० सी०-5395/707	सं० 47 पार्टी (सं० प्र०सं०) हैदराबाद ।	14-9-31
3.	श्री निर्मल सिंह	दिनांक 17-8-78 की अधिसूचना सं० सी०-5403/707	सं० 57 पार्टी (पश्चिमोत्तर सकिल) चण्डीगढ़ ।	14-9-81

दिनांक 14 जुलाई 1982

सं० स्था० 1-5840/पी०एफ०/(एम०के० जैन)--
श्री एम० के० जैन, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० स्था० 1-3735/579-सेल-68 (क्लास-II) दिनांक 13-1-69 में भारतीय सर्वेक्षण विभाग क्लास-II (अब ग्रुप "बी") सेवा में अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर नियुक्त किया गया था, द्वारा दिनांक 8-2-1971 को दिया गया इस्तीफा स्वीकृत किया जाता है ।

जी० सी० अग्रवाल,
मेजर-जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 19 जुलाई 1982

सं० 2/11/82-एम०-2--महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री प्रभुन प्रसाद, लेखाकार आकाशवाणी, पटना को आकाशवाणी रांची में दिनांक 28-4-1982 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं ।

एस० बी० सेपात्रि
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई, 1982

सं० 4(50)/81-एस० एक--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती माधना भट्ट को, 15 अप्रैल, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी अहमदाबाद में, सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 को वेतनमान में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 26 जुलाई 1982

सं० 4 (29)/81-एस०-I--महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री मुहम्मद अली मियां "मौज" को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 4 जून, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी लखनऊ में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

सं० 4/31/81-एस०-I--महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ओवेद-उर-रहमान, नियाजी को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1200 रुपये के वेतनमान में 14 मई, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी नागपुर में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं ।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-400026, दिनांक 17 जुलाई 1982

सं० 2/4/64-ई०-I--मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग एतद्द्वारा, श्री पी०वी० मराटे, स्थायी लाइब्रेरी सहायक को, श्री एम० एन० आर० खान अफिदी, स्थायी लाइब्रेरीयन को नेशनल आरकाइवज आंक इंडिया, नई दिल्ली में प्रशिक्षण हेतु भेजे जाने की स्थिति में, दिनांक 5 जुलाई 1982 के पूर्वाह्न से 26 अगस्त, 1982 तक रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर, स्थानापन्न लाइब्रेरीयन के पद पर फिल्म प्रभाग, बम्बई, में नियुक्त करते हैं ।

एस० के० राय,
सहा० प्रशा० अधिकारी
कृत मुख्य निर्माता

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 जुलाई 1982

सं० ए० 31013/2/79-प्र० (ए)—निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, आ० एम० एम० शांतिराम को इसी निदेशालय में दिनांक 26-6-1982 के क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

यत्तन्द्र वर्मा

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० ए० 19019/64/77 (एन०टी०आई०) प्रशासन-I—सेवा निवर्तन आयु के हो जाने पर राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान बंगलौर के "एक्स-रे" इंजिनियर आ० वी० ए० मेनन 28 फरवरी, 1982 अपराह्न से सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

सं० ए० 12026/5/82 (आई० एम० एस०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने आ० एस० के० नाथ (आई० एस० एस० के ग्रेड 3 के अधिकारी) को 15 जून, 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में मांछिकी के सहायक प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

त्रिलोक चन्द्र जैन

उप निदेशक प्रशासन (संगठन एवं पद्धति)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० ए० 31013/10-80 (ए० आई० आई० एच० पी० एच०)/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० आर० के० सिन्हा को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में जीव भौतिकी के सहायक प्रोफेसर के पद पर 1 जून 1978 से स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

शाम लाल कुठियाला

उप निदेशक प्रशासन (ज० स्था०)

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० ए०-19023/53/78 प्र०-III—इस निदेशालय के अधीन नई दिल्ली में कार्यरत श्री डी० एस० सोबती विपणन अधिकारी दिनांक 12-6-82 (अपराह्न) से मूल नियम (56-के०) के प्रावधानानुसार स्वैच्छा से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए०-19023/3-82-प्र०-तृ०—श्री एन० गमरुद्दीन, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन

बंगलौर में दिनांक 30-6-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक पूर्णतया तदर्थ आधार पर 3 महीने की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के पश्चात श्री गमरुद्दीन ने दिनांक 21-6-82 के अपराह्न में तृतीकोरण में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गोपाल शरण शुक्ल

कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

कृषी और भंडार निदेशालय

बम्बई, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० क्रमनि/23/1/81-स्थापना/15712—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री वसंत विठल मावंत को रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में तदर्थ आधार पर 6 जनवरी 1982 (पूर्०) से जून 24, 1982 (अपराह्न) तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० क्रमनि/23/1/81-स्थापना/1571—परमाणु ऊर्जा विभाग की क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी श्री महालिंगम श्रीनिवासन को तदर्थ आधार पर रुपये 840-40-1000-द०-रो० 40-1200 के वेतनक्रम में फरवरी 16, 1982 (पूर्वाह्न) से जून 24, 1982 (अपराह्न) तक इसी निदेशालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II नियुक्त किया है।

सं० क्रमनि/23/1/81-स्थापना/15756—परमाणु ऊर्जा विभाग की क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और अस्थायी सहायक लेखक श्री अतूर पीशा रोड़ी चेतमराक्षण को रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनक्रम में तदर्थ आधार पर 1 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से 5 जून, 1982 (अपराह्न) तक के लिये इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० क्रमनि/23/9/81-स्थापना/15761—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिका और स्थानापन्न सहायक लेखाकार, श्री विश्वास बाबूराव, घोरपड़े को रुपये 650-30-740-35-880-द०-रो०-40-960 के वेतनक्रम में तदर्थ आधार पर 19, अप्रैल (पूर्०) से 31 मई (अ०)

तक के लिये, इसी निदेशालय में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-16, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० प्रखप्र०-2/2856/79-प्रशासन—श्री एन० आर० काले द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के वैज्ञानिक अधिकारी/एस०बी० के पद से दिया गया त्यागपत्र निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग द्वारा 26 जून, 1982 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया गया है।

टी० डी० घाडगे
वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० 05000/कृ142/3511—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी श्री सुदर्शन कृष्णामूर्ति, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी आशुलिपिक (वरिष्ठ) को, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में 21 जून, 1982 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिये अस्थायी रूप में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० 05012/आर० 3/31/3538—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, श्री दयाल साधूराम इसरानी, स्थायी लेखाकार तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, परमाणु खनिज प्रभाग को, 19 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (कोटा) में अस्थायी रूप में स्थानापन्न लेखा अधिकारी-2 नियुक्त करते हैं।

एस० स्वामीनाथन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 20 जुलाई 1982

सं० टी०ए०पी०एस०/1/19(3)/76-आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग

इस बिजलीघर में स्थायी सहायक लेखापाल श्री के० के० पुरुषोत्तम को इसी बिजलीघर में दिनांक 17 मई, 1982 की पूर्वाह्न से 26 जून, 1982 तक के लिए तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-880-द०रो०-40-960 के वेतनक्रम में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री वी० एस० खांडेकर, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

सं० टी०ए०पी०एस०/2/1458/80—क्रय और भंडार निदेशालय, बम्बई में स्थानांतरण होने के फलस्वरूप इस बिजलीघर में स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी और स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-2 श्री एस० कृष्णन ने प्रशासनिक अधिकारी-2 के पद का कार्यभार 3 जुलाई, 1982 की अपराह्न को छोड़ दिया।

सी० शंकर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1982

शुद्धि पत्र

सं० ए०-35018/6/79-ई०-1—श्री पी० एल० विश्वनाथन, सहायक निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा, मद्रास को भारमुक्त करते संबंधी इस कार्यालय की दिनांक 26 जून, 1982 की अधिसूचना सं० ए० 35018/6/79-ई०-1 में आणिक संशोधन करते हुए चौथी पंक्ति में 9-6-1982 के बाद (पूर्वाह्न) के स्थान पर (अपराह्न) पढ़ा जाए।

दिनांक 15 जुलाई 1982

सं० ए० 38013/1/82-ई०ए०—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय के श्री वी० राजा राम, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31-5-82 से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

मुधाकर गुप्ता
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० ए०-38015/3/82/ई०सं०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री वी०एस० आहलुवालिया, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 24-4-82 (अपराह्न) से मूल नियम 56 (के०) के प्रावधान के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी है।

दिनांक 20 जुलाई, 1982

सं० ए० 32014/2/82-ई०सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से रुपये 650-1200 के वेतनमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं० नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री			
1. जी० एन० ओका	अहमदाबाद	बड़ौदा	26-5-82 (पूर्वाह्न)
2. एन० एस० गोगाटे	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
3. बी०पी० प्रमाणिक	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
4. के० एल० पट्टा	अगरतला	गुहाटी	3-6-82 (अपराह्न)
5. जे०एन० मित्रा	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
6. के० के० दत्ता	कलकत्ता	कलकत्ता	1-5-82 (पूर्वाह्न)
7. एम० के० चक्रपाणी	कोयम्बटूर	हैदराबाद	21-5-82 (पूर्वाह्न)
8. बी० जे० हुडुर	नागपुर	हैदराबाद	30-6-82 (पूर्वाह्न)
9. बी० सी० विश्वास	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
10. एडविन थोमस	विशाखापत्तनम	विची	29-5-82 (पूर्वाह्न)
11. आर० एन० मिश्रा	लखनऊ	लखनऊ	29-5-82 (अपराह्न)
12. ए० के० चौधरी	कलकत्ता	कलकत्ता	30-4-82 (पूर्वाह्न)
13. सी० आर० कुट्टी	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
14. बी० एन० सरकार	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
15. डी० एल० हेटे	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
16. आर० पी० जोशी	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
17. जी० एस० नायर	त्रिवेन्द्रम	त्रिवेन्द्रम	1-5-82 (पूर्वाह्न)
18. जी० एल० थावला	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
19. आर० के० डी० चौधरी	सिलचर	गुहाटी	15-5-82 (पूर्वाह्न)
20. एस डी० भल्ला	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
21. टी० के० घोष	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
22. डी० एस० करमलकर	भोपाल	भोपाल	3-5-82 (पूर्वाह्न)
23. के० एस० एन० अय्यर	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
24. डी० एन० हलधर	कलकत्ता	कलकत्ता	30-4-82 (पूर्वाह्न)
25. एस० के० नन्दी	कलकत्ता	कलकत्ता	11-5-82 (पूर्वाह्न)
26. ए० एस० शिवरामाकृष्णन	नागपुर	नागपुर	24-5-82 (पूर्वाह्न)
27. पी० बोस	कलकत्ता	कलकत्ता	29-4-82 (पूर्वाह्न)
28. एस० एस० सन्धू	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
29. आर० एल० सुन्दर राज	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
30. बी०सी०दत्ता	कलकत्ता	कलकत्ता	10-5-82 (पूर्वाह्न)
31. एन० आर० बोस	अगरतला	अगरतला	29-4-82 (पूर्वाह्न)
32. एम०टी० राजाश्रुषि	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
33. पी०जी० चन्दराना	बम्बई	बम्बई	30-4-82 (पूर्वाह्न)
34. एस० के० विश्वास	कलकत्ता	कलकत्ता	4-5-82 (पूर्वाह्न)
35. ए० के० विश्वास	जोधपुर	ग्वालियर	31-5-82 (पूर्वाह्न)
36. एस० एन० गांगुली	कलकत्ता	कलकत्ता	1-5-82 (पूर्वाह्न)

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० ए० 31016/1/82-ई०एम०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम०सी० माह्रे को दिनांक 25-6-82 में नागर विमानन विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

ई० एल० टैसलर,
महायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० 1/430/82-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के सहायक प्रशासन अधिकारी, श्री नारायण मिह को एकदम तदर्थ आधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 4-5-82 से 7-6-82 (दोनों दिन समेत) तक का अवधि के उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/522/82-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री सी० जे० डोसोशा को 14 जून, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परिचायक प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/236/82-स्था०—मुख्य कार्यालय के प्रशासन अधिकारी श्री व्ही० स्वामीनाथन दिनांक 30 जून, 1982 के अपराह्न से निवर्तन की आयु के हो जाने पर सेवा निवृत्त हो गए।

एच० एल० मल्होत्रा,
उप निदेशक (प्रशासन)
नूतने महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय
सीमा व केन्द्रीय उत्पादनशुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1982

सं० 12/82--श्री के० के० अग्रवाल ने, जो पहले वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) में अवर सचिव के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 5-6-82 के आदेश सं० 105/-82 [फा० सं० ए० 22012/34/81-प्रशा०-II (पा०एल०)] के द्वारा सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण का दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानांतरित होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में दिनांक 8-6-82 (पूर्वाह्न) से कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप "क" का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 13/82--श्री रवि मांडिल ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, पटना में, सहायक समाहर्ता के 3-196G1/82

पद पर तैनात थे, राजस्व विभाग के दिनांक 23-6-82 के आदेश सं० 108/82 [फा० सं० क-38012/11/82-प्रशा०-II] द्वारा शुल्क केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं स्वर्ण नियंत्रण अपीलीय अधिकरण का दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानांतरित होने पर, दिनांक 29-6-82 के (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में कनिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 14/82--श्री एम० सुन्दर राजन ने, जो पहले शुल्क वापसी निदेशालय, राजस्व विभाग में वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 29-6-82 के आदेश फा० सं० क-12034/3/82-प्रशा०-II (क) द्वारा, सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपीलीय अधिकरण, का दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानांतरित होने पर, दिनांक 5-7-82 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में कनिष्ठ विभागीय अधिकारी (ग्रुप "ख") के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एस० बी० सरकार,
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038 दिनांक 22 जुलाई 1982

सं० 11-टी० आर० (5)/79--राष्ट्रपति, श्री यू०बी० रतनदे, इंजीनियर अधिकारी मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, बम्बई का त्यागपत्र तारीख 21 अक्तूबर, 1981 पूर्वाह्न से स्वीकार करते हैं।

पी० घोष
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1982

सं० ए० 22014/1/82-स्था०एक--प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री ए० के० सिन्हा को रु० 650-30-740-35-810- द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक (प्रकाशन) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० सिन्हा, अतिरिक्त सहायक निदेशक (प्रकाशन) उपर्युक्त तारीख से दो वर्ष का अवधि तक अतिरिक्त सहायक निदेशक (प्रकाशन) के ग्रेड में परिवर्तित रहेंगे।

के० एल० भन्डूला
अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और चान्द राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 12 जुलाई 1982

सं० जी०पी०/982/560 (3)/1388 (13)—कम्पनी अधिनियम 1956 का धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि हम तारिख से तीन मास के अवसान पर चान्द राइस मिल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० कम

कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आसाम

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैनेजमेंट एंड डाक्स कन्सल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० 2207/560/82-83—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि है इस दिनांक से तीन मास के अवसान पर मैनेजमेंट एंड डाक्स कन्सल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

य० सत्यनारायण

कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दावान बिल्डरज एंड कोलोनाइजरस प्रा० लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० जी०/स्टेट/560/3460/7273—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दावान बिल्डरज एंड कोलोनाइजरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्दुस्तान एक्सचेंज लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 21 जुलाई 1982

सं० जी०/स्टेट/560/1047/3268—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 का उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान एक्सचेंज लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आर० एन० बी० एस० ब्रादर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 21 जुलाई, 1982

सं० जी०/स्टेट/3198/560/3271—कम्पनी अधिनियम, 1956 का धारा 560 का उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आर० एन० बी० एस० ब्रादर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एन० मोलिक,

कम्पनी रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त:

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1982

आदेश

सं० 139—प्रकाशित आयकर अधिकारी की पुष्टि आयकर अधिकारी, वर्ग-II के रूप में उनके नाम के सामने स्तम्भ संख्या 3 में अंकित तिथि से हुई है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम और पद तथा कार्यरत स्थान	पुष्टि की तिथि	रिक्त कैसे हुई
1	2	3	4
1.	श्री जी० सत्यनारायण मूर्ति, आयकर अधिकारी, पालाकोल	1-7-1982	श्री एम० जे० वेग आयकर अधिकारी, वर्ग-I के सेवा निवृत्त होने से

2. पुष्टीकरण की तिथि पश्चिम तिथि में अशोचन योग्य है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाए।

एम० एस० नारायणन
आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश

प्रमुख आर्क्ष. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मई 1982

आदेश सं. जी. आर्क्ष. आर. संख्या एम-135/अर्जन—यतः मुझे, ए. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-बी के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 56/6 से 9 है तथा जो तिलपुरवा हसन गंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-11-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रवीन चन्द्र गुप्ता

(अन्तरक)

2. मानस सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड, 54 जै नारायण रोड लखनऊ, द्वारा श्री राम अवधेशतिवारी (अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 56/6 से 9 स्थित तिलपुरवा, हसन गंज लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडाई एवं फार्म 37-जो संख्या 6842 में वर्णित है जिनका पूंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 6-11-81 को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख : 28-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. भीमती विमला साहू

(अन्तरक)

2. भीमती रुकमनी देवी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, 29 मई 1982

आदेश संख्या जी. आई. आर. संख्या आर-169/अर्जन—
यतः मूर्छे, ए. प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी खसरा संख्या 251 है तथा जो इरादत नगर लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
7-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्छे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

एक अज्ञाता अमला मय आराजों खसरा नम्बरों 251 ताबादी
5500 वर्ग फिट बाके इरादत नगर सोलापुर रोड, निकट शिया
कालेज लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडोल एवं फार्म
37-ओ संख्या 6718 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्-
ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 7-11-1981 को किया
जा चुका है।

ए. प्रसाद
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 29-5-1982
मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जून 1982

आवेश संख्या जी. आई. आर. संख्या. पी-93/अर्जन—
यतः, मुझे, ए. प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं. वी-5 लोजहोल्ड प्लॉट नं. 12
खसरा नं. 992 है तथा जो आई. टी. कालेंज, कासिंग,
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
दिनांक 7-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनाया प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अन्तर्पूर्णा देवी पत्नी श्री विश्वम्भर नाथ खन्ना
सोफी टोला चौक लखनऊ
(अन्तरक)

2. प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि. सी.-
207 निरालानगर लखनऊ
(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लोजहोल्ड प्लॉट नं. वी-5 प्लॉट नं. 12 में खसरा नं. 992
आई. टी. कालेंज कासिंग लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति ए. जो
सेलडोड एवं फार्म 37-जो संख्या 7059/81 में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 26-11-
1981 को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, लखनऊ

तारीख : 30-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जून 1982

आदेश संख्या जी. आई. आर. संख्या एस-231/अर्जन—
यतः, मुझे, ए. प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. बी-5 है तथा जो
आई. टी. कालेज क्रॉसिंग, लखनऊ में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-11-1981
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवक्षित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि.
द्वारा श्री एस पी मिश्रा सचिव
(अन्तरक)

1. श्रीमती स्वरसती देवी
2. श्रीमती रूपलेखा अग्रवाल
3. श्रीमती रीना अग्रवाल
4. श्रीमती मीरा अग्रवाल

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं. बी-5 खसरा नं. 9925121 कसायर फिट स्थित
आई टी कालेज क्रॉसिंग लखनऊ एवं वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेले-
ब्रड एवं फार्म 37-जो संख्या 7084 में वर्णित है जिनका पंजी-
करण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-11-81
को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 30-6-1982
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जून 1982

आदेश सं. जी. आई. आर. संख्या आर/अर्जन—यतः,
मुझे, ए. प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. लोजहोल्ड प्लॉट नं. 12 खसरा नं. 992 है
तथा जी. आई. टी. कालेज फ़ासिंग, लखनऊ में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
15-10-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा कट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. प्रगतिशील सहकारी गृह निर्माण समिति लि.,
सी-207, निरामानगर, लखनऊ।
(अन्तरक)
2. (1) श्री रामजी अग्रवाल (रामजी अग्रवाल)
(2) राधे लाल अग्रवाल
(3) मुरारी लाल गोयल
(4) अशोक कुमार
(अन्तरिती)
3. उपरोक्त अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंध के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लोजहोल्ड नज्ज प्लॉट नं. 12 खसरा नं. 992 स्थित आई.
टी. कालेज फ़ासिंग दहुर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो
सेलडोड एवं फार्म 37-जी संख्या 6934/81 में वर्णित है
जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक
15-10-1981 को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख : 30-6-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1210—यतः, मूठे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. पार्स आफ लैंड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में बाधित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्तार आम श्रीमती सुशीला रुदड़ा
पत्नी श्री के. सी. रुदड़ा, सैन विला, एम. आर्. रोड,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार विनोद पत्र श्री सनीराम विनोद
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उन प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आर्. रोड, जयपुर में स्थित 130
वर्गमीटर भूमि जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या
2884 दिनांक 17-11-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

मोहुर :

प्रकृष बाई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आवेष सं. राज. /सहा. आ. अर्जन/1203—यतः, मझे, वी. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 11 का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4 - 196GI/82

(1) श्रीमती सुशीला वर्मा पत्नी श्री वीर बाबूजी, निवासी चित्तरंजन मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर आठरानी पुत्र श्री लंकराज आठरानी, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनुसूची

पार्ट आफ प्लॉट नं. 11 तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर क्षेत्रफल 326.66 वर्गगज (274 वर्गमीटर) जो उपपंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3056 दिनांक 28-11-81 पर पंजि-वृद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

सोहर :

प्रस्ताव आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1211--यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. पार्स ऑफ लैंड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करण या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्तारआम धीमती सुशीला रुदड़ा
पत्नी श्री के. डी. रुदड़ा, सैन विला, एम. आर्. रोड़,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सहन्द्र कुमार विद्वानार्थ पत्र श्री मनीराम विद्वानार्थ
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आर्. रोड़, जयपुर पर स्थित 70
वर्गमीटर भूमि जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
2881 दिनांक 17-11-81 पर पंजिबद्ध दिक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

सांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1208--यस: मुझे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में पाट ऑफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राखा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य या उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर सन मुख्तारआम श्रीमती सुशीला रघुवीर
पत्नी श्री के. डी. रूदड़ा, सन विला, एम. आई.
रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री रामजी विष्णोई,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आई. रोड, जयपुर पर स्थित 137
बर्गमीटर भूमि, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
2886 दिनांक 17-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप में विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1209—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पाट ऑफ लैंड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एम्स अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री रघुवीर सैन मुख्तारआम श्रीमती सुशीला रुदड़ा
पत्नी श्री के. डी. रुदड़ा, सैन विला, एम्. आई.
रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वती देवी पत्नी श्री रामजी विद्वानेई,
श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संसार दिला, एम्. आई. रोड, जयपुर में स्थित 130
वर्गमीटर भूमि जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
2879 दिनांक 17-11-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1212—यतः भूमे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. पार्ट आफ लैंड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर सैन मुस्तारआम श्रीमती सुशीला रुदड़ा
पत्नी श्री के. डी. रुदड़ा, सैन विला, एम. आई.
रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा विश्वादेव पत्नी श्री लाजपतराय
विश्वदेव, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 6वां
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आई. रोड, जयपुर में स्थित 130
वर्गमीटर भूमि जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विक्रय
पत्र संख्या 2885 दिनांक 17-11-81 में और विस्तृत रूप से
विवर्णित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
मांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1207---यतः मुझे, वी. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. पार्सल आफ लैंड है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रघुवीर सैन भूस्तराजाम श्रीमती सुशीला रुवड़ा पत्नी श्री के. डी. रुवड़ा, सैन विला, एम. आई. रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा विश्वादे पत्नी श्री लाजपतराय विश्वादे, श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आई. रोड, जयपुर में स्थित 70 वर्गमीटर भूमि जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2879 दिनांक 17-11-81 पर पंजिद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982
गाहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आवेष्ट सं. राज. / सहा. आ. अर्जन / 1205---यतः मुझे, वी. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पाट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रघुवीर मोहन मल्लाराम भीमती मृगीता रुद्रा पत्नी श्री के. डी. रुद्रा, सैन विद्या, एम. आई. राड़, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजपताराय पत्र श्री मनीराम विक्रमजी, श्रीगंगा-नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पाट आफ लैण्ड मीजरिंग 70 वर्गमीटर, स्थित संसार विद्या, एम. आई. राड़, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2880 दिनांक 17-11-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

संहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1206--यतः मूर्धे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पाट आफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

इस अन्तः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; धर्मात्तु :--

(1) श्री रघुवीर सैम मल्लारआम भीमती सूशीला रघुड़ा
पत्नी श्री के. भी. रघुड़ा, सैन विला, एम. आई.
रॉड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री लाजपतराय पुत्र श्री मनीराम विष्णोई, श्रीगंगा-
नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदस्ताधरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संसार विला, एम. आई. रॉड, जयपुर में स्थित 169
वर्गमीटर भूमि, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
2883 दिनांक 17-11-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

मोहर :

प्ररूप बाह्य. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जयपुर, दिनांक 22 मई 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1204--यतः मुझे, वी. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 11 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

5-196 GI/82

(1) श्रीमती सुशीला बर्मा पत्नी श्री वीर बाबूजी, निवासी चित्तोजन मार्ग, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर ओडरानी पत्नी श्री लेखराज ओडरानी, सी-स्कीम, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 11 का भाग, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जिसका क्षेत्रफल 326.66 वर्गगज (274 वर्गमीटर) है तथा जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3032 दिनांक 28-11-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जयपुर

तारीख : 22-5-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आवेदक सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1157—यतः मुझे, वी. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो अलवर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह जाट, पुलिस विभाग, सीकर।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द एवं राज कुमार जैन द्वारा राजस्थान हनी लेबोरेटरीज, मूंशी बाजार, अलवर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

966 वर्गगज खूली जमीन, मोंसी डंगरी स्कीम, अलवर जो उप पंजीयक, अलवर द्वारा क्रम संख्या 348 दिनांक 15-12-81 पर पन्जीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
सोहर :

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आवेष्ट सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1158—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो सीकर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री हाजी किसिम पुत्र हाजी सन्वल कारीगर मुसलमान
वाड नम्बर 14 (नया), सीकर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इबाहीम पुत्र गुलाम रसूल चौहान, वाड
नं. 14 (नया), सीकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1489 वर्गज का ओपन प्लॉट, वाड नम्बर 14 (नया),
सीकर जो उप पंजियक, सीकर द्वारा क्रम संख्या 1192 दिनांक
27-11-81 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1159—यत्: मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नम्बर बी-1 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-9-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्त
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रति/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवा
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती पूष्प कंवर, श्रीमती राजलक्ष्मी, कुमारी
सुमिता एवं युवराज कुमारी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सन्टोजन टेक्सटाईल मिल्स (प्रा.) लिमिटेड
ए-शान्तीनगर, अजमेर रोड, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर बी-1, शान्ती नगर, अजमेर रोड, जयपुर जो
उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2228 दिनांक 1-9-81
पर पंजिबद्ध विनियम पत्र में और विस्तृत रूप से विवक्षित
है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आवेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1160—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नम्बर डी-60 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती दयभन्ती सुन्दरुवाला पत्नी श्री विद्याधर
जी, 1/2 रोलैन्ड रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती देवी चौधरी, विनोद कुमार चौधरी
डी-60, बनी पार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर डी-60, माधो सिंह रोड, बनी पार्क, जयपुर
में स्थित है और उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2857
दिनांक 17-11-81 पर पंजीवृद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल

गक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 20-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या : राज./सहा. आ. अर्जन/1161—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. डी-60 है तथा जो जयपुर में स्थित
है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती दमयन्ती देवी पति श्री विद्याधार जी, 1/3
रालेन्ड रोड, कलकत्ता मूलतः आराम जी. डी. मृगमन्-
वाला

(अन्तरक)

2. मैसर्स इन्जीनियर्स इण्डिया कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लिमि-
टेड, जयपुर

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंकाः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर डी-60, माधोसिंह रोड, बनीपार्क, जयपुर जो
उप पंजीयक, द्वारा क्रमसंख्या 2858 दिनांक 17-11-81 पर
पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीत है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आवेष संख्या राज./सहा.आ. अर्जन/1162—यतः भूमे,
वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाला पद्म सिंह पुत्र श्री नानिहाल सिंह, सी-24, अयसिंह हाईवे, जयपुर
(अन्तरक)

2. श्री मकन्द रोयल पुत्र श्री राधेश्याम रोयल, 109 वर्गा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम गजसिंहपुरा, अजमेर रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3131 दिनांक 29-12-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सश्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या राज/सहा आ. अर्जन/1163--यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-12-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री दिवाकर सिंह पुत्र पदम सिंह दिवासी सी-24
अयसिंह हाईवे, जयपुर

(अन्तरक)

2. श्री मूकन्द गायल पुत्र राधेश्याम गायल, 109 दुर्गा,
मार्ग बनीपार्क, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गजसिंहपुरा, अजमेर रोड, जयपुर तथा
जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3132 दिनांक
29-12-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
माहिर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या राज/सहा आ. अर्जन/1164—यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6—196GI/82

1. श्रीमती गायत्री देवी पति श्री पबम् सिंह, सी-24,
जयसिंह हाइवे, जयपुर
(अन्तरक)

2. श्री मकुन्द गोयल पत्नी श्री राधेश्याम गोयल, 109 दूर्गा
मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकड़प :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम गजसिंह पुरा, अजमेर रोड, जयपुर में स्थित कृषि भूमि
जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमसंख्या 3134 दिनांक 29-12-
81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित
है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रमाण आर्क्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

आदेश संख्या : राज./सहा. आ. अर्जन/1165--- यतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-12-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसा किताब आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं इस अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन:-

1. श्री मधुकर सिंह पुत्र पद्म सिंह, सी-24, जयसिंह
हाइवे, जयपुर
(अन्तरक)

2. श्री मकन्द गोयल पुत्र गंधेयाम गोयल 109, दर्गा-
मार्ग, बनीपार्क, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो ग्राम गजसिंहपुरा तहसील जयपुर में स्थित है
और उप पीजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 3133 दिनांक
29-12-81 पर पीजिबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप में विवरणित
है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्रकृष घाई• टी• एन•एल•-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, 20 अप्रैल 1982

निर्देश संख्या: राज./सहा.आ. अर्जन/1166—अतः मुझे,
वी. के. अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो कार्यालय जयपुर में स्थित है,
(और इसमें उपावद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-81

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तिबों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री भैरव राम डावी पुत्र गुमान राम डावी, ए-2,
अजमेर रोड पुल के नीचे, जयपुर
(अन्तरक)

2. श्री टीकम चन्द पुत्र लाल चन्द, ए-63, जनता
कालोनी, जयपुर
(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधले:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूची

ओपन प्लॉट आफ लैन्ड 618 वर्ग मीटर जो ए-63, जनता
कालोनी, जयपुर में स्थित है और उप पंजीयक, जयपुर द्वारा
क्रम संख्या 2918 दिनांक 21-11-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र
में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्गीकृत हूँ:—

मोहर :
तारीख : 20-4-1982

प्रारूप आई०टी०एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश संख्या ए. आर. 1/4639/82-83--अतः मुझे, सहाकर वर्मा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं. सी. एस. नं. 323 आफ मांडवी डिवीजन है तथा जो कांफ़ी सैव्ज स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-11-1981 डाक्यूमेंट नं. बाम्बे/583/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत् नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. हरकिशनदास गोर्धनदास
2. श्रीमती कमरती भूपतराय गरोडिया
3. श्रीमती सरले हेमंत गरोडिया
4. विनोदचंद्र छबीलदास गरोडिया हाउस प्रिमाइसेन फलंट ओनेर्स

अन्तरक

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्य

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा; यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या बाम्बे/583/79 और जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दिनांक 6-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सहाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-1, बम्बई

तारीख 22-6-1982
मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं. एम. आर. नं. 62/32468/81-82--
अतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 10, (दुकान नं. 1367 फिर 11, अब 6,
है, तथा जो कृष्णा रोड, बसवंगुडी, बंगलूर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय, बसवंगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए ।

1. श्री निवास पद्मनाभ राव चिट्ठिस नं. 1, कोडम्बा-
क्कम है रोड, मद्रास-34।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए. बि. नाग रत्ना 28, ईस्ट सर्किल रोड
वि. वि. एम बंगलूर

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावें सं. 2442

ता. 18-11-81)

पूराना, नं. 136, फिर 10, 11, अब 6, कृष्णा रोड
बसवंगुडी, बंगलूर-4

मंजू माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाग (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 14-6-82

माहुरः

प्ररूप आर्.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश सं. सि. आर. नं. 62/32469/81-82/अर्जी/वे—अतः मुझे, मंजु साधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 136, नया नं. 6, है, तथा जो कृष्णा रोड,
बसवंगुडी, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बसवंगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन ता. 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री सि. एस. मोहन तथा वे आदिभार्यो नं. 1,
कोडम्माक्कम् है रोड मन्नास-34
(अन्तरक)
2. श्री के. वि. शिवकुमार नं. 172, वासवी
टर्मिपल रोड विश्वेश्वर पुरम, बंगलूर-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 2441 ता. 18-11-1981)

नं. 136, नया नं. 6, कृष्णा रोड, बसवंगुडी बंगलूर-4

मंजु साधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 14-6-82
मोहर:

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बंगलूर, दिनांक 14 जून 1982

अर्जन रॉज, बंगलूर

निर्देश सं. सि. आर. नं. 32915/81-82/अक्वि/बे—
अतः मुझे, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 1307, 1 फेस है, जो एल. ए. सि. प्लॉट
सेक्टर-111 बंगलूर में स्थित है (और इस से उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बंगलूर सबूत तालुक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 20-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किंवा जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री ए. एल. एन. सूती नं. 643, 10/बि. मेन
रोड 4 ब्लॉक, जयनगर बंगलूर-11

(अन्तरक)

2. श्री एस. एस. रामू 11/8, 1 क्लस हनुमंतय्या
नैअकत 111 ब्लॉक जयनगर बंगलूर-11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज 4810 ता. 20-11-1981)

सम्पत्ति का सं. 1307, 1 फेस (एल. ए. सि. प्लॉट)
(सेक्टर 111), बंगलूर

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, बंगलूर

तारीख : 14-6-1982
मोहर:

प्रकृष्ट बाबू. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी 1982

निर्देश सं. 410/81-82—यतः मुझे, श्रीमती मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मूनसिपल नंबर 9-20-79 है, जो गढ़वाल रोड, रायचूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायचूर अंडर डाक्यूमेंट नंबर 1437 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

1. (1) श्री सीनय्या के पुत्र माटमारी भीमय्या
- (2) श्री एम. भीमय्या के पुत्र श्री माटमारी गंडय्या
- (3) श्री एम. भीमय्या के पुत्र श्री माटमारी अनंतराज
- (4) श्री एम. भीमय्या के पुत्र श्री माटमारी वीरेशबाबू
- (5) श्री बि. नागराज के पत्नी बि. विजयलक्ष्मी
- (6) डाक्टर एस. रामकृष्णा
- (7) डाक्टर एस. रामकृष्णा के पुत्र एस. चंद्रकान्त
- (8) श्री नरसिंहय्या के पुत्र श्री बि. इ. कृष्णामूर्ती
- (9) श्री बि. इ. कृष्णमूर्ती के पुत्र बि. इ. नरसण्णा
- (10) श्री बि. इ. व. कण्या के पत्नी बि. इ. ललितम्मा

- (11) श्री आर. पि. बंगारय्या के पत्नी आर. पि. सुगम्मा
 - (12) श्री आर. बि. सांबाशिवय्या के पत्नी आर. पि. वेंकटम्मा
 - (13) श्री जयण्णा के पुत्र श्री वाय. रामण्णा
 - (14) श्री जि. के. हमदय्य के पत्नी जि. के. पदमावती
 - (15) श्री उरुकुंदय्या के पुत्र श्री जि. रागण्णा
 - (16) श्री जि. हरन्ना के पत्नी श्रीमती जि. प्रमिलाबाइ
 - (17) श्री जि. रागन्ना के पत्नी श्री जि. शांतम्मा
 - (18) श्री उरुकुंदय्या के पुत्र श्री जि. हरन्ना
- उपर नमूदित सभी व्यक्तियों मेसर्स निरुमला इंडस्ट्री (रैस मित्र) रायचूर के पार्टनरस हैं (अन्तरक)

2. मेसर्स श्री साहबाबा इंडस्ट्रीस, रायचूर प्रतिनिधि भागीदार

- (1) श्री एम. मूल्यालराव के पत्नी एम. सत्यवरी
- (2) श्री एम. मूल्यालराव के पुत्र श्री एम. सूर्यचंद प्रसाद
- (3) श्री एम. मूल्यालराव के पुत्री कम्मारी एम. लक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गढ़वाल रोड, रायचूर में स्थित बिल्डिंग (जगह सहित) जिसका नाम है "मेसर्स श्री साहबाबा इंडस्ट्री" और जिसका मूनसिपल नंबर है 9-20-79।

श्रीमती मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 6-2-1982
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

1. श्री वि. पि. पांडुरंगराध राडलप्पाज काफ़ेड, पि.
मि. रोड, दावणगेरे

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जून 1982

2. श्री ए. नटराजन पत्र आरम्भन पिल्लै मैनिंग कान्ट्रि-
क्टर, डोर नं. 2175 एम सि कालनी, पि. जे.
एक्सटेंशन, दावणगेरे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं. एक्वी 429/82-83--यतः मुझे, मंजू
माधवन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 1 (सी. एफ.) है, तथा जो दावणगेरे में स्थित
है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दावणगेरे में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 23-11-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(वस्तावेज सं. 4184 ता. 23-11-81)

V बॉर्ड, पि. जे. एक्सटेंशन, दावणगेरे सैट नं. 1 (सी.
एफ.) मियर यूजिंग 58'x60'

मंजू माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 10-6-1982

मोहर:

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं. 421/82-83---यतः मूफे, डा. वि. एन. ललित कुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. घर नंबर 55 (5), 55 (6) है, तथा जो काकोडा बन्साइ कुचोरीम गाँवा में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्युपेम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता. 6-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्ति को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री शेष महमद
(2) श्री शेष अयूब
श्रीमती अल्लिका बंगम
मैनओनर मंगम, गोवा

(अन्तरक)

2. श्री कोलार नयीमुल्ला की पत्नि श्रीमती अबिदा बानू
शरीफ बन्साइ कुचोरीम, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 359 ता. 6-11-81)

काकोडा बन्साइ कुचोरीम, गोवा में स्थित 1010.89 स्क्वैर मीटर जगह और इस जगह पर स्थित बिल्डिंग जिसका घर नंबर है 55 (6) और 55 (5)।

डा. वि. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 20-4-1982
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

निर्देश सं. 420/82-83—यस: मुझे, आ. वि. एन. ललित कुमार राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. घर नंबर 55 (4) और 55 (3) है, तथा जो काकोडा बन्साइ कुर्चोरियम गाँवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्युपेम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 30-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने व अन्तरक के दायित्व में वमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री शंख महामय
(2) श्री शंख अयूब
(3) श्रीमती आर्किका बेगम
मैन ओनर, संगेम, गोवा

(अन्तरक)

2. श्री कोलार नयीमूला की पत्नि श्रीमती अश्विदा बान् शरीक बन्साइ-कुर्चोरियम गोवा

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजा के पञ्चम में कोई भी प्राक्षेप:—

- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 387 ता. 30-11-81)

काकोडा बन्साइ कुर्चोरियम, गोवा में स्थित 600.57 स्क्वेर मीटर जगह और इस पर स्थित बिल्डिंग जिसका घर नंबर है 55 (4) और 55 (3)

आ. वि. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 20-4-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 मई 1982

निर्देश सं. सी. आर. 62/32788/81-82—यतः मुझे मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी म. 129/1, 1 स्ट्रेज है, तथा जो बेस्ट आफ काड्ड रोड, राजाजी नगर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 23-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दक्षित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री डी. सोमशेखर 20/बी, 18 काम मल्लेश्वरम,
बंगलूर-55
(अन्तरक)

2. श्री एस. बालसूब्रमन्यम 67, डा. 1 राधाकृष्णन
रोड, मैलापूर, मद्रास-600004
(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावज सं. 4205/81-81 ता. 23-11-1981)
घर संपत्ति है जिसका सं. 129/1 तथा जो, 1 स्ट्रेज बेस्ट
आफ काड्ड रोड राजाजी नगर, बंगलूर-10 में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 28-5-1982
संहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश सं. सि. आर. नं. 62/33417/81-82/अवि/बे—यतः मुझे, मंजू माधव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मूल्यांकन नं. 30, नया नं. 31, है, तथा जो कासल स्ट्रीट अशांक नगर बंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 25-1-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्रीमती बानू के मोडी
(2) श्रीमती शोरिन ए. मोडी नं. 10/15, वेन्सन लेकट स्ट्रीट रोड, बंगलूर (अन्तरक)

2. श्रीमती मंजु गोम्स 30, कासल स्ट्रीट अशांक नगर, बंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3241 ता. 25-1-82)

पुराना नं. 30, नया नं. 31, कासल स्ट्रीट अशांक नगर बंगलूर।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 19-6-1982
मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं. सि. आर. नं. 62/32471/81-82/अवि./
बे—यतः मुझे, संजु माधवन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं. 136, फिर 19, अब 6, है, तथा जो
कृष्णा रोड, बसवंगुडी, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बसवंगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 18-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बर्षात :—

1. श्री श्रीनिवास शेष; पद्मनाभ राव चिट्डीनस 1,
कोडंबाकम् है रोड मद्रास-34
(अन्तरक)

2. श्रीमती एन. वी. सदर्नलता 53/2, सर्वेयर स्ट्रीट
बसवंगुडी, बंगलूर-4
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावज सं. 2432 ता. 18-11-1982)

136, एन नं. 19, अब नं. 6, कृष्णा रोड, बसवंगुडी,
बंगलूर-4

संजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 18-6-1982
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं. सि. आर. नं. 62/33714/81-82/अक्षी
/दे—यतः मुझे, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 35, 35/1, स्ट्रीट नं. 9, है, तथा जो
महान्त लेअकट, गविप्रम, बंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बसवंगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 8-2-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री जि. वि. श्याम राव श्रीमती नाग लक्ष्मी 3 ब्लाक
जयनगर 26 कास, बंगलूर
(अन्तरक)

2. श्री ए. एस. विश्वनाथ ए. स. कासिदिवनाथ शेट्टी
मंडी पेट, दावन्नोर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3375 ता. 18-2-1982)

नं. 35 और 35/1, स्ट्रीट नं. 9, महान्त लेअकट गवि-
प्रम बंगलूर

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 18-6-1982
सांहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश सं. सि. आर. नं. 62/32921/81-82/अकीय
बें—यतः मुझे, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 22, 4 मं. है, तथा जो 4 ब्लॉक, जयनगर,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन ता. 28-11-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्री सि. आर. सम्पत्त कमार मस्ति, मालूर तालुक
कोसलूर जिला
(अन्तरक)

2. श्रीमती अलियम्मा जान नं. 37, 9 ब्लॉक 7 बी मं. ,
जयनगर बंगलूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3815 ता. 28-11-1981)

घर का नं. 22, 5 मं., 5 ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 19-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं. न. सी. आर. 62/32777/81-82/एकवी
बी. यतः मुझे, मंजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 837 एम सं. 837/16 है, तथा जो 5 मं, 5
काम एम. आर. सी. आर. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, श्री रामपुरम बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 9-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

8—196G1/82

1. श्रीमती बूर्गम्मा सं. 837, 5 मं 5 काम एम.
आर. सी. आर. विजयनगर बंगलूर-40

(अन्तरक)

2. श्री सुबाष चंद्र धी. सं. 837, 5 मं, 5 काम
मागडी कार्ड रोड एकस्टेंशन बंगलूर-40

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं. 3308/81-82 ता. 9-11-81)

घर संपत्ति है जिसका सं. 837 और एम. सं. 837/16
(महल मिलके 5 मं 5 काम एम आर. सी. आर. विजय-
नगर बंगलूर-40

मंजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 18-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जून 1982

निर्देश सं. न. सी. आर. 62/32375/81-82/एक्वी बी.
—यतः मुझे, संजु माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सेट सं. 410 (खता सं. 24) है तथा जो 12
वा क्रॉस, प्लेसे अप्पर आचरडम में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 30-11-
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी. वी. कृष्णप्पा विवगत् पी वीरप्पा के पुत्र
अम्मतहल्ली गांधी नगर का होवनी बंगलूर उत्तर
(ता)
(अन्तरक)

2. श्री एम. बेंकटेश दिवगत मुनिबेंकटप्पा के पुत्र
ने डिगहल्ली गान्धिका (पी. ओ.) बंगलूर उत्तर (ता)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3098/81-82 ता. 30-11-81)
संपत्ति है बेंकट सेट सं. 410 खता सं. 24 में। तथा
जो 12 वा क्रॉस प्लालाम अप्पर आचरडम बंगलूर में स्थित है।

संजु माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, बंगलूर

तारीख : 25-6-1982
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश सं. न. सी. आर. 62/32904/81-82—यतः

मूके, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे सं. 171-3 है, तथा जो इडुया गांव मंगलूर (ता) में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर (ता) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 30-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी. के. तायनाथ बाबू पूजारी के पुत्र इडुया गांव मंगलूर (ता)

(अन्तरक)

2. (1) श्री के. एम. बाबा, के अहमद के पुत्र (2) श्रीमती अलीमाम के एम. बाब की पत्नी दोनों कून्-रोली, मंगलूर टाउन में रहने वाले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 862/81-82 ता. 30-11-1981)
संपत्ति है जिसमें बाग और इमारत भी सामील है जिसका सर्वे सं. है 171-3 तथा जो इडुया गांव मंगलूर (ता) में स्थित है।

मंजू माधवन

मंजू माधवन

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रकट आई. टी. एन्. एस.-----

1. श्री जाकोब चांडी 8-ए, "ओनर्स कोर्ट" मांटीन
लेन मग्रास-8

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश सं. न. सी. आर. 62/34451/81-82/एकवी
वी.—यतः मुझे, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3 है तथा जो कानबेंट रोड, बंगलूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
राजस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मग्रास सात में राजस्ती-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता.
4-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पथा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बोह/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुमन्त्र
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. मेसर्स, एम्डी इन्वैस्टमेंट और ट्रेडिंग प्रैक्टिस।
सं. 60, 9 वा मेन राजमहल विलस एकस्टेन्शन,
बंगलूर-80

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्ष्यकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3071/81-82 ता. 4-11-81)

घर संपत्ति है जिसका सं. 3, कानबेंट रोड बंगलूर (1.5/
34 शेरे)

मंजू माधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 21-6-1982

मोहर उ०

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश सं. सी. आर. 62/32396/81-82/ एकवी.
एकवी बी. यतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्रिमीसिस सं. 45, है, तथा जो डिकिन्सन
रोड बंगलूर-42 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, ता. 5-11-1981

प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स सुरैया ब्रदर्स (प्री) लिमिटेड जिसका रजि-
स्टर्ड आफिस है सं. 36, टामरीन्ड लेन फाट
बंबई-23
इसका प्रतिनिधी है डाइरेक्टर श्री दिलप डी.
उदेशी।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती रीटा वी मस्वन्ट (2) श्री विजय वी
मस्वन्ट सं. 1, राक रोड, 112, बालकेश्वर रोड
बंबई-400006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाचारात्मकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 23926/81-82 ता. 5-1-1981)
पर संपत्ति है जिसका प्रिमीसिस सं. 45, तथा जो डिकिन्सन
में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, बंगलूर

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश सं. ई.आर.-62/32779/81-82/एक्वी बी—
यतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 4/1 है तथा जो नर्त, कूक टाउन,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचण
में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्री एस. ई. पाल (2) श्रीमती लिली पाल,
सं. 15, 1 फ्लोर, स्टेट बैंक आफिसर्स हाउसिंग
कालोनी, सरजापुर रोड, कोरमन्गल, बंगलूर-34।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सराजम्मा, 37/1 चरलेस काम्प बेल रोड,
काकस टाउन, बंगलूर-5।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2658/81-82 तारीख 28-11-1981)

घर संपत्ति है जिसका सं. 4/1 तथा जो नार्त रोड, कूक
टाउन, बंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध टी० एन० एम०

1. श्री आकोब जीडी, 8-ए, "ओनरस कोर्ट"
मीटिंग रूम मकान-8।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना2. श्री के. प्रसाद वरदन, 201, रियमंड प्लेस,
एम. ए. फ्लाटम, कानवेल्ट रोड, बंगलूर-25।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जून 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं. ई. आर.-62/34452/81-82/एक्वी बी—
यतः मुझे, मंजू माधवन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

और जिसकी सं. 3 है तथा जो कानवेल्ट रोड, बंगलूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वाकनविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाव में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3072/81-82 तारीख 4-11-1981)

पर सम्पत्ति है जिसका सं. 3, कानवेल्ट रोड, बंगलूर-25
(1-5/34वां डोर)।

मंजू माधवन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बंगलूर

तारीख : 21-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश सं. ई. आर.-62/33677/81-82/एक्वी बी--
यतः मुझे, मंजू माधवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 37/1, 40 और 41 (काफी और वेट लैंड)
है तथा जो इब्बनीवनवाडी एस्टेट, मडकोरी (ता.) कोडगल में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मडकोरी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्री पी. ए. राघवा
(2) श्रीमती पी. आर. मीनाक्षी
(3) श्री पी. आर. सुरेश
(4) श्रीमती पी. आर. आषा और
(5) श्रीमती पी. आर. ज्योती
ज्योती एस्टेट, इब्बनीवनवाडी एस्टेट बोयकोरी
पोस्ट, मडकोरी (ता.) कोडगल।

(अन्तरक)

2. श्री के. एम. मनोहर कोनेरिया मंदप्पा के पुत्र,
कोट्टोली गांव, विराजपेट (ता.) कोडगल (डी.)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 875/81-82 तारीख 16-11-1981)

संपत्ति है काफी और वेट लैंड तथा जो इब्बनीवनवाडी गांव,
मडकोरी (ता.) कोडगल में स्थित है।

मंजू मधवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

* अर्जन रॉज, बंगलूर

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री वागजी भाई दादा भाई बारीया, मनजलपुर, बरोडा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1721/एक्वी/23-11/82-83--अतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 92 और 94/2 है तथा जो मनजलपुर, बरोडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

9-196GI/82

2. (1) श्री सतीश भाई छांट भाई पटेल, 1-महावीर-कृपा सोसायिटी, सीदवाई माना रोड, बरोडा।
- (2) कीरीत भाई छांट भाई पटेल, 13-ए, जनकपुरी सोसायिटी, मनजलपुर, बरोडा।
- (3) मठान भाई बंकी भाई पटेल, जूबिली भाग, खत्रीपोल (4-7 वाडा), बरोडा।
- (4) वीनल भाई नाता भाई पटेल, 21, श्रीजी भाग सोसायिटी, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुल्ला जमीन जिसका एस. नं. 92 और 94/2, मनजलपुर, बिक्रीखत नं. 6364--63-71 पर सम्पूर्ण वर्णित पर बरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 17-11-1981 में दशा-विधि रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 3-7-1982

मोहर :

प्ररूप बाह्य, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई 1982

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1720/एनसी/23-11/82-83—अतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नं. गेरवा 1178, 1179, प्लॉटस है तथा जो जी-1, 2, 3, बेरोडा इंडस्ट्रीयल एस्टेट प्रीमिसिस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धोखा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बेरोडा इंडस्ट्रीयल एस्टेट कोरपोरेशन लिमिटेड, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गोवा, बेरोडा-390016।

(अन्तरक)

2. वी डायरेक्टर, थ्रेणो लिमिटेड, अन्तेमबिक रोड, बेरोडा, बेरोडा-390003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बीच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो बेरोडा इंडस्ट्रीयल एस्टेट प्रीमिसिस बिक्री-खत नं. 6480 पर सम्पूर्ण वर्णन पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय पर तारीख 24-11-1981 में यथाविधि रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 3-7-1982

मोहर :

प्रकट आई. टी. एच. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1982

निवेदन सं. पी.आर. नं. 1719/एकवी/23-11/82-83—अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. नोद नं. 1323, साय शोरी है तथा जो हरीपूरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दूस्तीज् आफ मणीलाल कल्याणदास :—

- (1) मणीलाल कल्याणदास का विधवा वाई. वनहाल।
 - (2) कान्तीलाल साकोबास सांगी।
- रजिस्ट्रेशन :—(1) श्रृषीकेश, उत्तर प्रबंध।
(2) हाजीवाण बेजार, बूचे।
(अन्तरक)

2. (1) बाबूभाई, उभे कान्तीलाल गुलाबदास घेरापू।
- (2) धीरजलाल गुलाबदास घेरापू।
- (3) रमेशचन्द्रा गुलाबदास घेरापू।
- (4) शशीकान्त गुलाबदास घेरापू,
- (5) महेन्द्रा गुलाबदास घेरापू,

हरीपूरा, साय शोरी, सूरत।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं. 1323, साय शोरी, हरीपूरा, सूरत, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-7-1982

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1718/एकवी/23-11/82-83—अतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं. टी. पी. एस. 5, अथवा, एफ. पी. ह तथा जो नं. 288 (पी.) गोदाव रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री अरविन्द कुमार चिमन लाल लखर, सनवर स्ट्रीट, लीमडा चौक, सूरत।
(अन्तरक)

2. श्री रामन भाई सीताराम भाई पटेल, गांव पासोदा, ता. कामूरे, जिला सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टी. पी. एस. 5 अथवा गोदाव रोड, एफ. पी. नं. 288-बी, (पी) प्लॉट नं. 3, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-7-1982
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 जुलाई 1982

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1717/एक्वी/23-11/82-83—अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. नोड नं. 358-ए चोकावाला शेरी है तथा जो वाड़ी फलीया, स्ट्रीट नं. 9, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मूर्खता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री बमवलाल मंगनलाल पटेल, जयनतीलाल मंगनतीलाल बरभीवाला, सानसाकूस, सयी एपार्टमेंट, स्थान के सामने, बम्बई-54।

(अन्तरक)

2. (1) नवसुखलाल रतीलाल,
(2) श्री गणुवनतलाल रतीलाल,
(3) श्री रमणचन्द्रा रतीलाल,
(4) श्री जगदीशचन्द्रा रतीलाल,
हरीपरा, कानसकीवाड, सूरत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोड नं. 358-ए, चोकावाला शेरी, वाड़ी फलीया, सूरत, नवम्बर 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 2-7-1982
मोहुर

प्रमाण आदेश, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1716/एकवी/23-11/82-

83--अतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 618, टीका नं. 17, है
तथा जो एस. नं. 2184, 2183, नवसारी में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

1. (1) श्री गोपालदास लल्लूभाई अमलीवाला,
- (2) श्री रामाबेन गोपालदास अमलीवाला,
- (3) श्री धनसुखलाल गोपालदास अमलीवाला,
- (4) श्री अनमलाल गोपालदास अमलीवाला,
- (5) श्री जनमलाल गोपालदास अमलीवाला,
- (6) श्री किशोरलाल गोपालदास अमलीवाला,

नागानलावड़ी, स्टेशन रोड, नवसारी।

(अन्तरक)

2. साशील एपार्टमेंट का-ओ-है-संसायिटी लिमिटेड,
प्रमोटर्स :--

(1) श्री कृष्णरूपलाल छगनलाल शाह,

(2) श्री मानीष सांमहानव शाह, टोर रोड,
नवसारी।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 618/21 टीका नं. 17,
एस. नं. 2184, 2185, 2186, 2187 (पी) स्टेशन
रोड, नवसारी नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-7-1982

मोहर :

प्रथम भाग, डॉ. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1715/एचवी/23-11/82-83-अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एच. नं. 549, 548, 548/1, 548/7, वाड नं. 8 है तथा जो कानगा वाड नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. (1) श्रीमती सावित्री केशी द्वारकाप्रसाद सोणी,
(2) श्री द्वारकाप्रसाद लक्ष्मीनारायण सोणी,
मरीयमपुरा, नवसारी।

(अन्तरक)

2. पीनकी एपार्टमेंट को. हा. -मोसायटी का प्रमूह श्री लालजीभाई देवजीभाई पटेल, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एच. नं. 549, 548, 548/1, 548/7, वाड नं. 8, कानगावाड, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 1-7-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश सं. पी. आर. नं. 1714/एकवी/23-11/82-83—अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. टीका नं. 51, सी. एस. नं. 2398, है तथा जो आर. एस. नं. 643, नवसारी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री गंगाबेन कानजीभाई पटेल,
(2) कानाजीभाई भाणाभाई पटेल,
महाराणी शारदादेवी रोड, नवसारी.
(अन्तरक)
2. श्रीमती सवीताबेन मोंगरभाई पटेल, गणेश शीमाड़ा,
ता. नवसारी.
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टीका नं. 51, सी. एस. नं. 2398, आर. एस. नं. 648, नवसारी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 30-6-1982
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1713/एकवी/23-11/82-83—अतः मुझे, आर. आर. शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन आय संचाली की, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या वाड नं. 7, नं. 4940, ग्लेड है। तथा जो ग्लेड यार्ड के पास, सुरक्षा (एम. नं. 5081) में स्थित है (और इसमें उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोगार्थ अनागति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या तय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—196GI/82

1. श्री केसनजी भाई धनजी भाई टमकूशला। काजी-वाडी। महीधरपुरा। मुरत।
(अन्तरक)

2. श्री श्रवानी प्रसाद शायभूदयान अग्रवान 1603, रमीराजपार्टमेंट। दिवाली भाग। मुरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में तार्ड की प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रकरण 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रकरण में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस नं. 5081, नयी रेलवे ग्लेड यार्ड, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 30-6-1982
मोहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1676/एकवी/23-11/82-82—अतः मुझे, पी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 1739, दि. पी. एस. 4, नवागार, है। तथा जो मूल्य में स्थित है (और इसमें उपाबद्धा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूल्य में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में अन्तरण प्रमाणित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. (1) श्रीमती पार्वतीबेन ईश्वरलाल कापडीया।
(2) श्री ईश्वरलाल जमनादास कापडीया।
(3) श्री रामलाल ईश्वरलाल कापडीया और दूसरे, यहीदरपुर, वाणीया डोरी मूल्य। (अन्तरक)

2. (1) पार्श्वतम मावजीभाई। महीदरपुर, लिम्बू डोरी। मूल्य।
(2) श्रीमती शानताबेन वल्लभभाई महीदरपुर, जाजरवदी, मूल्य।
(3) श्री वल्लभभाई छगनलाल। महीदरपुर, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 1759 (पि) ब्लाक नं. 3, प्लॉट नं. 6, ब्लाक नं. 4, नवागार, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1677/एकेपी/23-11/82-82--अतः मुझे, जी.सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. नं. 1059, आदर्श सोसायिटी, है। तथा जो अतः लैनस, सुरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किन्हीं प्राय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) किसी प्राय या किन्हीं प्राय या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा को 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. डा. रामनयाल कालीदास देशाई पृष्णाबेन दालतभाई पटेल का कलमूकतयार। आदेश सोसायिटी अथवा लयिनस। सुरत।

(अन्तरक)

2. असीना पार्क एपार्टमेंट को आ-हैसीग सोसायिटी। प्रमूह श्री योगेश शान्तीलाल काट्टकटर। दारीया माहाल। चौक बंजार। सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त उपाबद्ध सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा उक्त उपाबद्ध सम्पत्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 1059, आदर्श सोसायिटी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1670/एकवी/23-11/82-83—यतः भू. जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी गं. आर. एस. नं. 363-1, कठारगाम, है। तथा जो यान्त्रीवाडी, मुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक ने कोई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती जशमाबेन अशविन्भाई महेता। बी. नं. 32, साधना सोसयटी। वरधा रोड। मुरत।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमबालाल ववीमजी भाई पटेल बी. नं. 115, गुरुनगर सोसयटी। वरधा रोड। मुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 361-1, टी. पी. एस. 4, एफ. पी. 40-ए, भान्नीवाडी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1679/एकवी/213-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. ज. 433, एच-1, टी. पी. एस.-3, है। तथा जो एफ. पी. न. 303, कठारगाय में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कान्तीलाल छाट् भाई पटेल और दूसरे।
गोदलावाडी पटेल प्लीथा । सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री हीरालाल लल्लु भाई सांपेरवाला। सामथा
बंजारा (2) रामावतीबेन कान्तीलाल भगत। राणी
तलाव पारसी डोरी। सूरत

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-घ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 433, एच-1, टी. पी. एस. 3, एफ. पी. 303, कठारगाय, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. न. 1680/एकवी/23-11/82-83—अतः मूझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 2131/2 रानदर है। तथा जो रानदर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनगूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें घटाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थ है:—

1. मार्नेजिंग डायरेक्टर चनाबाना मुसजीद बसद। श्री श्री डेसयौयल अहमद मार्केड भाई। रानदरे मुरत। (अन्तरक)

2. दी आनद कां-ओ-है-सांसयटी लिमिटेड/2/1894, चवलाणी पोल। मग्रामपुरा। मुरत। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो रानदरे-एस-न. 231/2 यथाविधि, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1681/एकवी/213-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. नोंद न. 2159, नानी चीपवाड़, है। तथा जो गोपीपूरा, मृत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मृत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हर्नद्वान, दीनकर भाई रासचन्द्रा देशाई का विधवा, (2) जयश्री वन, अशांक कुमार दीनकर देशाई का विधवा-सुद और अवधकता बच्चे बीनाल अशांक कुमार का मतकर्ता गोपीपूरा नानी चीपवाड़ मृत।

(अन्तरक)

2. चन्वलाल बीज वल्लभदास भगवानदास वाडी पुलिया। चोकवाल शरी दत्त मृत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद न. 2159, वाई न. 8, गोपीपूरा, नानी चीपवाड़, नवम्बर, 1982 में रजिस्ट्री, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1682/एकवी/23-11/82-83—अतः स्मृते, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं. नं. 91 (भाग) है। तथा जो गांव सारणासन, गांधी नगर जिला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
अन्तर/घ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री काला भाई प्रभाद भाई। (2) पूजा भाई प्रभाद भाई। दोनों उनका पञ्च. यू. एफ. का कत्ता।
गांधीनगरासम। गांधी नगर जिला।
(अन्तरक)

2. (1) गोवीन्धसिंह ताकतसिंह परमार। (2) जतेन्द्रा धीरू भाई दयास। (3) भोगीलाल गणेशदास पटेल सब गांधी नगर में रहने हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जी गांव सरणासन, गांधीनगर जिला में एस. नं. 91 (भाग) में स्थित है बिश्रीवाता नं. 1988, पर सब रजिस्टार गांधीनगर के कार्यालय में तारीख 4-11-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निवेश सं. पि. आर. नं. 1673/एकवी/213-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 273/273/3 (पी) प्लॉट नं. 6, है। तथा जो नागनलाववाड़ी, नवसकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री दीपक कुमार रमेश चन्द्रा बोषी। (2) श्री दीपक कुमार रमेशचन्द्रा बोषी। नूतनबेन दीपक कुमार बोषी, , सुधीर कुमार रमेशचन्द्रा बोषी के कल्याणकर सुधीर कुमार बोषी के फाग के सामने। नवसारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हनसा रामजी भाई रजपूत। (2) श्री सुरेश चन्द्र जमनादास राज कमल दिलडीग। बावीवाड। नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. मिलकत जो एस. 273/273/3 (पी) 6, नागनलाववाड़ी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982
सोहर :

प्रकृष काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निदेश नं. पी. आर.नं. 1684/एक्वी/23-11/82-83
—अतः मुझे जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 285, टिका नं. 42 है तथा
जो सी. एस. नं. 1881 नवसारी में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दाली पेसठानजी डुसासीया मोसी अगौनारी स्ट्रीट
नारोना बाजार, नवसारी।

(2) श्री दिनेश नारायणभाई पटेल, जयश्री एपार्टमेंट
नवसारी।

(अन्तरक)

(2) सुविधा एपार्टमेंट को-ओ-हू-सोसायिटी का अध्यक्ष
श्री अतुल हंसमुख भाई शाह, तीन बेंगला, स्टेशन
रोड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकर जो आर. एस. नं. 285, टोका नं. 42, सी.
एस. नं. 1881, नवसारी में स्थित है और जो नवम्बर 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982

मोहर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निदेश नं. पी. आर. 1(85/एक्वी/23-11/82-83—
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं. आर. एम. नं. 234, सी. एस. नं. 4384
है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विव्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य बास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री मोहनलाल जीवामणी पटेल और दूसरे, काछीया-
वडी, नवसारी।
(अन्तरक)

2. वरपण को-ओ-हो-सोसायटी, कावानबारी सेंटर,
स्टेशन रोड, नवसारी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बातें:—

(क) इस सूचना के छापण में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नवोद्घातारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 234, सी. एस. नं. 4384,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1686/एकवी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. टीका नं. 2/1, एस. नं. 8 (पी) और एस. नं. 56 (पी) जमीन, चबूतल है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम् अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अलाम पीराजशा महता और दूसरे, चाप-रॉल नवसारी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री खालील अहमद हसन देसाई,
2. अबुबेकर हसन देसाई, गांव जागवडि ता. नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टीका नं. 2/1, एस. नं. 8 (पी) और एस. नं. 56 (पी), थारपूल, नवसारी नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

तारीख 14-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. 1685/एक्वी/23-11/82-83---
83---अतः मूझे, जी. सी. गर्ग,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. आर. एस. नं. 232, 225, सी. एस.
नं. 4383 है, तथा जो चाण्पल रोड, नवसारी में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--(1) श्री मोहनभाई जीवाभाई पटेल और दूसरे
काहठीयावाडी नवसारी।

(अन्तरक)

(2) दरपण को-ओ-है-सोसायिटी क्वानबारी शोपिंग
सेंटर स्टेशनरोड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 232, 225, सी. एस.
नं. 4384, जो छपारा रोड, नवसारी, नवम्बर, 1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबादतारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1688/एक्वी./23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. ठीका नं. 18, एस. नं. 34, न्यू ठीका नं. 86, नोड नं. 4607 है, तथा जो नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का निम्न प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती नयना मनुभाई, नानुभाई देसाई की विधवा खुद और अवयक्त बेष, बान्द्र मनुभाई और ह्येानी मनुभाई का रक्षकर्ता, नवसारी।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ताबेन नटवरलाल देसाई, श्रीमती कल्पनाबेन हर्षवभाई देसाई, लुंसीक्यूी, नवसारी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सी. एस. ठीका नं. 18, एस. नं. 34, न्यू ठीका नं. 86 और नोड नं. एस. नं. 4607, नवसारी नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 14-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1689/एक्वी./23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोंद नं. 707, वानकी बोरडी है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

1. (1) कोमीक जयशङ्करी पेमास्टर, (2) फीरोमा जयशङ्करी पेमास्टर, की पत्नी, 23 हायर ब्लू, हर्सेंस रोड, बम्बई-26।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विनोदचन्द्र चीमनलाल चाल्यावाला, (2) श्री प्रकाश भीमनलाल चाल्यावाला, (3) श्री परेश भीमनलाल चाल्यावाला, 12/966-बी, लालगंठ, खाद बाजार, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवाए हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं. 707, वाई नं. 12, वानकी बोरडी, सूरत, दिसम्बर, 1981 में बम्बई रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 16-6-1982
मोहर :

प्रमाण आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1690/एक्वी./23-11/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 449-455 है, तथा जो अंकलेश्वर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्रह प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गवरंग हाउसींग सोसायटी, श्रीमती भगवतीबेन
दिनेशचन्द्र और दूसरे, अंकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. होटल बुलान्स, प्रतीया अपार्टमेंट, दसगा मजला,
सीस रोड, अम्बोली, अंधेरी वेस्ट, बम्बई-58।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मिलकर जो एस. नं. 449-455, अंकलेश्वर, नवम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982

सोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1691/एक्वी./23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 453/2, 452/2 है, तथा जो अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं कि जा गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

12—196GI/82

1. श्री रामेशचन्द्र मोरारजी पटेल, राजवीवला रोड, ओ. एन. जी. कालोनी के सामने, अंकलेश्वर। (अन्तरक)

2. मनीष ओरगानींग इन्डोला लिमिटेड, 1-नेशनल चेम्बर्स, पहली मंजिल, न्यू दीपाली थियेटर, आश्रम रोड, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्युक्ती

मिलकर जो एस. नं. 453/2, 452/2, अंकलेश्वर, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबादतारीख : 17-6-1982
सोहर :

प्ररूप बाह्य. टी. ए. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1692/एक्वी./23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 419-1-3 (पी) है, तथा जो अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विजयलक्ष्मी जगदीशचन्द्रा ईनानी और दूसरे, श्री जगमोहन जगदीशचन्द्रा आनंद का कुल-मस्तयार, श्री ए. एम्. साहनी और दूसरे, अंकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्रीराम हाउसींग सोसायटी का प्रमुख और सचिव श्री तुषार जे. शाह, (2) श्री प्रकाश लोखंडवाला, बेजीटबल मार्केट के सामने, अंकलेश्वर।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 419-1-3 (पी), अंकलेश्वर, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982

मोहर :

प्रमुख आई टी. एन. एफ.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निदेश नं. पि. आर. नं. 1693/एक्वी./23-11/82-

83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन वसुधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 201/2 (पी) है, तथा जो
गोडकल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्त में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने के दायित्व के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में बुद्धि के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुद्धि
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि- :—

1. श्री परषोत्तम नाथाभाई पटेल, श्री अम्बाभाई नाथा-
भाई पटेल, गांव गाडरवोल, ता. अंकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. वी रचना इन्टरप्राइसीस, जे. पी कालेज के सामने,
जुना एन. एच. नं. 8, ब्रोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं. 201/1 (पी), गाडरवोल,
नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1694/एक्वी./23-11/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 71 (पी) है, तथा जो अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री कृष्णकान्त मंगनलाल, श्री हरनेन्द्रा मंगनलाल देसाई, श्री जयनन्दकुमार मंगनलाल देसाई, गाँवा बाजार, अंकलेश्वर।

(अन्तरक)

2. श्री कीरीतकुमार स्वरूपचंद शाह, अंकलेश्वर, श्री जयन्तीलाल राईछन्द सागाडीया। बोरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 71 (पी) जमीन, अंकलेश्वर, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 17-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1695/एक्वी./23-11/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नं. 155 है, तथा जो मौजे छानी, बरोडा,
तालुका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 6-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सूशीलाबेन जसभाई अमीन, चानी, बरोडा।
(अन्तरक)

2. (1) श्री अम्बालाल वीक्रमभाई पटेल, (2) श्री
ताकोरभाई सी. पटेल, दोनों चानी में रहते हैं,
बरोडा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अमीन जो मौजे चानी, बरोडा ता. एस. नं. 155 पर स्थित
है और जो बिक्रीसत नं. 5961 पर संपूर्ण वर्णित पर सब-
रजिस्ट्रार, बरोडा के कार्यालय में तारीख 6-11-1981 में
रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 19-6-1982
मोहर :

प्रारूप जाई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1696/एक्सी./23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 107-बी है, तथा जो बेंजलपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के श्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एतद्वह प्रवेशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और
घन्तरितो (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

(क) घन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री महेशचंद्रा कृष्णलाल भोवरी, धेत पालिया, बोध।
(अन्तरक)
2. गोकुलनगर को-ओ-है-सासायटी, बांच, (बेंजल-
पुर)।
(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में कि जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 107-बी, बेंजलपुर, नवम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1698/एस्वी/23-11/82-83—अतः मझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 18 और 19 (पी) जमीन है। तथा जो सादशेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री राजेश वीनल भाई पटेल सादशेश्वर, ब्रोच।
(अन्तरक)
2. मैसर्स महावीर एसटेट। "उषा दर्शन" दूसरा मंजिल आर. ए. कीदवाई रोड। कीर्ग सकल बम्बे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो एस. नं. 18 और 19 (पी) जमीन जो सादशेश्वर, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अतः मझे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1699/एक्वी/23-11/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 156/1-बी, हुंगरी है। तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुसा आदम असमूल लेल्ली डूंगरी। बोच।
(अन्तरक)
2. आल रफीद ब्रिड्स। के द्वारा महमद मुसा इब्नाहिम पटेल। मांती डूंगरी। बोच।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत ओ एस. नं. 156/1-बी डूंगरी, बोच, नवम्बर, 1981। में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1699/एवी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 91/3, भोलाव है। तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोध में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनिः—

13—196GI/82

1. श्री वसन्तलाल प्राणशनकर रावल। श्री मुकुन्द कुमार रसीकलाल रावल। श्री रसीकलाल प्राणशनकर रावल अश्वीन कुमार, फूलपाडा। सुरत।

(अन्तरक)

2. अध्यक्ष मधुबेन रासजी भाई मकवाणा। जबहूरनगर लिमीटेड। ब्रोचकूमबरिया।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

महसूसी

मिलकर जो एस. नं. 91/3, भोलाव, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रकृषु भाई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1700/एक्वी/23-11/82-83—अतः सूत्रे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 22, भोलाव है। तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वर भाई जेसनग भाई पटेल। जमुनाबेन कर-सेन भाई पटेल। साधेश्वर। बोच। (अन्तरक)
2. अवबुधनगर को-ओ-हो-सोसयटी लिमिटेड। प्रमो-वर हुमनत कुमार प्राबोदचन्द्रा भूकला। लालभाई नीपात। केसुरमाना चकला। बोच। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिककत जो एस. नं. 22, भोलाव, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमवाबाद

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेष्ट नं. पि. आर. नं. 1701/एकवी/23-11/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 144 जमीन, पालेण है। तथा जो में स्थित है (और इससे उपायवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांश में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जयनन पलस मिलस का भागीदारों श्री जयनतीलाल उयरसी केलीया। श्री बहाय वालजी हनसोरा। श्री मणीलाल उमरसी कांलीया। श्री रमणीकलाल उमरसी कोलीया। जीलाना ता. जिलाना। जिला औरंगाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) राखीयाबाई अबदुलसतार मेमण, जयभाई हास-पीछल के पीछे, बरोडा। (2) श्री अबदुल मजीब हाजी हसन मेमण पालेण।

(3) जरीनाबाई अबदुलमजीब सतार, जयनाभाई हासपीटल के पीछे, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो ग्लाक नं. 144, पालेण, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

पी. सी. गर्ग

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. न. 1702/एकवी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. न. 42-ए/1/ए/1 (पी) कासाक है। तथा जो बोध में स्थित है (और इससे उपानब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जीतेंद्र प्रसाद हरी प्रसाद देशाई। सीनवघाट रोड। बोच।

(अन्तरक)

2. श्री अवाणी वाली पटेल कासाक। बोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 42-ए/1/1/ए/1 (पी) कासाक, नवम्बर 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982
मोहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निवेष्ट नं. पि. आर. नं. 1703/एक्वी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 145, पालेण है। तथा जो बोध में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अहमदखान लीमखान पातान और दूसरे।
पालेण, ता. बोध।

(अन्तरक)

2. प्रमोह, बाजीरखान अहमदखान पातान। जेहानगीर पार्क को-ओ-हॉट सोसायटी लिमिटेड। पालेण ता. बोध।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो ब्लॉक नं. 145, पैकी, यथाविधि नवम्बर 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख: 22-6-1982
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री फारदूण आरदेशर वापीवाला और बूसरे।
सानदा चाँक, वापी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निदेश स. पि. आर. न. 1704/एक्वी/23-11/82-
83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स. न. 335, 334 (पी) है। तथा जो वापी में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :--(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाध्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 335, 334 (पी) वापी, नवम्बर,
1981 में रजिस्ट्री की गयी है।जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--तारीख : 21-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निदेश न. पि. आर. न. 1705/एक्वी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. न. 151, छोरी, ता. पारखी है। तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारखी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री वासानती भगवाती देशाई। छोरी, ता. पारखी।
(अन्तरक)

2. श्री कुशल भाई मंगजी भाई गाला और दूसरे।
अतुल सोसायटी। वासी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 151, छोरी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-6-1982

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एम्. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1706/एक्सी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. न. 571+572, वापी है। तथा जो में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमाणिक्यन्द भाईचन्द शाह और दूसरे। बेजार,
वापी।

(अन्तरक)

2. श्रीयूसुफ भाई गुलाम मुसताफा लाकडावाला।
फीरोस मानसील। बाजार। वापी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. न. 571+572 वापी नवम्बर, 1981
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 21-6-1982
मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1707/एक्वी/23-11/82-82—अतः मुझे, पी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है और जिसकी स. नं. 1072-ए-1 (पी) है। तथा जो धापी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, अर्थात :—

14—196GI/82

1. श्री अमृतलालभाई देशाई। मंगीनभाई लल्लुभाई देशाई का कुलमुत्तयार। वापी। ता. पारडी। (अन्तरक)
2. श्री वीणया बिलडोसे वापी। ता. पारडी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 1072-ए-1 (पी) धापी, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रकृष आर्द्र की एन एस -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1708/एक्वी/23-11/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी म. नं. 301/ए, 304-सी, 305-सी, है। तथा जो 301-डी (पी) सारीबजरंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गानदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका उक्त अधिनियम, अधिनियम में सूचित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 (1) चम्पबेन चम्पकलाल शाह। (2) चम्पकलाल हीरालाल शाह और अवयक्त बच्चा भरतकुमार, सारीबजरंग।

(अन्तरक)

2. यांगिनगर को-ओ-हूँ-सासयटी सारीबजरंग। ता. गानदेवी।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो ए. न. 301-ए, 305-सी, 305-बी, 301-डी, सारीबजरंग, नवम्बर, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1709/एक्सी/23-11/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सिटी सर्वे न. 559, प्लॉट न. 422 है तथा जो वल्लभवीध्यानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक्त है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियम नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री मणीभाई दयाभाई बिन मधुरभाई पटेल। गोपालपुर पोगवान। वावोव। आनंद तालुका। (अन्तरक)
2. श्री नरनंदकुमार जशभाई पटेल कूलभुक्तयार, पटेल जशभाई शीवाभाई। वल्लयविधयनगर आनंद तालुका। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अन्तरण के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो वल्लयविधयनगर, जिसका सि. एस. न. 559, प्लॉट न. 422, बिक्रीखत न. 3167 पर संपूर्ण धर्णीर्ण में आनंद सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 30-11-81 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1710/एकवी/23-11/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. सिटी सर्वे न. 402, प्लॉट न. 897 है। तथा जो वल्लयविधानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवती प्रसाद राधाकृष्ण जोषी वल्लयविधानगर।
आनंद तालुका।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीमलाबेन बीमनभाई पटेल वल्लयविधानगर
आनंद तालुका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वल्लयविधानगर, सी. एस. न. 402, प्लॉट न. 897 बिक्रीखत न. 2964 पर संपूर्ण जमीन पर आनंद सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-11-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

रूप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश न. पि. आर. न. 1711/एक्वी/23-11/82-83---अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. टी. पी. एस. 2, फाईनल प्लॉट है। तथा जो न. 492/1, आनंद, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नानंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

1. पटेल भारीलाल भार्द् दादाभार्द् और दूसरे। मोदा आदत, आनन्द।

(अन्तरक)

2. दी गुरू और ओयील् मर्चेण्टस यूनियन के द्वारा भागी-दार चन्द्रकान्त वीठनल गांधी, सरदारगंज।

आनन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सूला जमीन जो टी. पी. एस. 2, एफ. पी. न. 492/1 बिक्रीखत न. 3088, आनन्द में रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 18-11-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 22-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री सनणदभाई इन्ना प्रसाद भाव और दूसरे।
बळय, दसक्रोई ता. अहमदाबाद जिला।
(अन्तरक)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जीगनंश जमीन असांसीयपन के द्वारा भागीदार
मणोकलाल नानछनदास पटेल। कलोल।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जून 1982

निर्देश नं. पि. आर. नं. 1712/एक्वी/23-11/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. में आया है और जिसकी सं. नं. 252, हिस्सा नं. 3 (भाग) है। तथा जो सी. एस. नं. 4793, कलाक सीमा में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल (एन. जी.) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूला जमीन जो कलोल सीमा में स्थित है विक्रीखत नं. 1183 पर संपूर्ण वर्णित पर सब रजिस्ट्रार, कलोल (एन. जी.) के कार्यालय में तारीख 21-11-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 24-6-1982

मोहर :

1. जयप्रलाराय शोलेहीश वर्कस आगीदार-रामनलाल चव्ही-
नाल-राम गुजरात अंगण सीता फयाउन्ड, दक्षिण
गंड, अहमदाबाद

2 इसडारफेम भागीदार-मयभाई वीमलभाई सपेंगे 25,
शारदानगर, पालडी अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मंत्रि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्गत की गई है और मूँके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की भावत, उक्त आयिष्ठय में वापिस कर देना या, यद्यपि वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क निर्णय, अर्ण/या

मलसूची

दुकान जिसका क्षेत्रफल 210 वर्ग फीट है जो नेशनल चैम्बर, आश्वमेरु रोड, अहमदाबाद में स्थित है तथा गजिस्टार अहमदाबाद बिक्रीसित नं. 13048/18-11-1981 है।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जी . सी . गर्ग

गक्षम प्राश्निकः।

सहायक प्राध्यापक, यमुना (निरीक्षण)

अर्जन रज-१, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1968 पी. आर. नं. अर्जन रज-23-1/82-83— अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 5148/5 है। तथा जो रायखड अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. नडेमीदा अब्दुलफादोर फादरी संस्कार केन्द्र मार्ग कागदीयाव येचिरब, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मुसाभाई मोहम्मद यालेरी और अन्य दरवाजा अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 100.88.78 वर्गमीटर है, जो रायखड, भाटीया योलफे सामने अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्टार अहमदाबाद विक्रीन नं. 13483/19-11-81 है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अर्जन रंज-1, दिनांक 8 जून 1982

निर्देश नं. पी. आ. नं. 1969अर्जन रंज-23-1, /82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 931 पैकी सब प्लॉट नं. 9, टी
पी एस3, है। तथा जो यालडी, अहमदाबाद में स्थित है और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच एग्रे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
15-196 GI/82

1. श्री अंबालाल नारनबास मोदी चंद्रांदेय सोसायटी
स्टेडीयमके नजदीक, नवरंगपुर, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. मोनानीसा कार्पोरेशन प्रमोटर श्री मुकेश कुमार
लालभाई पटेल और अन्य वस्ता वेलजीकी पॉल डली-
मकी सड़की, शारपुर, अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 331 वर्ग गार्ड है जो ऑलिसबीज
अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्टार अहमदाबाद बिक्रीखत
नं. 1065/नवम्बर 1981 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 8-6-1982
मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश न. पी. आर. नं. 1970 अर्जन रंज-23-1/82-83---अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें संकेत पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 101, सब प्लॉट नं. 1-3, है। तथा जो एलिसबीज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था- छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री केशवलाल छगनलाल पटेल 5-बी, भगीरथ सोसायटी, मेमनगर, अहमदाबाद (अन्तरक)
2. श्री शान्तीलाल मुल्चन्दभाई पटेल नायकनगर, कालोनी के नजदीक नवरंगपुरा, अहमदाबाद (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 4997 वर्ग गार्ड है। जो शेख-पुर-खानपुर, एलिसबीज, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिक्रीसत नं. 13913/30-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
माहुर :

प्रकट आई० टी० एन० एस—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेदन न. पी. आर. नं. 1971 अर्जन रंज-23-1/82-
83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि व्यापार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 192 है। तथा जो गांव-काली जिला
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 18-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रति दृश्यमान
फल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री मनीलाल मंगलदास पटेल गांव-भेमनगर जिला
अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. पद्म प्रभू काली फ़े. ओ. हा. सोसायटी लीमिटेड
चेरमेन-नीरंजन भाई कानीभाई पटेल के/ओ-यार्धनाथ
कोपोरेशन आश्रमरोड अहमदाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार संपत्ति में
हितबद्ध किसी धन व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धि :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4 एकर 01 गुंठ है। जो गांव
काली जिला-अहमदाबाद में स्थित है 13439/18-11-81 है

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश न. पी. आर. नं. 1972 अर्जन रंज-23-1/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 761/2 761/1 761/6 है। तथा जो गांव मकरवा जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 17-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कटने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रवेाबैन, फलाखी फलापी की विधवा पत्नी (2) मानाजी रामाजी (3) उरगीबेन, हाथीजी चलाजी की विधवा पत्नी गांव-मकरवा, जिला-अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. (1) श्री लक्ष्मनभाई नंदलाल दलाल (2) श्री शान्ती-कुमार एन दलाल मनाली अपार्टमेंट, अरीशफ नज-दीक, अहमदाबाद
(3) श्री नीतीन शान्तीलाल चरीख लो कोलेजके नज-दीक ओलिसबीज, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 0 अंकर-17 गुंठा है। 0 एकड़ 15 गुंठा और 0 एकड़-30 गुंठा है जो गांव मकरवा जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं. 11275, 11281, 11259/17-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1973 अर्जन रंज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 489/1 है। तथा जो वाडज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में कृपिभा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. जलधरा को-आ सांसायटी लिमिटेड सैक्रेटरी-श्री रतीलाल नानालाल व्यास नवा वाडज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (2) श्री नीतीनभाई रावल फेमिली ट्रस्ट कर्ता-नीतीन-भाई एस. रावल 13 बी, आनंददास सोसायटी नवा वाडज, अहमदाबाद (2) मनोरमा ए. गज्जर फेमिली ट्रस्ट की ओर से श्रीमती मनोरमा ए. गज्जर 1/ए न्यू गोविंदपार्क सांसायटी नवरंगपुरा अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 290 1/2 और 290 1/2 वर्ग मीटर है जो वाडज अहमदाबाद बिक्रीसत नं. 13485 और 13486/17-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1974--अर्जन रज-23-1/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 275/1, ब्लॉक नं. 367 है तथा जो गांव-बोयल जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-11-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--

1. श्री रामभाई इस्वरभाई पटेल और अन्य गांव-बोयल, जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. देवीसींग रामसींग उमीयाविजय सोसायटी के नजदीक सेटैलाइट रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 6050 वर्गगुन है जो गांव बोयल, जिला-अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद विक्रीखत नं. 13007/3-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश न. पी. आर. नं. 1975 अर्जन रेंज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सर्वे नं. 278 पंकी है। तथा जो गांव-रानीय, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-11-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरांतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

1. श्री रानाजी गांडाजी (2) श्री जीवाजी उफ जीतेन्द्र गांडाजी (3) श्री अंबालाल गांडाजी (4) बाई काशी गांडाजी की विधवा पत्नी मंत्र रानीय, जिला अहमदाबाद (अन्तरक)

2. रानीय अक्षर पुरुषोत्तम को-ओ-ह-मोसायटी संकेटरी-श्री पटेल रामभाई मोहनभाई महेश्वरी अयाटमेंट, सुभाषबीज के नजदीक, आश्रम रोड, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 850-89+850-89+850-89 वर्ग गार्ड है+850-89 वर्ग गार्ड है जो रानीय जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिक्रीबत नं. 13082 से 13085/6-11-81 है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

अर्जन सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1976 अर्जन रज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 321 पैकी हिस्सा नं. 7 है। तथा जो गांव-बोडकदेव, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृषा के लिए, और/या

जो कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. सुखीबेन जेटाभाई गांव-पन्नापुर जिला अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री हसमुखभाई कस्तूरचंद शाह सोनाली स्थानकवासी जैन सोसायटी नवरंगपुरा रेल्वे क्रोसींग के नजदीक, अहमदाबाद (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1071-72 वर्ग गार्ड है, जो गांव-बोडकदेव, जिला-अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिक्रीखत नं. 7967/5-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982
माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

2. (1) आसीत अशीषभाई शाह
- (2) अरवीवभाई आर शाह-नवदीप अयाटमेंट टॉलीफ़ोन एक्सचेंज के सामने नवरंगपुरा, अहमदाबाद।
- (3) मोनानी शरदभाई शाह-शान्तीनगर सोसायटी वाडज अहमदाबाद
- (4) मालिण हसमुखभाई शाह-मानाली स्थानकवासी जैन सोसायटी, नवरंगपुरा रेलवे क्रांसींग के नजदीक, अहमदाबाद
- (5) उपाबेन चंभूलाल शाह-श्रीमती सोसायटी नव-रंगपुरा, अहमदाबाद
- (6) दिव्याबेन विमलभाई दलाल-जैन सोसायटी ऑलिसब्रीज अहमदाबाद

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1071.72+1071.72 1071.72+1071.72+1071.72 वर्ग गार्ड है, जो बोडक व्हे जिला-अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद बिक्रीखत नं. 7992, 7982, 7981, 7975, 7974 और 7981/5-11-1981 है।

जी. सी. गर्ग

यक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश न. पी. आर. नं. 1977 अर्जन रज-23-1/82-83---अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 321 पैकी, हिस्सा नं. 3, 6, 5, 2 है। तथा जो गांव-बोडकव्हे, जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-11-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बलदेवभाई शंकाभाई
 - (2) रबारी शंकाभाई वेरसीभाई
 - (3) अमरबेन शंकाभाई
 - (4) जतनदेन शंकाभाई रबारी
 - (5) गकरभाई शंकाभाई
 - (6) खारी भगवानभाई शंकाभाई
- सभी धर्मपुर, जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश न. पी.आर. नं. 1978 अर्जन रंज-23/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 722-बी, टी. पी. एस. 3-5 एफ. पी. 722, हिस्सा नं. 1 है। तथा जो श्रीमल एलिसबीज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची सं. और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्थ प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती सीता अनीलचंद्र शर्मा ए-2
(2) श्रीमती धृती महति मारु, ए-1
(3) कान्तीलाल जी. बंध, ए-4
(4) जवन्त बी मन्गरीया, ए-4
(5) प्रवीनचंद्र ए. मांदी, ए-3
(6) नन्तमलाल के दलाल, ए-6
सभी अमीज्यात अपार्टमेंट, परीमल, आंबापाडी अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. श्री चंपकलाल पूरणोत्तमदास महता अमीज्यात, यरी-मल अलिसबीज, अहमदाबाद-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वस्ताधरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-2, ए-1, ए-4, ए-8, ए-3 और ए-6 बंधा हुआ एग्रीया 157.08 हर एकका, जो छत्रदड (अमीज्यात अपार्टमेंट) अहमदाबाद विक्रीखत नं. 13380, 13381, 13382, 13383, 13384, 13385/23-11-81 है

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1979/अर्जन रज-23-1/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स. म. नं. 38-2-3-ए-3-पैकी है। तथा जो अचीर जिला-अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-मूखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. जसमतीबेन, सुरेशचंद्र अंबालाल की विधवा पत्नी और अन्य गोकुल नीवास, रामनगर, साबरमती, अहमदाबाद-5

(अन्तरक)

2. डा. बालकृष्णन नटवरलाल दानी बरीयावाड गांव-चीखनी जिला सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 346½ वर्ग गार्ड है जो चीयर साबरमती अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद विक्रीसित नं. 12823/18-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबादतारीख : 7-6-1982
सांठर :

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निदेश न. पी. आर. न. 1980 अर्जन रज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 1953 है। तथा जो पठान सीम, जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चंद्रकान्त वृटालाल शाह, गांव-कोडा, तालुका-भुर्गधा, जिला-सुरेन्द्रनगर

(अन्तरक)

2. सुफन मशीन प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड डायरेक्टर जीतेंद्र रमनीकलाल शाह, उद्योगनगर, सुरेन्द्रनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल (34 गुंछ) 4114 वर्ग यार्ड है जो वटवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है, तथा सब रजिस्टार पठान विक्रीखत नं. 4494/नवंबर, 1981 है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निवेश नं. पी. आर. नं. 1981 अर्जन रज-23-1/82-83--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एन. नं. 1931 है तथा जो पठवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अफरमीभाई केशवजीभाई डेकर बाजार में,
वीरमगाम जिला-अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. श्री नटवरपार्क कां-हा-सांसायटी लीमीटेड लक्ष्मनसिंह
भाला शारदा सांसायटी सुरेन्द्रनगर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4016-1-6 वर्ग याड है जो पठवान में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार पठवान बिक्रीलत नं. 4570/27-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982
मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1982 अर्जन रंज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. म्यू. बोर्ड 2 एच नं. 241 है। तथा जो धांगधा जिला-सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वडवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिधियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वेरीबेन छगनलाल पुजारा 14, नगीन-महल, बोधी मंजील, चर्चगेट, बाम्बे-20

(अन्तरक)

2. ज्यांत्सनाबेन रमेशचंद्र कापडीया 22, आलम बी, रोड चर्च गेट, बाम्बे-20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 337 वर्ग गज है जो धांगधा जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार धांगधा विक्री-सूत नं. 1635/नवम्बर 1981 है।

जी. सी. गर्ग

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982

मोहर

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1983 अर्जन रज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 5199 पैकी प्लॉट नं. 14-15 पैकी है। तथा जो जीन्तन रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गीरीशचन्द्र बी.आधर टक्कर धामंधा, जिला-सुरेन्द्रनगर

(अन्तरक)

2. श्री सूर्यकान्त हीमलाल शाह और अन्य टांकी बांक, सुरेन्द्रनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 395 वर्गगुंड और 4½ वर्ग फिट है जो जीन्तन रोड, सुरेन्द्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार पठवान विक्रीकृत नं. 4467/16-11-81 है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-6-1982

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश न. पी. आर. नं. 1984 अर्जन रज-23-1/82-83—अतः भर्गे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान है तथा जो कोशोद, जिला-जुनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 23-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. विजयागौरी हरीलाल (2) असमृती गीरधरलाल (3) रंजनबन छोटालाल (4) सीताबन मनहरलाल की और से काल मुख्त्यार हीराचंद, राजकोट (अन्तरक)

2. गोस्वामी श्रीकम विक्रमाचार्य जी क.स.म.बाबा दाहजी श्रीकमाचार्यजी कांडा (राजस्थान) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्वस्नाशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 417 वर्ग याड है जो कोशोद जिला-जुनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार कोशोद दिक्कीखन नं. 594/23-11-81 है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

संहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जून 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1985 अर्जन रज-23-1/82-83—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 162/1 पैकी सर्वे नं. 1526/76 है तथा जो गांव खायत जिला-जुनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
17—196GI/82

1. श्री अरसीभाई जांभाभाई गांव-खायत तालूका उना जिना जूनागढ़ (अन्तरक)
2. श्री जगबंदा खांडसरी सुगर मील्स की ओर से भागीदार गोविंदभाई रामभाई मोरी, गांव-खायत, तालूका-उना, जिला-जूनागढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी भूकान जिसका कुल क्षेत्रफल 12140-60 वर्ग मीटर है, जो जगदम्बा सुगर मील्स नाम से प्रचलित है खायत तालूका-उना, जिला-जूनागढ़ तथा सब रजिस्ट्रार उना रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-सत नं. 1940/16-11-81 है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 7-6-1982

मोहर :

प्रमाण. आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/94—यतः मूझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट जो रघुनाथपुरा अमृतसर है तथा जो
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपानुबंध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाधित
न करने, करने या उसके करने में सुविधा के लिए;
बाद/वा

(ब) ऐसी किसी बात का किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
न देना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति— अर्थात् :—

1. श्री काहन चंद पुत्र जय किशन वं बंपावती विधवा जय
किशन बम्बई द्वारा आर. ए. योगा मुख्तार आम
द्वारा मुख्तार आम जोगिन्द्र सिंह मदन वासी गोंड
मदल तहसील व जिला अमृतसर
(अन्तरक)
2. श्री अरून खाना पुत्र शिव कुमार खाना 58 लारम
गोंड अमृतसर
(अन्तरिती)
3. जैमा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो रघुनाथपुरा संत एवन् अमृतसर में है
जैसा सेन डीड नं. 14746/4-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एम.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
संहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/95—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. एस. आर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट जो रस कोरस रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश चंद्र मंहरा पत्र हर्बंस लाल रस कोरस रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री जनक राज पृथ्वी राज पत्र राम लभाया रस कोरस रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

*3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. ओर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लॉट नं. 18 डी 655 वं. ग. जो रस कोरस रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 15987/30-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. एस. आर.

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 जून 1982

निर्देश न. अर्जन रंज/82-83/96—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो गली नं. 2 भारत नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलावती उर्फ लीला देवी पत्नी विरान चंद भारत नगर अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पूर्व जगिंदर सिंह सूरिंद्र कौर पत्नी जगजीत सिंह गली नं. 2 भारत नगर अमृतसर

(अन्तरिती)

*3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

*4. ओर कोई (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान 255 व. ग. जो गली नं. 2 भारत नगर बटाला रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 14947/9-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

आनंद सिंह, आई. आर. एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 22-6-1982

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1982

निर्देश नं. अर्जन रज/82-83/97—यतः मूके, आनंद
सिंह, आर्.टी.एन.ए.,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो पठानकोट में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कांक्षित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. श्रीमती माया देवी पत्नी गियान चंद और गियान चंद
पुत्र कर्म चंद महाजन वासी हांगू रॉड पठानकोट
(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा गायल पत्नी आर. के. गायल मकान
नं. 261/144 हांगू रॉड पठानकोट
(अन्तरिती)

*3. जैमा ऊपर में 2 में कोई किरायेदार है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो हांगू रॉड पठानकोट में है संल डीड नं.
2420/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज
है

आनंद सिंह, आर्.टी.एन.ए.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 29-6-1982

गाँहूर :

प्रकट आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. अर्जन रज/82-83/98—यतः भूके, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो सराय भगवान बास पतलीधर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तथे; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. श्री ओंकार नाथ पत्र राम चंद 42 रानी का बाग अमृतसर (अन्तरिती)
2. श्रीमती प्रमला देवी पत्नी कंचनवीर राधावा मकान नं. 2844/20 गली नं. 3 पतनीधर अमृतसर (अन्तरिती)
- *3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- *4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं. 951/4-17 जो 79 व.ग. जो सामने सराय भगवान बास समीटरी रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 15794/25-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-3, चंद्रपरी अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रत्यक्ष आर्.डी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1982

निर्देश नं. ए. एन. आर./82-83/99—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो भगतावाला, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ब्या सिंह पुत्र महल सिंह, कोठी नं. 78,
गोनडन एनन, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री लाल सिंह ढींगरा पुत्र सरूप सिंह बाग भंडा
सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेंदार हों
(वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बाग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं. 190 और नया नं. 3828/9-19
और 33574/9-19 जो आबादी नहीं अंदर गेट भगतावाला,
गली नं. 2, अमृतसर में है जैसा सेल डीउ नं. 15616/
20-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 29-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/100—यूतः म्भे, आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. एक मकान है तथा जो भगतावाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किरपा सिंह पुत्र महल सिंह, कोठी नं. 78, गोलडन एवन्यू, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री सतनाम सिंह ढीगरा पुत्र सरूप सिंह बाग भंडा सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हूँ (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद नं. 190 और नया नं. 3828/9-19 और 33574/9-19 जो आबादी नई अंदर गेट भगतावाला, गली नं. 2 अमृतसर में है जैसा सेल, डीड नं. 15522/19-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 29-6-1982
मोहर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/101--यतः मुझे,
आनंद सिंह, आर्.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट है तथा जो संत एवनयू में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवंबर,
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भगन्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

18—196 GI/81

1. श्रीमती चंपा बती विधवा जय किशन, आर्.आर.एस. सं. 1
पुत्र जय किशन बंबई द्वारा रसतम अरदेशर
बोगा मुखतारआम द्वारा जोगिन्द्र सिंह मूल,
तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बल किशन पुत्र गोरी शंकर आनंद कटड़ा
बाग सिंह अमृतसर और सतीश कुमार और विपन
बाग सिंह अमृतसर और सतीश कुमार और विपन
कुमार आनंद पुत्र बालकिशन कटड़ा बाग सिंह
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
(वह व्यक्ति जिसको, अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां तरता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 250 व.ग. जो संत एवनयू एस.एस.पी
कोठी के पीछे दी माल अमृतसर में है जैसा सल डीड नं.
14877/6-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज
है।

आनंद सिंह, आर्.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/102—यतः मूके, आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट है तथा जो संत एवनयू में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाशिर्वा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गीमती चंपा वती विधवा जय किशन और काहन चंद पुत्र जय किशन बंबई द्वारा जोगिन्द्र सिंह अठारनी वासी मुंदल, तहसील व जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार मुरिंद्र कुमार रविंद्र कुमार पुत्र किदार नाथ गन्नी नं. 3ए बाग रामा नंद, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो संत एवनयू एस. एस. पी. कोठी के पीछे बी माल अमृतसर में है जैसा सेल जीड नं. 15002/10-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/103—यतः मूके,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लॉट है तथा जो संत एवनयू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

1. श्रीमती चंपा बती विधवा जय किशन और काहन चंद पुत्र जय किशन बंबई द्वारा जोगिन्द्र सिंह अटारनी वासी मुदल, तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री किशोर नाथ पुत्र बसर नाथ, अशवनी कुमार पुत्र किशोर नाथ, गली नं. 3ए बाग रामा नंद, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (यह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि तब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो संत एवनयू एस. एस. पी. कोठी के पीछे बी माल अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 14860/6-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्मालिखित व्यक्तियों, अधोहस्ताक्षर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/104--यतः मुझे, आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, 000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री दलित राम दूरगा दास मेहरा धर्माथ दुष्ट द्वारा राज कुमारी पत्नी जानकी दास मेहरा व अशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुलवंत कौर पत्नी प्रकाश सिंह हरबख्त सिंह, गोव हमीवपुरा, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघुबीर सिंह पुत्र सरूप सिंह प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह (वह व्यक्ति जिसको, अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई रघुबीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में बिना गया है।

अनुसूची.

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं. 15910/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/105—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दौलत राम दुरगा दास मेहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा राज क्मारी विधवा जानकी दाम मेहरा व अशोक क्मर पुत्र जानकी दाम, कवीनज रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्री गुरबिंद बीर सिंह पुत्र हरबेअंत सिंह, वासी हमीदपुरा, जिला अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायदार हो श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघुबीर सिंह पुत्र सरूप सिंह प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र मोहन सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह
(वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई रघुबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डी नं. 15911/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर./82-83/106—यतः मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यामा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बालत राम दूरगा दास मंहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा
राज कुमारी विधवा जानकी दाम मंहरा व अशोक
कुमार पुत्र जानकी दाम, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री जतिंद्र बीर सिंह पुत्र हरबंजंत सिंह, वासी
हमीवपुर, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेंदार हो
श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघुबीर सिंह पुत्र
सरूप सिंह प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन
सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह
(वह व्यक्ति जिसके, अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
रघुबीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल
डीड नं. 15909/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मीहुर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर/82-83/108---यतः, मूझे, आनंद सिंह, आइ.आर.एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दौलत राम बरगा दास मोहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा राज कूमारी विधवा जानकी दास मोहरा व अशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबिंद बीर सिंह पुत्र हरबेअंत सिंह साफत हरबेअंत सिंह, गांव हमीदपुर, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र मरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र मोहन सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह, रघबीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सैन डीड नं. 15841/26-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 3 बंदूपरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रश्न आइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर/82-83/109---यतः, मुझे, आनंद सिंह, आइ.आर.एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवंबर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदत्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

19-196GI/82

1. श्री दलित राम दूगा दास मेहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा राज कुमारी विधवा जानकी दास मेहरा व अशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज जीत कौर पत्नी हरब्रंज सिंह मार्फत हरब्रंज सिंह, गांव हमीदपुर, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेंदार हो श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र मरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह, रघबीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 15842/26-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 3 चंद्रपरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर/82-83/110—यतः, मुझे,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री बोलत राम बुरगा वास मोहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा
राज कुमारी विधवा जानकी दाम मोहरा व अशोक
कुमार पुत्र जानकी दाम, कबीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अमोलक सिंह पुत्र गुरबचन सिंह मार्फत हरबेअंत
सिंह, गांव हमीदपुर, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र
सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र साहन
सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेन
डोड नं. 15840/26-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश न. ए. एम्. आर/82-83/111—यतः, मुझे,
आनंद सिंह, आइ.आर.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दलित राम दुरगा दास मेहरा धर्मार्थ हस्त
द्वारा राज कुमार विधवा जानकी दास मेहरा व
अशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीतू पत्नी हरबोअंत सिंह मार्फत हरबोअंत
सिंह, गांव हमीदपुर, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों
श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र
सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन
सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सील
डीड नं. 15908/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आइ.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, 3 खंवरपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए एस आर/82-83/112—यतः, मूझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दौलत राम दूरगा बास मेहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा राज कुमारो विधवा जानकी बास मेहरा व अशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कूलवंत कौर पत्नी प्रकाश सिंह, वासी हमीदपुर तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हों श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघवीर सिंह पुत्र सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह, रघवीर सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सील डीड नं. 15913/27-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर/82-83/113—यतः, मुझे,
आनंद सिंह, आई.आर.एस.,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स. एक इमारत है तथा जो कवीनज रांड, अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दानत राम दूग्गा दास मंहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा
राज कुमारी विधवा जानकी दास मंहरा व अशोक
कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रांड, अमृतसर
(अन्तरक)
2. श्रीमती राज जीत कौर पत्नी हरबंजत सिंह माफत
हरबंजत सिंह दासी हसीदपुर तहसील व जिला
अमृतसर
(अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर में 2 में कोई विरायदार हो
श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र
सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र मोहन
सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह,
रघबीर सिंह
(वह व्यक्ति, जिसके आधभाग में सम्पत्ति है)
4. और कोई
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

एक इमारत जो कवीनज रांड, अमृतसर में है जैसा मूल डीड
नं. 15914/27-11-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृत-
सर में दर्ज है।आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसरतारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए. एस. आर/82-83/114--यतः, मुझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दौलत राम दूरगा दास मेहरा धर्माभ ट्रस्ट द्वारा राज कुमारी दिव्या जानकी दास मेहरा व जशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर (अन्तरक)
2. बीबी हरनीत कौर सेखा पत्नी हरबंशत सिंह वासी हमीदपुर तहसील व जिला अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायदार हो श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघबीर सिंह पुत्र सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, गयान सिंह पुत्र सोहन सिंह, गयान सिंह पुत्र हरनाम सिंह, रघबीर सिंह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 15915/27-11-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चंद्रपूरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निर्देश नं. ए एस आर/82-83/115—यतः, मूझे, आनंद सिंह, आई.आर.एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक इमारत है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बालू राम बुरगा दास मेहरा धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा राज कुमारी विधवा जानकी दास मेहरा व अशोक कुमार पुत्र जानकी दास, कवीनज रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री अमोलक सिंह पुत्र गुरबचन सिंह बामी हमीरपुर तहसील व जिला अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार है श्री राम लाल पुत्र हंस राज, रघवीर सिंह पुत्र सरूप सिंह, प्रीतम सिंह, ग्यान सिंह पुत्र सोहन सिंह, ग्यान सिंह पुत्र हरनाम सिंह, रघवीर सिंह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कवीनज रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीज नं. 15916/27-11-1981 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई.आर.एस.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मेहरा :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निदेश नं. ए. एस. आर./82-83/92--यस: मुझे,
आनंद सिंह, आई. आर. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिराकी में एक प्लॉट है तथा जो रधनाश्रय अमृतसर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री काहन चंद पुत्र जय किशन व चंपा बती विधवा
जय किशन बम्बई द्वारा आर. के. बोगा मुख्तार
आम द्वारा मुख्तार आम जोगेंद्र सिंह मूदल वाली
गांव मूदल तहसील व जिला अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री गौतम नाबालग पुत्र अरुन खाना द्वारा अरुन खाना
58 लारमै रोड अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा उप सं. 2 में कोई किरायेदार हों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो रधनाश्रय संत एन्यू अमृतसर में है
जैसा मेल डी नं. 14744/4-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एम.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 28-6-1982

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 जून 1982

निवेदन नं. ए. एस. आर./82-83/93—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई. आर. एस.,

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. एक प्लॉट है तथा जो रघुनाथपुरा अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
20—196GI/82

1. श्री काहन चंद पुत्र जय किशन व शंपा वती विधवा जय किशन बम्बई द्वारा आर. के. बोगा मुखतार आम द्वारा मुखतार आम जोगिन्द्र सिंह मुदल वासी गांव मुदल तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा खान्ना पत्नी अरुन कुमार खाना 58 सारंस रोड, अमृतसर

*3. जैसा उपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*4. और कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जो रघुनाथपुरा संत एवन्गु अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं. 14745/4-11-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई. आर. एस.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, चंवरपुरी अमृतसर

तारीख : 28-6-1982
मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

1. श्री समर बनर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स, मोहन लेमिनेटरस (प्रा.) लि.

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 मई 1982

निर्देश सं. ए. सी. 12/रज-4/कल/1982-83—यतः
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 28 है तथा जो आन्वुल रोड, हवड़ा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवड़ा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रव्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रव्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन—7, कठ्ठाह, 0-छटाक, 16 वर्गफुट
पता—28, आन्वुल रोड,
थाना—शिवपुर,
जिला—हवड़ा
डीड सं.—5317, 1981 का

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-4, कलकत्ता-54, रफीअहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 25-5-1982
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एच. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं ए. सी. 9/रंज-11/कल्/1982-83—यतः
मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट सं. 210 है तथा जो सी. आई. टी.
सं. 7 (एम) कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-11-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभावती पोद्दार (अन्तरक)
2. श्रीमती मीरा गुप्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घोषण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्तालरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र—5 कठ्ठा, ए छ. 11 वर्गफुट

प्लॉट सं. 210 सी. आई. टी. स्कीम सं. 7 (एम) कल्-
कत्ता होता है।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, 54, रफीजुल्लाह क़िदवाड़ी रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 9-6-1982
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. 1102/अर्जन आर-3/82-83—यतः मुझे,
के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अण्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बिना मित्र, हेना बोसा (अन्तरक)
2. श्री प्रहलाद कुमार नाथ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3छ-43 बर्गफुट
जमीन, साथ मकान, (1/4 शेयर)।

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, 54, रफीजहमद क़िदवाही रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. 1103/अर्जन रंज-111/82-83—यस: मुझे,
कै. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-11-1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बिना ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बिना मित्र, हेना बोरा (अन्तरक)
2. श्री प्रनब कुमार नाथ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3छ-43 वर्गफुट
जमीन, साथ मकान (1/4 शेयर)।

कै. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, 54, रफीजहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. 1104/अर्जन रज-111/82-83—यतः मुझे,
के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पुष्ट प्रतिपाद से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती बिना मित्र, हेना बोसा

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार नाथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3छ-43 वर्गफुट
जमीन, साथ मकान (1/4 शेयर)।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-111, 54, रफीअहमद किशवाह रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 जून 1982

निर्देश सं. 1105/अर्जन रंज-111/82-83—यतः सूक्ष्म,
के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 12 है तथा जो राधा बाजार लेन, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूक्ष्म यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्रीमती बिना मित्र, हेना बोसा

(अन्तरक)

2. श्री अनूप कुमार नाथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12, राधा बाजार लेन, कलकत्ता, 6क-3ख-43 वर्गफुट
जमीन, साथ मकान (1/4 शेयर)।

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-111, 54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

तारीख : 9-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, पटना

पटना, दिनांक 18 जून 1982

निर्देश सं. 111/558/अर्जन/82-83—अतः मूझे,
हृदय नारायण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं. ताजी सं.-5282 (पुराना) 28 सी (नया)
संसय सं.-595, 589, 598 धाना सं.-18 है तथा, जो मोजा-
रुकूनपुर, धाना-बानापुर, जिला-पटना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय पटना में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 14-11-1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शम्भू नाथ सिंह बल्लव राम मणित सिंह निवासी,
ग्राम-खजपुरा धाना-गदौनिवाग, जिला-पटना।
(अन्तरक)
2. श्री मोहम्मद साहीद बल्लव हाजन रशीद 2-मोहम्मद
नशीम बल्लव अब्दुल हुकूम निवासी-फूलवारी
शरीफ, पत्रालय-गदौनिवाग धाना-पुलवारी, जिला
पटना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि-भूमि का रकबा 29.5 डीसमल जो मोजा रुकूनपुर
धाना-बानापुर जिला-पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से बसिका
सं.-8662 दिनांक 14-11-81 में वर्णित है तथा पंजिकृत
जिला अवर निबंधक, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख : 18-2-1982
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश सं. एन. सी. 586/82-83—यतः मुझे, पी.
जे. तोमसकुट्टि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो निशवपेक्ष में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विश्वावपेक्ष में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 25-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अभिन नष्टों द्वारा गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
21-196GI/82

1. श्री कांछुदेवस्मि

(अन्तरक)

2. मैगर्स उदया ट्रस्टिंग्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7 Cents of land with a building as per Schedule attached
to Doc No. 6544 dated 25-11-1981

पी. जे. तोमसकुट्टि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एरणाक्लम

तारीख : 30-6-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री कांचय्यारन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री बी. के. राजसिंह टी. के. गोपाल, के. बी.
भास्कर, डाक्टर. के. आर. राज और एम. डी.
वरीद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कोच्चिन-16, दिनांक 30 जून 1982

निर्देश सं. एन. सी. 585/82-83—यतः मुझे, पी. जे. तोमसकुट्टि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो निश्चयपेक्ष में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निश्चयपेक्ष में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 10-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रबल प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिा-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

78 Cents of land in Sy. No. 143 of Trichur village.

पी. जे. तोमसकुट्टि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि, एरणाक्लम

तारीख : 30-6-1982
माहूर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जुलाई 1982

निवेश सं. आय ए. सी./सी. ए. 5/एस. आर. नाम्बे/729/नवम्बर-81/82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी संख्या एस. नं. डी-235/11 है तथा जो सिटी कोल्हापूर में स्थित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निबंधक नाम्बे में; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री विद्याधर-गणेश कामे और 2 1224 (बेण्हेडेर)
बाडन रोड, नाम्बे-26

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल अनिल मोहम्मद अमिन हर्शक मोहम्मद युसुफ मोहम्मद अमिन हर्शक केलवकर बंगला,
247/ई तारा बाई पार्क कोल्हापूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पापर्टी जो सं. नं. डी-235/11 जो कोल्हापूर ता-करवीर जि. कोल्हापूर में स्थित है। (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख भ-आर-1095 जो नवम्बर 1981 को, दृश्यम निबंधक नाम्बे के दफ्तर में लिखा हुआ है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना

तारीख : 1-7-1982
महूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 29 जून 1982

निदेश सं. आय. ए. सी./सी. ए. 5/एस. आर. हवेली-11-जन./82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 106/8 टी. पी. नं. 1 एफ. पी. नं. 58/6 है तथा जो एरडवणे पूर्ण 4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूर्यम निबंधक हवेली-11 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) प्रसारण से हुई किसी आय की बावत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. निवृत्ती मारुती बलकवडे और 2 106/8, एरडवणे, पूर्ण-4

(अन्तरक)

2. श्री विजय परशुराम जोगलेकर चैरमन मकरन्द को आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी 106/8, एरडवणे पूर्ण-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टीं जो सि. एस. नं. 106/8, टी. पी. नं. 1, एफ. पी. नं. 58/6, एरडवणे में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख सं. 749 जो जनवरी 1982 को दूर्यम निबंधक हवेली-11 के दफ्तर लिखा हुआ है)।

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना

तारीख : 29-6-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं. आई.एस.आर./सी.ए. 5/एस.आर. जलगांव/731/नवम्बर-81/82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शेत गट नं. 391 है तथा जे.कस्बे खुर्द में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूयम निबंधक जलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वगडलाल लक्ष्मणदास पारख, श्री केवलचंद भागचंद देसड्डी, 210 बालाजी पेट, जलगांव।
(अन्तरक)
2. यूनाइटेड प्रापर्टीज एण्ड इन्वेस्ट कंपनी, पार्टनर श्री सीतेश सोमा भोले, भवानी पेट, जलगांव।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जो शेत गट नं. 391, कस्बे खुर्द में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं. 3483 जो नवम्बर, 1981 को दूयम निबंधक एम. आर. जलगांव के दफ्तर में लिखा हुआ है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 1-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भारत सरकार

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 1 जुलाई 1982

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. मिरजा/नवम्बर 81/730/82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. रि. स. नं. 458, प्लॉट नं. 28 है तथा जो संगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्यम निबंधक मिरजा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महमंद बापूसाहेब सय्यद, 1259 खणभाग, संगली।

(अन्तरक)

2. श्री दलरमल वसायतराय रामवाणी, गवली गल्ली, संगली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटीं जो रि. स. नं. 458, प्लॉट नं. 28, संगली में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं. 2304 जो नवम्बर 1981 में दृश्यम निबंधक मिरजा-1 के दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 1-7-1982

माहुर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं. सी ए 5/एस आर हवेली/नवम्बर 81/736/
82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. अपार्टमेंट नं. बी-101 पहली मंजिल और
पार्किंग स्पेस नं. बी-1, बिल्डिंग नं. बी, सं. नं. 161/
ए/1/6 बी और सी है तथा जो शिवाजी नगर, पूणे में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय दाय्यम निबंधक
हवेली-1 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियम,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) पर उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मिससेस आर. शांता, प्लॉट नं. 34-ई, हावे
अपार्टमेंट्स सी. आई. टी. मायन, बाम्बे-
400022।

(अन्तरक)

2. (1) मिससेस कमला रतीलाल सेयानी (2) मिससेस
रांजन सुभाष भयानी, अपार्टमेंट नं. बी/101,
बिल्डिंग नं. बी, आशीष अपार्टमेंट, भोवी बाग,
स. नं. 161/ए/1/6 बी और सी गणेश मंड पथ,
पूणे-411016।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश के पश्चात् में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोधनाक्षरो के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी अपार्टमेंट नं. बी-101, पहली मंजिल, पार्किंग
प्लेस नं. बी-1 बिल्डिंग नं. बी, सं. नं. 161/ए/1/6 बी
और सी, शिवाजी नगर, पूणे में स्थित है। (जैसे की रजिस्ट्री-
कृत विलेख क्र. 4360 जो नवम्बर 1981 में दाय्यम निबंधक
हवेली-11 के दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 5-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं. सी ए 5/एस आर नंवासा/जनवरी 82/733/
82-83—यतः मुझे, आर. के. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. शेत गट नं. 101 है तथा जो कांगोनी
तानेवासा, जि. अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दूर्यम निबंधक नंवासा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्व प्रतियोग अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय. की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तिर्यों
को, निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसूच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती सोनीबाई नवलमल गांधी, बाल-मंडई,
अहमदनगर। (अन्तरक)
2. श्री रतीलाल ननसख म्था और चार नवी पंठ,
अहमदनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोच —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो शेत गट नं. 101, कांगोनी, ता. नंवासा, जि.
अहमदनगर में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विनंश क्र. 69
जो जनवरी 1982 में दूर्यम निबंधक नंवासा के दफ्तर में
लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना-411004

तारीख : 5-7-1982
मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं. सी ए 5/एम आर जलगांव/नवम्बर 81/735/
 82-83--यतः मूके, आर. के. आगरवाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं. शेनगट नं. 88 है तथा जो निमखेडी खुर्द,
 जि. जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
 लय दूर्यम निबंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
 ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--
 22-196 GI/82

1. श्री विश्वनाथ आनंदराव पाटील, मैनेजिंग पार्टनर,
 राजेश अपार्टमेंट, जलगांव, 172, नवी पेठ,
 जलगांव।

(अन्तरक)

2. श्री रविंद्र तोताराम बल्हाडे, मैनेजिंग पार्टनर,
 मंसर्स मोनल ट्रेडर्स जलगांव, समर्थ कौन्सी,
 जलगांव।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटीं जो शेनगट नं. 88, निमखेडी खुर्द, जि. जलगांव
 में स्थित है। (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 2606 जो
 नवम्बर 1981 में दूर्यम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा
 है।)

आर. के. अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 5-7-1982
 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 5 जून 1982

निर्देश सं. सी ए 5/एस आर अहमदनगर/नवम्बर 81/734/82-83—यतः मुझे, आर. के. आग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. स. नं. 494/1 है तथा जो कोडगांव, ता. और जि. अहमदनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दूर्यम निबंधक अहमदनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृत्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विगी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री समरबहादुर सिंह तहसीलदार सिंह, अरबगांव रोड, नजदीक सी. एम. ई. फाँड्री, अहमदनगर।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभाकर दिन्दकर देशपांडे, मुख्य प्रयत्नक, नियोजित शिवाजी नगर गृह बांधणी संस्था कोडगांव, ता. और जि. अहमदनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो स. नं. 494/1, कोडगांव, ता. और जि. अहमदनगर में स्थित है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख क्र. 3043 जो नवम्बर 1981 में दूर्यम निबंधक अहमदनगर के दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. आग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, पूना-411004

तारीख : 5-7-1982
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 5 जुलाई 1982

निर्देश सं. सी ए 5/एस आर सातारा/नवम्बर 81/737/
82-83—यतः मुझे, आर. के. आगरवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 512 है तथा जो सदर बाजार, सातारा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृश्य निबंधक
सातारा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री अमृतलाल हिराचंद संघवी (2) डा. सुभाष
अमृतलाल संघवी, 896, शनवार पेठ, सातारा।
(अन्तरक)
2. श्री जयंत हिराचंद शाहा और अन्य पांच, 11,
सदाशिव पेठ, सातारा।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटीं जो 512, सदर बाजार, सातारा में स्थित हैं।
(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 1897 जो नवम्बर 1981
में दृश्य निबंधक सातारा के दफ्तर में लिखा है।)

आर. के. अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, पूना-411004

तारीख : 5-7-1982
मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th July 1982

No. A/19021/4/78/AD.V.—The services of Shri P. S. Hura, IPS (PB : 1962) Dy. Inspector General of Police (S) Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of the Government of Punjab with effect from 1st July, 1982 afternoon on repatriation.

The 24th July 1982

No. A-19021/6/78-AD.V.—The services of Shri P. C. Sharma, IPS (A&M-1966) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU(I) Branch are placed at the disposal of the Government of Assam with effect from the afternoon of 15th July, 1982, on repatriation.

The 26th July 1982

No. A/19036/10/82/Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and IGP/SPE is pleased to promote Shri Bindu Nath Jha, Inspector to officiate as Dy. Superintendent of Police in CBI on *ad-hoc* basis from 13th July, 1982 (Afternoon) until further orders.

R. S. NAGPAL,
Administrative Officer(E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi, the 19th July 1982

No. O.II-1713/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Jagannath, General Duty Officer Gdc-II of Base Hospital CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 10th July.

The 17th July 1982

No. 3 (28)/4363—The following Officers are appointed in a substantive capacity against the permanent posts and from the date shown against each :—

S. No.	Name and Designation	Confirmed as	Date of Confirmation
(1)	Shri R. Krishna Murthy, Asstt. Engineer (Elect)	Asstt. Engineer (Elect.)	20-4-1977
(2)	Shri S.S. Johari, Dy. Chief Control Officer	Asstt. Chief Control Officer	12-7-1981

S. R. PATHAK
General Manager

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 22nd July 1982

No. AN I/1899/5/Vol.I.—Shri P. S. Balasubramanian, IDAS, who attained the age of 58 years on 6-6-1982 (his date of birth being 7-6-1924) has been transferred to the

Pension Establishment with effect from 30-6-1982 (AN) and has accordingly been struck off the strength of Defence Accounts Department with effect from 30-6-1982 (AN) in terms of FR 56(a). The officer proceeded on leave pending retirement with effect from 3-9-81 till the date of his superannuation.

R. K. MATHUR,
Additional Controller General of Defence Accounts
(Admin)

New Delhi-110066 the 19th July 1982

No. AN /II/2158-81—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the date noted against each until further orders.

Sl. No.	Name	Organisation	Date
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	Dhani Ram Sud	C.D.A. (Pensions) Allahabad	18-2-81
2.	Dibakar Sinha	C.D.A. (Pension) Allahabad	18-6-81

1982 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

The 22nd July 1982

No. F.2/8/80-Estt(CRPF).—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the C.R.P. Force, I.L. Col. Umrao Singh, relinquished charge of the post of Commandant 3rd Signal Bn in the afternoon of the 16th June, 1982.

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 7th August 1982

No. 23/3/82-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number of Industrial Workers on base : 1960=100 increased by eight points to reach 470 (Four hundred and seventy), during the month of June, 1982. Converted to base : 1949=100 the index for the month of June, 1982 works out to 571 (Five hundred and seventy one).

A. S. BHARADWAJ
Director, Labour Bureau.

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 16th July 1982

No. M-6/4370.—Shri B. L. Sharma, Foreman (Mech.), is appointed purely on *ad-hoc* basis as Assistant Engineer (Mech.) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 9-7-1982 for the period upto 30-9-1982 or till further orders whichever is earlier.

1	2	3	4
	S/Shri		
3.	Hari Prasad Singh	C.D.A. (ORs) North Meerut	26-3-81
4.	S.M. Srivastava	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
5.	A. Narayana Murthy	C.D.A. SC, Pune	16-3-81
6.	V. Periaswamy	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
7.	Saroj Kumar Bhar	C.D.A. Patna	16-3-81
8.	Tilak Raj Sethi	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-3-81
9.	R. Sridharan	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
10.	Ghanshyam Lal	C.D.A. (ORs) North, Meerut	16-3-81
11.	R. Vijayaraghavan	C.D.A. SC, Pune	16-3-81
12.	Y.C. Singh	C.D.A., AF, Dehradun	16-3-81
13.	G.N. Mehrotra	C.D.A. (ORs), North Meerut	16-3-81
14.	V. Ganesan	C.D.A. (ORs) South, Madras,	16-3-81
15.	M. L. Juvekar	C.D.A. SC Pune	16-3-81
16.	Ravi Dutt Sharma	C.D.A. Patna	16-3-81
17.	A.R. Issac Chandra	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
18.	R. P. Arya	C.D.A. (ORs) North Meerut	23-3-81
19.	Ganesh Chandra	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
20.	Mahesh Chandra	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
21.	A.S. Natarajan	C.D.A. (ORs) South Madras	19-3-81
22.	V.P. Gupta	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
23.	Bhisham Dev	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
24.	Prit Pal Singh	C.D.A. WC, Meerut	12-3-82
25.	G. C. Mukherjee	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-3-81
26.	D. G. Angarkar	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
27.	Prem Shankar Lov	C.D.A., CC, Meerut	16-3-81
28.	T. Rajamani	C.D.A. SC, Pune	16-3-81
29.	Gulshan Rai Anand	C.D.A. AF, Dehradun	23-3-81
30.	Krishan Chander Vijra	C.D.A. Patna	16-3-81
31.	N. Subba Rao	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	16-3-81
32.	Abdul Hai Ansari	C.D.A. Patna	16-3-81
33.	S. Subbaraman	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
34.	R.D. Bhardwaj	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	16-3-81
35.	N. Madhavan Nair	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
36.	Chandrrika Prasad Misra	C.D.A. Patna	16-3-81
37.	A.R. Lakshminarayanan	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
38.	Inder Jeet Singh	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
39.	G.H. Sanjeeva	C.D.A. (Officers) Pune	16-3-81
40.	V.S. Balkrishnan	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81
41.	K.P. Sharma	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
42.	Kasturi Lal	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
43.	H.S. Srivastava	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-3-81
44.	Suprakash Roy	C.D.A. Patna	16-3-81
45.	Rajinder Singh	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
46.	S.K. Dass	C.D.A. Patna	16-3-81
47.	D.A. Joshi	C.D.A. (Officers) Pune	16-3-81
48.	S.B. Bose	C.D.A. Pensions Allahabad	16-3-81
49.	T. Ramachandra Charlu	C.D.A. SC Pune	16-3-81
50.	O.Narasimhan	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
51.	Ramesh Chandra Chatterjee	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-4-81
52.	Vishnu Kumar Alwar	C.D.A. NC, Jammu	17-3-81
53.	Ram Kishan Singh	C.D.A. AF, Dehradun	23-3-81
54.	A.A.K. Ghor	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
55.	S. Krishnamurthy	C.D.A. HQrs New Delhi	16-3-81
56.	B.K. Singh	C.A. Patna	8-4-81
57.	Ardhendu Prakash Basu	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-3-81
58.	Jai Prakash	C.D.A. AF, Dehradun	16-3-81
59.	Rajinder Pal Mehta	C.D.A. AF Dehradun	16-3-81
60.	S. Krishnamurthy	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	30-3-81
61.	U.S. Mulay	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	16-3-81
62.	N.S. Negi	C.D.A. Pensions Allahabad	16-3-81
63.	A. K. Mukherjee	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	27-3-81
64.	S. D. Dwivedi	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	16-3-81
65.	K.L. Rathi	C.D.A. CC, Meerut	16-3-81
66.	H. S. S. Murthy	C.D.A. (ORs) South Madras	16-3-81

1	2	3	4
	S/Shri		
67.	Satish Chandra Sexena	C.D.A. WC, Meerut	30-3-81
68.	K.L. Tandon	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-3-81
69.	Yoginder Pal Chugh	C.D.A. Pensions Allahabad	16-3-81
70.	Dina Nath Chaturvedi	C.D.A. (Pensions) Allahabad	16-3-81
71.	B.V. Muniramaiah	C.D.A. (ORs) South Madras	21-3-81
72.	Ram Kumar Goel	C.D.A. Pensions, Allahabad	16-3-81
73.	V.R. Kulkarni	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
74.	P.S. Behl	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
75.	A.P. Valayudhan Nambiar	C.D.A. AF, Dehradun	23-3-81
76.	G.S. Poondir	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-3-81
77.	N.B. Murgod	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
78.	Rajinder Singh Hooda	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
79.	Nirmal Jit Singh Sawhney	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
80.	K.R. Reddy	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	13-5-81
81.	Dharmanand	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
82.	N.V. Deshmukh	C.D.A. Navy Bombay	16-3-81
83.	A. R. Shivarman	C.D.A. (ORs) South Madras	25-3-81
84.	Om Prakash Sharma	C.D.A. WC, Meerut	16-3-81
85.	Sudarshan Kumar	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	25-3-81
86.	S. Natarajan	C.D.A. SC, Pune	20-3-81
87.	C. P. Sharma	C. D. A. Pensions Allahabad	23-3-81
88.	P. C. Gupta	C.D.A. Pensions, Allahabad	26-3-81
89.	K. P. Rajendran	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	28-3-81
90.	H.S. Srivastava	C.D.A. CC, Meerut	24-3-81
91.	Vijendra Kumar	C.D.A. WC, Meerut	18-5-81
92.	U. C. Choudhury	C. D. A., Patna	6-4-81
93.	K. Achyuta Rao	C.D.A. SC, Pune	14-4-81
94.	A. R. Tara	C.D. A. Navy Bombay	14-4-81
95.	K. Ramalingam	C. D. A. (ORs) South Madras	16-4-81
96.	B.D. Narayan	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	6-4-81
97.	Rudra Mohan Bhatnagar	C.D.A. Pensions Allahabad	6-4-81
98.	Mohd. Murtaza Khan	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	30-4-81
99.	Raj Pal Singh	C.D.A. Pensions Allahabad	24-4-81
100.	S.K. Mittal	C.D.A. AF, Dehradun	6-4-81
101.	Ram Kanwar	C.D.A., SC, Pune	9-4-81
102.	R. Balajogi Reddy	CD (ORs) South Madras	13-4-81
103.	B. P. Singh	C.D.A. WC, Meerut	6-4-81
104.	P. K. Kurian	V.D.A. Officers Pune	8-4-81
105.	R. S. Murthy	CDA (ORs) South Madras	14-4-81
106.	P. P. Srinivasa Rao	C.D.A. SC Pune	6-4-81
107.	N. P. Singh	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	13-4-81
108.	G. Prameshwar Rao	C.D.A. SC, Pune	14-4-81
109.	N. Ch. Sri Ram Iyengar	C.D.A. SC, Pune	22-6-81
110.	Vinod Behari Pal	C.D.A. AF, Dehradun	6-4-81
111.	Hukam Singh	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	6-4-81
112.	Omendra Pal Singh	C. D. A. (ORs) North Meerut	7-4-81
113.	V. Pallam Raju	C. D. A. AF, Dehradun	8-5-81
114.	Zamir Hussain	C.D.A. (ORs) North Meerut	14-5-81
115.	Jag Roshan Lal	C. D. A. Patna	19-5-81
116.	N. C. Indra	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	4-5-81
117.	Sita Ram Gupta	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	1-5-81
118.	K. C. Gopinathan	C.D.A. SC, Pune	8-5-81
119.	S.R. Mukherjee	C. D. A. Patna	4-5-81
120.	Satish Chandra Gupta	CDA SC, Pune	11-5-81
121.	K.K. Bhatia	C.D.A. WC, Meerut	7-5-81
122.	K.P. Mishra	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	28-5-81
123.	Ramji Gupta-II	C.D.A. SC, Pune	11-5-81
124.	Avdesh Bahadur Singh	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	29-5-81
125.	R.K. Sinha	C. D. A. SC, Pune	26-6-81
126.	Rama Pati Tripathi	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	14-5-81
127.	Ram Pal Singh	C. D. A. WC, Meerut	30-5-81
128.	Gaya Dutta Misra	C.D.A. Pensions Allahabad	6-5-81
129.	Ramesh Chandra Srivastava	C.D.A. Patna	22-5-81
130.	BBL, Mathur	C.D.A. WC, Meerut	1-5-81

1	2	3	4
	S/Shri		
131.	L.V. Viswanathan	C.D.A. Pensions, Allahabad	8-5-81
132.	Shambhu Nath Yadav	C.D.A. CC, Meerut	25-5-81
133.	Abhai Narain Singh	C.D.A. (ORs) North Meerut	18-7-81
134.	Raj Kishore	C.D.A. (ORs) North Meerut	1-5-81
135.	Surya Prakash Kaushik	C.D.A. Pensions Allahabad	30-5-81
136.	Om Prakash Kacker	C.D.A. (Officers) Pune	12-5-81
137.	G. K. Tandon	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	13-5-81
138.	Subhash Chandra Aggarwal	C.D.A. CC, Meerut	13-5-81
139.	Suresh Chandra Saxena	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	30-7-81
140.	S.C. Vij	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	29-6-81
141.	D. P. Verma	Controller of Accts. (Fys) Calcutta	30-6-81
142.	G. M. Debadghao	C.D.A. SC, Pune.	5-6-81
143.	R.R. Mathur	C.D.A. (Officers) Pune.	14-9-81
144.	R. Venkataramanan	C.D.A. SC Pune.	6-6-81
145.	P.G. Janarathanan	C. D. A. Officers Pune.	5-6-81
146.	Vijay Pal Singh	C. D.A. Patna	27-6-81
147.	C. Govindan	C.D.A. (ORs.) South Madras	9-6-81
148.	Gopal Sharan	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	5-6-81
149.	Raj Kumar	C.D.A. WC, Meerut	11-9-81
150.	Bir Kumar Anand	C.D.A. Officers, Pune	24-6-81
151.	Ram Dular Singh	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	29-6-81
152.	G.S. Bhatia	C.D.A. Pension Allahabad.	10-6-81
153.	K.V. Anjaneyulu	C.A. Navy Bombay	8-7-81
154.	B. Venkateswarlu	C.D.A. AF Dehradun	8-7-81
155.	Brahm Prakash Saxena	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	31-7-81
156.	M. Viswewara Rao	C. D. A. Officers Pune	2-7-81
157.	S. Gopal	C.D.A. (ORs) South Madras	8-7-81
158.	H.V. Gupte	C. D. A. Officers Pune.	1-7-81
159.	Lallan Prasad Chaurasia	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-7-81
160.	Vir Singh	C. D. A. (ORs) Central Nagpur	13-7-81
161.	Madan Swarup	C. D. . Pensions Allahabad.	1-7-81
162.	M.P. Varshney	C.D.A. CC, Meerut	4-7-81
163.	Asnani Hari	C.D.A. Pensions Allahabad	4-7-81
164.	Hira Nand Upadhyaya	C.D.A. CC, Meerut	11-8-81
165.	S. N. Bansal	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	17-9-81
166.	R.L. Sharma	C.D.A. CC, Meerut	1-8-81
167.	T. R. Laroia	C.D.A. NC Jammu	10-8-81
168.	S.D.S. Chanraul	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	24-9-81
169.	A.G. Choudhury	C.D.A. CC, Meerut	10-8-81
170.	Stya Pal Singh	C.D.A. AF, Dehradun	1-8-81
171.	T.R. Sharma	C.D.A. WC, Meerut	1-8-81
172.	Lakshman Singh	C.D.A. Patna	31-8-81
173.	Har Pal Singh	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	10-8-81
174.	Abdul Khaliq	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	25-2-82
175.	S.P. Asthana	C.D.A. (Officers) Pune.	17-8-81
176.	S. B. Roy Chowdhury	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-8-81
177.	M. Gopalakrishnan	C.D.A. Officers Pune	3-8-81
178.	P. Ramulu	C.D.A. Pensions Allahabad	13-8-81
179.	K. Subba Rao	C. D. A. Officers Pune	30-10-81
180.	S. T. Chari	C.D.A. (ORs) South Madras	1-8-81
181.	R. Satyanarayana	C.D.A. SC, Pune	1-8-81
182.	M. Sambasiva Rao	C.D.A. (ORs) South Madras	31-8-81
183.	K.L. Tripathi	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	11-8-81
184.	V. P. Subramanian	C.D.A., SC, Pune	29-8-81
185.	A.K. Gosh	C.D.A. Patna	30-11-81
186.	Hari Vansh Dube	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	27-8-81
187.	V. Narayanaswami	C.D.A. (Officers) Pune	30-9-81
188.	T. Govind Rajulu	C.D.A. (Officers) Pune.	1-9-81
189.	T Krishnan	C.D.A. (ORs) South Madras	3-9-81
190.	A.G. Karlekar	C.D.A. (Officers) Pune.	1-9-81
191.	V.S. Kaluram	C.D.A. WC, Meerut	7-9-81
192.	S.K. Jain	Jt. C.D.A. (Funds) Meerut	1-9-81
193.	S.G. Srinivasan	C.D.A. (ORs) South Madras	10-9-81

1	2	3	4
	S/Shri		
194.	S. L. Sharma	C.D.A. NC, Jammu	1-9-81
195.	Kuppaswamy	C.D.A. SC, Pune	16-9-81
196.	C. Shanmugasundaram	C.D.A. AF, Dehradun	5-9-81
197.	Kewal Krishna	C.D.A. AF, Dehradun	1-9-81
198.	S.A. Venkataraman	C.D.A. (ORs) South Madras	5-9-81
199.	G. Veeraraghavan	C.D.A. Officers Pune	10-9-81
200.	Yashpal Singh	C.D.A. WC, Meerut	1-9-81
201.	Raj Pal Singh	C.D.A., Patna	14-10-81
202.	Kailash Chandra Agarwal	C.D.A. CC, Meerut	1-10-81
203.	Ram Rasik Singh	C.D.A. Patna	28-10-81
204.	M. Bhaskarudu	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	14-10-81
205.	Afzal Elahi	C.D.A. Pensions Allahabad	1-10-81
206.	R. P. Gupta	C.D.A. Patna NBR, wef	22-10-81
207.	Tara Singh Shishodia	C.D.A. CC, Meerut	22-10-81
208.	S. Venkataramana	C.D.A. SC, Pune	12-10-81
209.	M. Marla alphonse	C.D.A. S. C. Pune	5-10-81
210.	Jagadish Prasad Dixit	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	12-10-81
211.	P. Lakshmanan	C.D.A. (HQrs.) New Delhi	28-10-81
212.	S. Malayappan	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	19-10-81
213.	Kamal Gango Padhyay	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	1-10-81
214.	Suresh Chandra Gupta	C.D.A. WC, Meerut	4-11-81
215.	S. Lakshminarayanan	C.D.A. SC, Pune	3-11-81
216.	Tarsom Lal	C.D.A. NC, Jammu	16-11-81
217.	P. Srinivasan	C.D.A. Officers Pune	4-11-81
218.	Narendra Kumar	C.D.A. WC, Meerut	3-11-81
219.	K. Sowrirajulu	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	12-11-81
220.	Raj Bali Shukla	C.D.A. Pensions Allahabad	12-3-82
221.	S. M. Yusuf	C.D.A. Navy Bombay	16-11-81
222.	Verendra Prakash Rastogi	C.D.A. Pensions Allahabad	1-2-82
223.	S. Suryanarayanamurthy	C.D.A., SC, Pune	14-12-81
224.	Raghu Nath Gopal Joshi	C.D.A. Officers Pune	1-12-81
225.	M.L. Rishbud	C.D.A. Officers Pune	4-12-81
226.	S. Subramanian	C.D.A. SC, Pune	30-12-81
227.	N. N. Gosain	C.D.A. (ORs) North Meerut	1-12-81
228.	Gurdial Singh	C.D.A. (ORs) North Meerut	31-12-81
229.	G.W. Bhawe	C.D.A. SC, Pune	1-12-81
230.	Ramesh Chandra Roy	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	16-12-81
231.	S. N. Trigunayat	Controller of Accounts (Fys) Calcutta	5-2-82
232.	Uma Shanker Mehta	C.D.A. NC, Jammu	2-12-81
233.	B.M.L. Sarin	C.D.A. Navy Bomay	30-12-81
234.	Gangeswar Upadhyaya	C.D.A. CC, Meerut	8-12-81
235.	Dinesh Misra	C.D.A. AF, Dehradun	4-1-82
236.	M. Mam Foozur Rehman	C.D.A. (ORs) North Meerut	30-12-81
237.	A.S.B. Shah	C.D.A. Pensions Allahabad	11-12-81
238.	Bharat Mitra Ahuja	C.D.A. Officers Pune	29-4-81
239.	Shiv Kumar Mittal	C.D.A. Patna	31-1-81
240.	Puran Chand	C.D.A. Patna	27-3-81
241.	V.M. Raikharo	C.D.A., Patna	31-3-81
242.	S.C. Sudan	C.D.A. Patna	27-2-81
243.	Dwarakanath Gulati	C.D.A., Patna	28-1-81
244.	Har Prasad Chanchal	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	23-2-81
245.	S.L. Gupta	C.D.A. WC, Meerut NBR, wef	12-1-81
246.	Gobind Ram Kakar	C.D.A. Patna	12-1-81
247.	Jagdish Chandra Verma	C.D.A. Patna	10-2-81
248.	A. Dutta Gupta	C.D.A. (ORs) North Meerut	7-1-81
249.	O.P. Bhola	C.D.A. (ORs) Central Nagpur	30-1-81
250.	P. Purnachandra Rao	C.D.A. (Pensions) Allahabad	20-2-81

A. K. GHOSH

Deputy Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 22nd July 1982

No. 37/G/82—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of joining
1	2	3
	S/Shri	
1.	C.V. Subbaiah	31-1-81
2.	Vanupa Zathang	26-2-81
3.	N.K. Sinha	15-7-81
4.	K. Krishna Moorthy	9-9-81
5.	T.T.S. Kripa Venkatesan	10-10-81
6.	Shri R. Rajasekharan	14-10-81
7.	M.K. George Kutty	15-3-82
8.	P.K. Shrivastava	8-4-82

V. K. MEHTA,
Assistant Director General Ordnance Factories,

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 1st July 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/82-Admn(G)/3968.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Mathur, (CSS Grade I Select List-1980) to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office for a further period of two months with effect from 1-5-1982.

V. SESHAN,
Joint Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 22nd July 1982

No. A-12018(1)/79-A(HE)-G.S.R.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Con-

stitution the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Chief Estimator in the Small Industries Development Organisation under the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) namely :—

1. *Short title and commencement*—(1) These rules may be called the Small Industries Development Organisation (Chief Estimator) Recruitment Rules, 1982.

11. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. *Number, classification and scale of pay*—The number of this said post, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 and 4 of the Schedule annexed to these Rules.

3. *Method of recruitment, age limit and qualifications*—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. *Disqualification* : No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. *Power to relax*—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. *Saving*—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Chief Estimator in the Small Industries Development Organisation

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit added yrs. of service admissible under rule 30 of the C.C.S. Pension Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6(a)	7
Chief Estimator	1 subject to variation depending on workload	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted Non-Ministrial	Rs. 700-30-760-35-900	Selection	N.A.	N.A.	N.A.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of Rectt. whether by direct rectt. or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt
8	9	10	11	12	13
N.A.	2 years	By promotion	<i>Promotion</i> Draughtsman Gr. I with 8 yrs. service in the grade rendered after appointment thereto on regular basis	Group 'B' DPC 1. Director (Admn) Chairman 2. Director of Tech. Divn. concerned (Member) 3. Dy. Dir. (Admn.) Member 4. An Officer appropriate status belonging to SC/ST (Member)	Consultation with UPSC necessary while amending/relaxing any of these rules

H. L. JUNEJA.
Dy. Director (Admn.)

New Delhi, the 24th July 1982

No. 12/447/64-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. S. Nayar, Assistant Director (Gr. I) (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Trichur as Deputy Director (Industrial Management & Training) on *ad-hoc* basis at Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 21-6-82 until further orders.

No. A-19018(68)/73-A(G).—The President is pleased to permit Shri S. Guruswami, Asstt. Director (Gr. I) (EI) SISI, Madras, to retire from Government Service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 30-6-1982.

No. A-19018/608/82-A(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri A. R. Singh, Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute, Hyderabad as Assistant Director (Gr. II) (G/C) at Small Industry Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 14-6-82 until further orders.

The 27th July 1982

No. A-19018(279)/77/A(G).—The President is pleased to appoint Shri N. P. Bhatnagar, Assistant Director (Gr. II) (EI) Small Industries Service Institute, Solan as Assistant Director (Gr. I) (EI) on *ad hoc* basis in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), (New Delhi with effect from the forenoon of 29-6-82 until further orders.

The 28th July 1982

No. A-19018(570)/81-A(G).—The President is pleased to appoint Shri S. Balasubhavanam, Small Industries Promotion Officer (L/F), Small Industries Service Institute, Madras as Asstt. Director (Gr. I) (L/F) at the same Institute with effect from the forenoon of 26-6-82 until further orders.

C. C. ROY.
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 21st July 1982

No. A-1/1(1130).—The Director General, Supplies & Disposals is pleased to grant extension in service to Shri K. V. Sivaramakrishnan, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay for a

period of six months beyond the age of superannuation viz. from 1st July 1982 to 31st December 1982.

No. A-1/1(1039).—Shri J. L. Shah, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st May, 1982 on attaining the age of superannuation.

The 24th July 1982

No. A-1/1(1195).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. K. Chakravarti, Superintendent (Level I) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on purely *ad hoc* basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the DS&D, Calcutta with effect from the afternoon of 4-6-1982 against the leave vacancy of Shri H. N. Samaddar, Assistant Director (Admn.) (Gr. II).

S. L. KAPOOR
Dy. Dir. (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-7000016, the 19th July 1982

No. 4968B/A-32014(2)OS/81/19B.—The *ad hoc* promotion of Shri H. P. Majumdar to the post of Officer Surveyor in the Geological Survey of India is regularised with effect from 28-6-82 (FN).

The 21st July 1982

No. 3482D/A-19012(DTS)/81/19A.—Shri D. T. Syiemlieh is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5-6-1982, until further orders.

No. 3493D/A-32013(AO)/78/19A.—Shri Jameel Ahmed, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 5-4-1982 to 10-5-1982 (FN) against the leave vacancy of Shri C. N. Dakshinamurthy, Administrative Officer, Southern Region, Hyderabad, Geological Survey of India.

J. SWAMI NATH.
Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 12th July 1982

No. C-5835/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on *ad-hoc provisional basis* are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

Sl. No.	Name	No. and date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Date of promotion
1	2	3	4	5
1.	Shri M.K. Guha	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 76 (Photo) Party (SEC), Bhubaneswar	1-2-82
2.	Shri S.G. Agarwal	Do.	No. 20 (Photo) Party (NC), Dehra Dun	21-1-82
3.	Shri Pramod Chandra	Do.	No. 45 Party (C.C.), Jabalpur	1-2-82
4.	Shri Ramdas Chakrabarty	Do.	No. 37 Party (E.C.), Calcutta	2-2-82 (AN)
5.	Shri N. Srinivasan	Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78	No. 67 (FSP) Party (Surair), Coimbatore	23-1-82
6.	Shri B.S. Rawat	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 47 Party (S.T.I.), Hyderabad	2-2-82
7.	Shri P.G.P. Panikkar	Notification No. C-5395/707 dated 24-7-78	Research & Development Directorate, Hyderabad	25-1-82
8.	Shri Pritam Singh	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 93 (QCAP) Party (Surair), New Delhi	23-1-82

No. C. 5836/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810 -EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc provisional basis* :—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1	2	3	4
1.	Shri Parshotam Das, Surveyor Sel. Gd.	No. 32 (Photo) Party (W.C.) Abu	12-3-82 (FN)
2.	Shri H.O.P. Mathur, Surveyor Sel. Gd.	No. 32 (Photo) Party (W.C.) Abu	2-2-82 (FN)
3.	Shri Rajbir Singh, Surveyor Sel. Gd.	No. 92 Party (S.E.C.) Varanasi	29-1-82
4.	Shri B.S. Negi, Draftsman Div. I. Sel. Gd.	No. 83 Party (W.C.) Jaipur	2-2-82 (FN)
5.	Shri P.C. Pandey, Draftsman Div. I. Sel. Gd.	No. 83 Party (W.C.) Jaipur	2-2-82 (FN)
6.	Shri P. K. Kochu Mohd., Survey Assistant Sel. Gd.	No. 8 Party (S.C.) Bangalore	2-2-82 (FN)
7.	Shri K.S. Srivastava, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 83 Party (W.C.) Jaipur	15-2-82
8.	Shri Jagdish Mittor, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 34 Party (P.M.P.) Hyderabad	1-2-82 (FN)
9.	Shri S.D. Palani, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 17 Party (S.C.) Bangalore	2-2-82 (FN)
10.	Shri V. S. Negi, Surveyor Sel. Gd.	No. 11 Party (S.E.C.) Ranchi	12-3-82 (FN)
11.	Shri R.C. Sharma, Surveyor Sel. Gd.	No. 92 Party (S.E.C.) Varanasi	27-2-82 (FN)
12.	Shri K. D. Mehta, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 76 (Photo) Party (SEC) Bhubaneswar	26-2-82 (FN)
13.	Shri S.N.S. Panwar, Draftsman Div. I Sel. Gd.	No. 11 D. O. (S.E.C.) Bhubaneswar	6-3-82

No. C-5837/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on *ad hoc provisional basis* are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each :—

Sl. No.	Name	No. and date of Notification under which appointed on adhoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Date of promotion
1.	Shri P. V. Ganesh	Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78	No. 4 D. O. (SC), Bangalore.	8-9-81
2.	Shri K.N. G. K. Pillai	Notification No. C-5395/707 dated 24-7-78	No. 47 Party (STI), Hyderabad.	14-9-81
3.	Shri Nirmal Singh	Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78	No. 57 Party (NWC), Chandigarh.	14-9-81

Dehra Dun, the 14th July 1982

No. E1-5840/PF(M. K. Jain).—The resignation tendered on 8-2-1971 by Shri M. K. Jain, who was appointed as Officer Surveyor in the Survey of India Class II (now Group 'B') Service vide this office Notification No. E1-3735/579-Sel. 68 (Cl. II) dated 13-1-1969, is hereby accepted.

G. C. AGGARWAL,
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 19th July 1982

No. 2/11/82-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Praduman Prasad Accountant AIR, Patna to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Ranchi with effect from 28-4-1982 (FN).

S. V. SESHADRI,
Deputy Director (Admn.)
for Director General

New Delhi-1, the 21st July 1982

No. 4(50)/81-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Sadhana Bhatt as a Programme Executive, All India Radio, Ahmedabad in a temporary capacity with effect from the 15th April, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

The 26th July 1982

No. 4(29)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mohd Ali Mian Mauj as Programme Executive, All India Radio, Lucknow in a temporary capacity with effect from the 4th June, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(31)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Obaid-ur-Rahman Niatzi as Programme Executive, All India Radio, Nagpur in a temporary capacity with effect from the 14th May, 1982 and until further orders in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

H. C. JAYAL, Dy. Dir. (Admn.)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 17th July 1982

No. 2/4/64-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri P. V. Marathe, Permanent Library Asstt. in the Films Division, Bombay to officiate as Librarian in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 5th July, 1982 to 26th August, 1982 *vice* Shri M. N. R. Khan Afridi, Permanent Librarian sent on training course to National Archives of India, New Delhi.

S. K. ROY,
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 9th July 1982

No. A-31013/2/79-Fxh.(A).—The Director of Advertising and Visual Publicity is pleased to appoint Shri M. S. Shantharam substantively in the post of Field Exhibition Officer in the Directorate of Advertising & Visual Publicity with effect from 22nd June, 1982.

Y. VARMA,
Dy. Dir. (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th July 1982

No. A.19019/64/77(NTI)Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri V. A. Menon, X-ray Engineering in the National Tuberculosis Institute, Bangalore, retired from Government Service on the afternoon of the 28th February, 1982.

No. A.12026/5/82(ISS)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Nath (an officer of Grade III of the I.S.S.) to the post of Assistant Professor of Statistics at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th June, 1982 & until further orders.

T. C. JAIN,
Dy. Dir. Admn. (O&M)

New Delhi, the 20th July 1982

No. 31013/10/80(AIHPH)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. K. Sinha in a substantive capacity to the post of Assistant Professor of Biophysics at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the 1st June, 1978.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Dir. Admn. (PH)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th June 1982

No. A. 19023/53/78-A.III.—Shri D. S. Sobti, Marketing Officer of this Directorate at New Delhi, has retired voluntarily from Government service w.e.f 12-6-1982 (A.N.) in terms of FR-56 (K).

No. A-19023/3/82-A.III.—Shri N. Gamarudheen, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bangalore w.e.f. 30-6-1982 (F.N.) on purely ad-hoc basis for a period of 3 months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Gamarudheen relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Tuticorin in the afternoon of 21-6-1982.

G. S. SHUKLA
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 20th July 1982

No. Ref: DPS 23/1/81-Est./15712.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Vithal Sawant, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from January 6, 1982 (FN) to June 24, 1982 (AN).

The 22nd July 1982

No. DPS/23/1/81-Est./15751.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mahalingam Srinivasan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as an Accounts Officer-II (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from February 16, 1982 (FN) to June 24, 1982 (AN).

No. DPS/23/1/81-Est./15756.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Attur Pisharody Chenthamarakshan, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-

880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from May 1, 1982 (FN) to June 5, 1982 (AN).

No. DPS/23/1/81-Est./15761.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vishwas Baburao Ghorpade, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant of this Directorate to officiate as an Assistant Accounts Officer (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from April 19, 1982 (FN) to May 31, 1982 (AN).

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 24th July 1982

No. AMD-2/2856/79-Adm.—The resignation tendered by Shri N. R. Kale from the post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from June 26, 1982 (Afternoon).

T. D. CHADGE
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 21st July 1982

No. 05000/K-142/3511.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Sundaresan Krishnamurthy, a permanent Stenographer (Senior) of Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Projects (Central Office) in a temporary capacity, w.e.f. June 21, 1982 (FN) until further orders.

The 22nd July 1982

No. Ref : 05012/R3/31/3538.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Dayal Sadhuram Israni, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Atomic Minerals Division to officiate as Accounts Officer-II in Heavy Water Project (Kota) in a temporary capacity, w.e.f. February 19, 1982 (AN) until further orders.

S. SWAMINATHAN
Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 20th July 1982

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic

The 20th July 1982

No. A 32014/2/82-EC.—The President is pleased to appoint the following communication Assistants in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 with effect from the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

Sl. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over Charge
1	2	3	4	5
	S/Shri.			
1.	G.N. Oka	Ahmedabad	Baroda	26-5-82 (FN)
2.	M.S. Gogate	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
3.	B.P. Pramanik	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
4.	K.L. Patwa	Agartala	Gauhati	3-6-82 (AN)
5.	J.N. Mitra	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
6.	K.N. Datta	Calcutta	Calcutta	1-5-82 (FN)
7.	M.K. Chakrapani	Coimbatore	Hyderabad	21-5-82 (FN)
8.	V.J. Hudder	Nagpur	Hyderabad	30-6-82 (FN)
9.	B. C. Biswas	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
10.	Edwin Thomas	Visakhapatnam	Trichy	29-5-82 (FN)
11.	R.N. Misra	Lucknow	Lucknow	29-5-82 (AN)
12.	A.K. Chowdhury	Calcutta	Calcutta	30-4-82 (FN)
13.	C.R. Kutty	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
14.	B.N. Sarkar	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)

Energy appoints Shri K. K. Purushothaman, a permanent Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad-hoc basis in the same Station with effect from the forenoon of May 17, 1982 and upto June 26, 1982 vice Shri V. S. Khandekar, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

No. TAPS/2/1458/80.—Consequent on his transfer to the Directorate of Purchase & Stores, Bombay, Shri S. Krishnan, a permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer-II in this Power Station relinquished charge of the post of Admo II on July 3, 1982 (AN).

C. SHANKAR
Chief Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th July 1982

CORRIGENDUM

No. A. 35-018/6/79-E. I.—In partial modification of this office Notification number A-35018/6/79-E. I, dated the 26th June, 1982 regarding relieving of Sh. P. L. Vishwanathan, Assistant Director, Civil Aviation Security, Madras please read "(Afternoon)" instead of (forenoon) in fourth line after 9-6-1982.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 15th July 1982

No. A-38013/1/82-EA.—Shri V. Raja Ram, Senior Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras retired from Government services on 1-5-82 on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 12th July 1982

No. A. 38015/3/82-EC.—The President is pleased to permit Shri B. S. Ahluwalia, Technical Officer, in the office of the Aeronautical Communication Station, Delhi Airport, Palam, New Delhi to retire from Government service with effect from 24-4-1982 (A/N) under the provision of F.R. 56 (K).

1	2	3	4	5
15.	D.L. Hete	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
16.	R.P. Joshi	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
17.	G.A. Nair	Trivandrum	Trivandrum	1-5-82 (FN)
18.	G.L. Chawla	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
19.	R.K.D. Chowdhury	Silchar	Gauhati	15-5-82 (FN)
20.	S.D. Bhalla	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
21.	T.K. Ghosh	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
22.	D.S. Karmalkar	Bhopal	Bhopal	3-5-82 (FN)
23.	K.S.N. Iyer	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
24.	D.N. Halder	Calcutta	Calcutta	30-4-82 (FN)
25.	S.K. Nandi	Calcutta	Calcutta	11-5-82 (FN)
26.	A.S. Sivarama Krishnan	Nagpur	Nagpur	24-5-82 (FN)
27.	P. Bose	Calcutta	Calcutta	29-4-82 (FN)
28.	S.S. Sandhu	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
29.	R.L. Sundor Raj	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
30.	B.C. Datta	Calcutta	Calcutta	10-5-82 (FN)
31.	N.R. Bose	Agartala	Agartala	29-4-82 (FN)
32.	M.T. Rajarishi	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
33.	P.G. Chandarana	Bombay	Bombay	30-4-82 (FN)
34.	S.K. Biswas	Calcutta	Calcutta	4-5-82 (FN)
35.	A.K. Biswas	Jodhpur	Gwalior	31-5-82 (FN)
36.	S.N. Ganguly	Calcutta	Calcutta	1-5-82 (FN)

PREM CHAND
Assistant Director (Admn).

New Delhi, the 24th July 1982

No. A. 31016/1/82-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. C. Mahay in a substantive capacity in the grade of Administrative Officer in the Civil Aviation Department with effect from 25-6-82.

E. L. TRESSLOR
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the July 1982

No. 1/430/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Narain Singh, Asstt. Administrative Officer, New Delhi Branch as Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch for the period from 4-5-82 to 7-6-82 purely on ad-hoc basis.

No. 1/522/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri C. J. D'Souza Supervisor, Bombay Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 14th June, 1982, and until further orders.

The 22nd July 1982

No. 1/236/82-EST.—Shri V. Swaminathan, Administrative Officer, Headquarters Office, Bombay retired from service, with effect from the afternoon of the 30th June, 1982, on attaining the age of superannuation.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 24th July 1982

No. 12/82.—Shri K. K. Agarwal lately posted as Under Secretary in the Ministry of Finance (Department of Revenue) on transfer to the Delhi Bench of Customs, Excise & Gold (Control) Appellate Tribunal, Vide Department of Revenue order No. 105/82 (F. No. A22012/34/81-Ad. II (Pt.)) dated

5-6-1982 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit Customs and Central Excise, New Delhi on 8-6-1982 (F.N.).

No. 13/82.—Shri Ravi Sandill, lately posted as Assistant Collector Central Excise Collectorate Patna, on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal, Customs, Excise and Gold Control in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi Vide Department of Revenue order No. 108/82 (F. No. A38012/11/82-Ad. II) dated 23-6-82 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' with effect from 29-6-82 (Forenoon).

No. 14/82.—Shri A. S. Sundara Rajan, lately posted as Senior Analyst in the Directorate of Draw-back, Department of Revenue, New Delhi on transfer as Junior Departmental Representative (Group 'B') in the Customs, Excise and Gold Control, Appellate Tribunal for Delhi Bench within the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Order F. No. A-12034/3/82-Ad. II(A) dated 29-6-1982, assumed charge of the post w.e.f. 5-7-1982 (Forenoon).

S. B. SARKAR
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 22nd July 1982

No. 11-TR(5)/79.—The President is pleased to accept the resignation of Shri U. B. Ranadive, Engineer Officer, Directorate of Marine Engg. Training, Bombay with effect from forenoon of 21st October, 1981.

P. GHOSH
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 26th July 1982

F. No. A. 22014/1/82-Estt. I.—Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri A. K. Sinha to the

grade of Extra Assistant Director (Publication) in the Central Water Commission in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the officiating capacity with effect from 6-7-82 until further orders.

Shri A. K. Sinha, Extra Assistant Director (Publication) will be on probation in the grade of Extra Assistant Director (Publication) for a period of two years with effect from the aforesaid date.

K. L. BHANDUIA
Under Secy.

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Management & Tax Consultants Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

Sd. ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Diwan Builders & Colonizers Private Limited*

Jullundur City, the 21st July 1982

No. G/Stat/560/3460/3273.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Diwan Builders & Colonizers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hindustan Exchange Limited*

Jullundur City, the 21st July 1982

No. G/Stat/560/1047/3268.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Hindustan Exchange Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. R. N. V. S. Brothers Private Limited*

Jullundur City, the 21st July 1982

No. G/Stat/560/3198/3271.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. R. N. V. S. Brothers Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

N. N. MAULIK
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Chand Rice Mills Private Limited*

Shillong, the 12th July 1982

No. 982/560(3)/1388(B).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Chand Rice Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. KOM
Registrar of Companies
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland,
Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Management & Tax Consultants Private Ltd.*

Bangalore, the 21st July 1982

No. 2207/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Hyderabad, the 9th July 1982

No. 139 [C.R. No. 12/Estt./82].—The undermentioned Income tax Officer is confirmed as Income tax Officer, Class-II with effect from the date noted against his name at Column No. 3.

S. No.	Name of the ITO & Designation & place at which working	Date from which confirmed	How the vacancy has arisen
1	2	3	4
1.	Shri G. Satyanarayanamurthy, Income tax Officer, Palakole	1-7-1982	Due to retirement of Sri M. G. Ra.g, ITO Class-I.

2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, if necessary.

M. S. NARAYANAN
Commissioner of Income tax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabad.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG

LUCKNOW

Lucknow, the 29th May 1982

G.I.R. No. R-169/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 251 situated at Iradat Nagar, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 7-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vimla Sahu.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmani Devi

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Ahata—plot of land bearing Khasra No. 251 ad-measuring 5500 sq. ft. situated at Iradat Nagar, Sitapur Road near Shia College, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6718, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 7-11-1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 29-5-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG

LUCKNOW

Lucknow, the 30th May 1982

G.I.K. No. P-93/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. B/5, Khasra No. 992 situated at I.T. College Crossing, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 26-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—196GI/82

(1) Smt. Annapurna Devi.

(Transferor)

(2) Pragatisheel Sahkari Griha Nirman Samiti Ltd.,
Nirala Nagar, Lucknow, Through Hony. Secretary,
Shri S. P. Misra.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B/5, measuring 5121 sq. ft. along with structure situated on Nazul Plot No. 12, Khasra No. 992, situated at I.T. College Crossing, Lucknow, and all that description of the properties which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7059/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 26-11-1981.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-5-1982

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 30th June 1982

G.I.R. No. S-231/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. B/5 situated at I.T. College Crossing, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Pragatishree Sahkari Greh Nirman Samiti Ltd.
Through Shri S. P. Mishra, Secretary.
(Transferor)

(2) 1. Smt. Saraswati Devi.
2. Smt. Roop Lekha Agarwal.
3. Smt. Recna Agarwal.
4. Smt. Meera Agarwal.

(Transferee)

(3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No B-5, Khasra No. 992, measuring 5121 sq. ft. situate at I.T. College Crossing, Lucknow, and all that description which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7084/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-11-1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-6-1982
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Pragatisheel Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., C-207, Nirala Nagar; Lucknow.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ramji Lall Agarwal,
2. Radhey Lall Agarwal.
3. Murari Lall Goyal.
4. Ashok Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) Above transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 30th May 1982

G.I.R. No. R-170/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nazul Plot No. 12, Khasra No. 992 situate at I.T. College Crossing, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in November 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Leasehold Nazul Plot No. 12, part of Khasra Plot No. 992 situate at I. T. College Crossing, Lucknow, and all that description of the properties which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6934/81, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, in November 1981.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 30-5-1982

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1210.—Whereas I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M. I. Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Mahendia Kumar Bishnoi, S/o Shri Mani Rani Bishnoi Sri Ganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land measuring 130 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 2884 dated 17-11-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1203.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Plot 11 situated at Jaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 28-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Sushila Verma, W/o Shri Veerbabujee, R/o Chitrangan Marg, Jaipur. (Transferor)
(2) Shri Murlidhar Odharani, S/o Shri Lekhraj Odharani, C-Scheme, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 11, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur measuring 326.66 sq. yds. (274 sq. mtr.) and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3056 dated 28-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Mahendra Kumar Bishnoi, S/o Shri Maniram Bishnoi, Shri Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1211.—Whereas, I. V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land measuring 70 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 2881 dated 17-11-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-5-1982
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1208.—Whereas I. V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur. (Transferor)
(2) Shrimati Parwati Devi, W/o Shri Ramji Bishnoi, Shri Ganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of land measuring 137 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 2886 dated 17-11-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5 1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JAIPUR**

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq 1209.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 17-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA, Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Parwati Devi Bishnoi, Sri Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land measuring 70 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 2882 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May, 1982

Ref. No. IAC/Acq/1212.—Whereas, I V. K. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—196GI/82

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Sushela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M. I. Road, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Krishna Bishnoi, W/o Shri Lajpatrai Bishnoi, Shree Ganganagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land measuring 130 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No 2885 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-82

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1207.—Whereas, J. V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M. I. Road, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Bishnoi, W/o Shri Lajpatrai Bishnoi, Shri Ganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land measuring 130 sq. mtr. situated on Sansar Villa, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide No. 2879 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-82
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o
Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lajpat Rai S/o Shri Maniram Bishnoi,
Shri Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq./—Whereas, I. V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land measuring 70 sq. nitr. situated on Sansar Villa, M.I. Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2880 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-5-82
Sent:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1206.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Raghuvir Sen, GPA Smt. Susheela Rudra, W/o Shri K. D. Rudra, Sen Villa, M.I. Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Lajpat Rai, S/o Shri Maniram Bishnoi, Shri Gangaganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of land measuring 163 sq. mtr. situated on Sansaf Villa, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2883 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1982

Ref. No. IAC/Acq/1204.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushila Verma W/o Sh. Veerbabujee, R/o Chitranjan Marg, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Murlidhar Odharani, S/o Shri Lekhraj Odharani C-Scheme, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 11, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur, measuring 326.66 sq. yds. (274 sq. mtr.) and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 3032 dated 28-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-5-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Krishan Singh S/o Shri Gulab Singh Jat, Police Department, Sikar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Chand & Raj Kumar Jain, C/o Rajasthan Hooney Laboratory, Munshi Bazar, Alwar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1157.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alwar on 15-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer of agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

966 sq. yds. of open plot situated in Moti Dongari Scheme, Alwar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Alwar vide No. 348 dated 15-12-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-4-82
Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Hazi Kasim, S/o Hazi Sandal Karigar Muslim, Ward No. 14 (New), Sikar.
(Transferor)
- (2) Shri Mohd. Ibrahim, S/o Gulam Rasool Chauhan, Ward No. 14 (New), Sikar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1158.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 27-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other vassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 5 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 1489 sq. yds. situated at Ward No. 14 (New), Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar vide No. 1192 dated 27-11-81

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-4-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shrimati Pushp Kanwar, Smt. Raj Laxmi, Kumari
Sunita & Yubraj Kumari,

(Transferor)

(2) M. s Santogen Textiles Mills (P) Ltd., A-Shanti
Nagar, Ajmer Road, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1159.—Whereas, I. V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-9-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. B-1, Shanti Nagar, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2228 dated 1-9-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Dayamanti Jhunjhunwala, W/o Sh. Vidhyadharji, 1/2 Rolend Road, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bhagwati Devi Chaudhary, Dinesh Kumar Chaudhary, D-60, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1160.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D-60 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—196GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-60, Madho Singh Road, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2857 dated 17-11-81

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-4-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1161.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. D-60 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Dayamanti Devi, W/o Shri Vidhyadharji, 1/3 Ratend Road, Calcutta, GPA
G. D. Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) M/s. Engineers India (Construction Co. Ltd., Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-60, Madho Singh Road, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2858 dated 17-11-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 20-4-82
Seal :

FORM ITNS—

(1) Lala Padam Singh, S/o Shri Nonihal Singh,
R/o C-24, Jai Singh Highway, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukand Goyal, S/o Shri Radhey Shyam
Goyal, 109-Durga Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1162.—Whereas, I V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Agri. land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gajsinghpura, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3131 dated 29-12-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-82

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1163.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-12-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Diwakar Singh, S/o Padam Singh R/o C-24, Jai Singh Highway, Jaipur. (Transferee)
(2) Shri Mukand Goyal, S/o Shri Radhey Shyam Goyal, 109-Durga Marg, Bani Park, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gajsinghpura, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3132 dated 29-12-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-4-82

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Gayatri Devi W/o Sh. Padam Singh,
C-24, Jai Singh Highway, Jaipur.

(Transferee)

(2) Sh. Mukand Goyal, S/o Sh. Radhey Shyam Goyal,
109-Durga Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No./IAC/Acq/1164.—Whereas, I,
V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 29-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gajsinghpura, Ajmer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 3134 dated 29-12-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-4-82
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No./IAC/Acq./1165.—Whereas, I,
V. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Agrl. land situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 29-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Sh. Madhukar Singh S/o Padam Singh,
C-24, Jai Singh Highway, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Sh. Mukand Goyal, S/o Sh. Radhey Shyam
Goyal, 109-Durga Marg, Bani Park,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gajsinghpura, Ajmer
Road, Jaipur and more fully described in the sale deed re-
gistered by S.R. Jaipur vide No. 3133 dated 29-12-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-4-82

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1166.—Whereas, I,
V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bhura Ram Dabi, S/o Guman Ram Dabi,
A-2, Below Ajmer Road, Bridge, Jaipur. (Transferor)
- (2) Sh. Tikamchand, S/o Lulchand,
A-63, Janta Colony, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 618 sq. mtr. situated at A-63, Janta Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide No. 2918 dated 21-11-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 20-4-82

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 22nd June 1982

Ref. No. AR-1/4639/82-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 323 of Mandvi Division situated at Kazi Syed Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-11-1981 Document No. Bom/583/77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Document No. Bom/583/79

- (1) 1. Harkishandas Gordhandas 2. Mrs. Damyanti Bhupatrai Garodia 3. Mrs. Tarle Hemant Garodia 4. Vinodchandra Chhabildas.

(Transferor)

- (2) Garodia House Premises CHSL.

(Transferee)

- (3) Flat owners.

(Person in occupation of the property)

- (4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom/583/79 and registered on 6-11-1981 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 22-6-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

C.R. No. 62/32468/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, (Old No. 136) then 11, presently bearing No. 6, situated at Krishna Road, Basavangudi, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi Office at Basavangudi, Doc. No. 2442 on 18-11-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
27—196GI/82

- (1) Sh. Srinivasa Padmanabha Rao Chitais,
No. 1, Kodambakkam High Road,
Madras-34. (Transferor)(s)
- (2) Smt. I. B. Nagarathna,
28, East Circle Road,
V. V. Puram,
Bangalore. (Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2442 dated 18-11-81)
Old No. 136, after No. 10, then 11, at present No. 6,
Krishna Road, Basavangudi, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-6-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

C.R. No. 62/32469/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136 new no. 6 situated at Krishna Road, Basavangudi, Bangalore, Doc. No. 2441 on 18-11-1981 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Doc. No. 2441 on 18-11-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. C. S. Mohan & two others,
No. 1, Kodambakkam High Road,
Madras-34.

(Transferor)(s)

- (2) Sh. K. V. Shiyakumar,
No. 178, Vasavi Temple Road,
Visveswarapuram,
Bangalore-4.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2441 dated 18-11-1981)
No. 136, New No. 6, Krishna Road, Basavangudi, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-6-82

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 14th June 1982

C.R. No. 62/32915/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1307, situated at 1st Phase (LIC Plot Sector-III), Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Document No. 4810 on 20-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. A. L. N. Murthy,
No. 643, 10/B, Main Road,
4th Block, Jayanagar,
Bangalore 11.

(Transferor)(s)

- (2) Sh. S. S. Ramu,
11/8, 1st Cross,
Hanumanthaiah Lay-out,
III Block, Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, publication of this notice in the Official Gazette.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4810 dated 20-11-81)
Premises bearing No. 1307, 1st Phase (LIC Plot Sector-III) Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th February 1982

Notice No. 410/81-82.—Whereas, I, **MRS. MANJU MADHAVAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 9-20-79 situated at Gadwal Road, Raichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raichur under document number 1437 on 5th Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed up between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Matmari Bheemaiah S/o Seenaiah
2. Matmari Gundiah S/o M. Bheemaiah
3. Matmari Ananthraj S/o M. Bheemaiah
4. Matmari Veerash Babu M. Bheemaiah
5. Smt. B. Vijayalakshmi W/o B. Nagraj
6. Dr. S. Ramakrishna S/o Adeppa
7. S. Chandra-Kant S/o Dr. S. Ramakrishna
8. B. E. Krishnamurthy S/o Narasimhaiah
9. B. E. Narashanna S/o B. E. Krishnamurthy
10. Smt. B. E. Lalithamma W/o B. E. Venkanna
11. Smt. R. P. Soogamma S/o R. P. Bangarayya
12. Smt. R. P. Venkataamma W/o R. B. Samshivayya
13. Y. Ramanna S/o Jayyanna
14. Smt. G. K. Padmavati W/o G. K. Hamdrayya
15. G. Eranna S/o Urkundayya
16. G. Raghanna S/o Urkundayya
17. Smt. G. Pramilaibai W/o G. Eranna
18. Smt. G. Shantamma W/o G. Raghanna, all partners in M/s. Tirumala Industries (Rice Mill) Gadwal Road Raichur. (Transferor)(s)
- (2) M/o Shree Saibaba Industries, Raichur a partnership firm represented by its partners:
1. Smt. M. Satyawari W/o M. Mutyal Rao
2. M. Suryachandra Prasad S/o M. Mutyal Rao
3. Kum. M. Laxmi D/o M. Mutyal Rao. (Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1437 dated 5th Nov. 1981)
Land and Building known as M/o Shree Saibaba Industry bearing Municipal No. 9-20-79, situated at Gadwal Road, Raichur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-2-1982
Seal:

FORM ITNS—

- (1) Sh. V. P. Pandurang Rao
Shadalappay Ganyward, P. B. Road, Dug.
(Transferor)(s)
- (2) Sh. A. Natarajan, S/o Aynugan Pallai,
Mining Contractor, D. No. 2175, M. C. Colony,
P.J. Extn. Davangen.
(Transferee)(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th June 1982

Notice No. 62/429/82-83/Acq.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1(CF) situated at V Ward, P. J. Extn. Davangenl (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at UUnUdUer Document No. 4184 dated 23-11-81 on 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4184 dated 28-11-1981)
V Ward, P. J. Extn. Davajen,
Site No. 1(CF) near using
58ft.x60ft.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 10-6-1982
Sent :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th April 1982

Notice No. 421/82-83.—Whereas, I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No 55 (5) and 55 (6) situated at Cacoda Bansai-Curehorem Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quepem under document Number 359 on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shaikh Mohamad Rashid, S/o Shaikh Ayub
2. Shri Shaikh Ayub, S/o Shri Xec Abdul Azeez
3. Smt. Alfida Begum, D/o Shri Shaikh Ayub
Mine Owners, Sanguem-Goa
(Transferor)(s)
- (2) Smt. Abida Bano Sharielf, W/o Kolar Naycemulla Sharielf, Resident of Bansai, Curchorem-Goa.
(Transferee)(s)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 359 Dated : 6-11-1981)

Land measuring 1010.89 sq. m. and building thereon bearing House No. 55 (5) & 55 (6) situated at Cacoda Bansai Curchorem-Goa.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 20-4-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th April 1982

Notice No. 420/82-83.—Whereas, I, Dr. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 55 (3) & 55 (4) situated at Cacoda Bansai-Curchorem Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Quepem under document Number 387 on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shaikh Mohamad Rashid, S/o Shaikh Ayub
2. Shri Shaikh Ayub, S/o Shri Xec Abdul Azeez
3. Smt. Alfida Begum, W/o Shri Shaikh Ayub
Mine Owners, Sanguem-Goa.

(Transferor)

- (2) Smt. Abida Bano Sharieff, W/o Kolar Nayeemulla Sharieff, Resident of Bansai Curchorem-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (c) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 387 Dated : 30-11-1981)

Land measuring 600.57 sq. m. and building thereon bearing House No. 55 (3) & 55 (4) situated at Cacoda Bansai Curchorem-Goa.

Dr. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore

Date : 20-4-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th May 1982

C. R. No. 62/32788/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 129/1 situated at I Stage, West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore under document No. 4205/81-82 on 23-11-1981

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri D. Somasekhar,
20/B, 18th Cross,
Malleswaram,
Bangalore-55.

(Transferor)

(2) Shri S. Balasubramanian,
67, Dr. Radhakrishnan Road,
Mylapore, Madras-600 004.

(Transferee)

(3) Transferee.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4205/81-82 Dated : 23-11-1981)

All that property bearing No. 129/1 situated at I Stage, West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore-10.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-5-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th June 1982

C. R. No. 62/33417/81-82-/ACQ/B.--Whereas, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old No. 30, New No. 31, situated at Castle Street, Ashoknagar, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Doc. No. 3241 on 25-1-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—196GI/82

- (1) 1. Mrs. Banu K. Modi,
2. Mrs. Shirin A. Modi
No. 10/15, Venson Layout,
Swatts Road, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Mrs. Mabel Gomes,
30, Castle Street,
Ashoknagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3241 Dated : 25-1-1982)

Premises Old No. 30, New No. 31, Castle Street, Ashoknagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 19-6-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th June 1982

CR. No. 62/32471/81-82/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 136, Later No. 19, Present No. 6, situated at Krishna Road, Basavangudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Doc No. 2432, on 18-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Srinivasa Rao, Padanabha Rao Chitinis
1, Kodambakkam High Road,
Madras-34

(Transferor)

- (2) Shri N. B. Swarnalatha
53/2, Surveyor Street,
Basavangudi,
Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2432 Dated : 18-11-1981)

(136, Later No. 19, and recently No. 6, Krishna Road
Basavangudi, Bangalore-4.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 18-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th June 1982

C.R. No. 62/33714/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35 & 25/1, situated at Street No. 9, Mahant Layout, Gavipuram Guttahalli, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi Document No. 3375 on 8-2-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri G. V. Shyama Rao,
S. Nagalaxmi
IV Block, Jayanagar,
26th Cross, Bangalore.

(Transferor(s))

(2) Shri A. S. Viswanatha
Alias A. S. Kasi Viswanatha Setty,
Mandipet, Davangere.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3376 Dated 18-2-1982)
No. 35 & 35/1, Street No. 9, Mahant Layout, Gavipuram Guttahalli, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 18-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th June 1982

CR. No. 62/32921/81-82/Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at 5th Main, V Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar Doc. No. 3815 on 28-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) C. R. Sampath Kumar,
Masti, Malur Taluk,
Kolar District.
- (2) Shrimati Aleyamma John
No. 37, IX Block,
7th 'B' Main, Jayanagar,
Bangalore.

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3815 Dated 28-11-1980)
House No. 22, 5th Main Road, V Block, Jayanagar,
Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Dated : 19-6-1982.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 18th June 1982

C.R. No. 62/32777/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, Mrs. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 837, M. No. 837/16 situated at V Main, V Cross M.R.C.R. Vijaynagar, Bangalore-40 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram, Bangalore Under document No. 3308/81-82 on 9-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Durgamma,
No. 837, 5th Main, 5th Cross,
M.R.C.R. Vijaynagar,
Bangalore-40.

(Transferor)

(2) Sri Subash Chandra V.
No. 837, V Main, V Cross,
Magadi Chord Road Extn.
Bangalore-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3308/81-82 Dated 9-11-1981]
All that property including Building in Site No. 837, M. No. 837/16, V Main, V Cross, M.R.C.R., Vijaynagar, Bangalore-40.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 18-6-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th June 1982

C.R. No. 62/32375/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Vacant Site No. 410, Khata No. 24, Situated at 12th Cross, Palace Upper Orchards, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, under document No. 3098/81-82 on 30-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. V. Krishnappa
S/o Late P. Veerappa
Amrathally village,
Yelahanka Hobli,
Bangalore North (Tq)
- (2) Shri M. Venkatesh
S/o Late Munivenkatappa
Kodigehally
Yelahanka P.O.
Bangalore North (Tq)

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3098/81-82 dated 30-11-81)
All that property being vacant Site No. 410, in Khata No. 24, 12th Cross, Palace Upper Orchards, Bangalore.

MANJU MADHAVAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Dated : 25-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C.R. No. 62/32904/81-82/ACQ/B.--Whereas, 1, MRS MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,5,000/- and bearing

Sy. No. 171-3, situated at Idya Village, Mangalore (Tq) Mangalore (Tq) Under Document No. 862/81-82 on (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore (Tq) Under Document No. 826/81-82 on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

--- (1) Shri H. K. Taranath,
S/o Babu Poojary
Idya Village,
Mangalore (Tq)

Transferor(s)

- (2) (1) Sri K. M. Babu S/o K. Ahmad,
(2) Smt. Alimama W/o No. 1,
Both residing at Kudroli,
Mangalore Town.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 862/81-82 Dated 30-11-1981]
All that property which includes Garden and building in Sy. No. 171-3, situated at Idya Village, Mangalore (Tq).

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 21st June 1982

C.R. No. 62/34451/81-82/ACQ/B.—Whereas, I Mrs. MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, situated at Convent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Under Document No. 3071/81-82 on 4-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Jacob Chandy,
8-A, 'Owner's Court'
Montieth Lane,
Madras-8.

Transferor(s)

(2) M/s Emdee Investments and Trading (P) Ltd.
No. 60, 9th Main,
R. M. Vilas Extension, Bangalore-80.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3071/81-82 Dated 4-11-81]
All that property bearing No. 3, Convent Road, Bangalore.
(1.5/34th Share)

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Dated: 21-6-1982
Seal:

FORM IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C.R. No. 62/32396/81-82/Acq/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 45, situated at Dickenson Road, Bangalore-42 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under document No. 2392/81-82 on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29.-196GI/82

- (1) M/s. Suraiya Brothers (P) Ltd.,
having its registered office at
No. 36, Tamarind lane, Fort, Bombay-23,
Represented by its Director Sri Dilip D. Udeshi.
Transferor(s)
- (2) (1) Mrs. Rita V. Merchant
(2) Mr. Vijay V. Merchant,
No. 1, Roockside, 112, Walkeswar Road,
BOMBAY-400006.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2392/81-82 dated 5-11-1981)
All the property being the premises No. 45 situated at Dickenson Road, Bangalore-42.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C.R. No. 62/32779/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, Mrs. MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, bearing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/1, situated at North road, Cook Town, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Under Document No. 2658/81-82 on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri S. E. Paul and (2) Smt. Lily Paul, No. 15, I Floor, State Bank Officer's Housing Colony, Saijapur road, Koramangala, Bangalore-34.
Transferee(s)
- (2) Mrs. Sarojinamma
37 1, Charles Campbell road,
Coxtown, Bangalore-5.

Transferors(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2658.81-82 dated 28-11-81]
All that property bearing No. 4/1, situated at North Road, Cooke Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Dated :22-6-82.
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 21st June 1982

C.R. No. 62/34452. 81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3, situated at Convent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South under document No. 3072/81-82 on 4-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Jacob Chandy
8-A, Owner's Court,
Montieth Lane,
Madras-8.
- (2) Sri K. Prasad Varadan,
201, Richmond Place,
S.I. Flats, Convent Road,
Bangalore-25.

Transferor(s)

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3072/81-82 dated 4-11-81]
All that property bearing No. 3, Convent Road, Bangalore-
(1.5/34th share)

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 21-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 22nd June 1982

C. R. No. 62/33677/81-82/Acq./B.—Whereas, I, Mrs. Manju Madhavan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

37/1, 40 & 41 (Coffee & Wet land) situated at Ibbivalavadi Estate, Madakeri (Tq.) Kodagu (Dt.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mercara under Document No. 875/81-82 on 16-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269F of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sri P. A. Raghava, (2) Smt. P. R. Meenakshi, (3) Sri P. R. Suresh, (4) Smt. P. R. Asha and (5) Smt. P. R. Jyothi, Jyothi Estate, Ibbinivalavadi Estate, Boikeri Post Madakeri (Tq.), Kodagu (Dt.).

(Transferor)

(2) Sri K. M. Manohar S/o Sri Konerira Mandappa Kottoli Village, Virajpet (Tq.), Kodagu (Dt.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property being Coffee and wet lands situated in Ibbinivalavadi Village, Madakeri (Tq.), Kodagu (Dt.).

MANJU MADHAVAN

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bangalore

Date: 22-6-1982

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Vagjibhai Dalabhai Bariya, Manjalpur, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) 1. Satishbhai Chhotabhai Patel, 1. Mahavirkrupa Society, Sidhwai Mata Road, Baroda.

2. Kiritbhai Chhotabhai Patel, 13-A, Janakpuri Society, Manjalpur, Baroda.

3. Maganbhai Bakorbhai Patel, Jubileebaug, Khatri Pole (4th Wada), Baroda.

4. Vithalbhai Nathabhai Patel, 21, Shreejibaug Society, Manjalpur, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1982

Ref. No. P. R. No. 1721/Acq/23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. Shah,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 92 and 94/2 situated at Manjalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-11-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 92 and 94/2 at Manjalpur as fully described in sale deeds Nos. 6364 to 6371 registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda on 17-11-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd July, 1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Baroda Industrial Development Corporation Ltd., Industrial Estate, Gorwa, Baroda-390016, (Transferor)

(2) The Director; Shreno Ltd., Alembic Road, Baroda-390003.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1982

Ref. No. P. R. No. 1720/Acq/23-II/82-83.— Whereas, I R. R. Shah

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gorwa, Survey No. 1178, 1179, situated at Plots G-1, 2, 3, Baroda Industrial Estate Premises

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 24-11-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Baroda Industrial Estate premises as fully described in sale deed No. 6480 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda, on 24-11-1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd July, 1982.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1982

Ref. No. P.R. No. 1719/Acq./23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1223, Soy Sheri, Haripura, situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi Surat on November, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Trustees of Manilal Kalyandas; 1. Bai Chanchal Wd./o Manilal Kalyandas; At Rishikesh (U.P.)
2. Kantilal Thakordas Soni, Hajibana Bazar, Broach.
(Transferor)

- (2) 1. Babubhai wife Kantilal Gulabdas Shroff;
2. Dhirajlal Gulabdas Shroff, 3. Rameshchandra Gulabdas Shroff; 4. Shasikant Gulabdas Shroff;
5. Mahendra Gulabdas Shroff, Haripura, Soy Sheri, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1323, Soy Sheri, Haripura, Surat registered in November, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2-7-1982
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1982

Ref. No. P.R. No. 1718/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TPS.5, Athwa, FP. No. 258-B(P) situated at Ghoddod Road, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Arvindkumar Chimanal Kharvar; Kharvar Street, Limda Chowk, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ramanbhai Sitarambhai Patel; Village Pasodara; Tal. Kamei, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS.5, Athwa, Ghoddod Road, FP. No. 288-B(P) Plot No. 3, registered in Nov. 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 2nd July, 1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ambalal Maganlal Patel; Shri Jayantilal Maganlal Barfiwala; Shantacruz, Sai Apartment Opp. Station, Bombay-54.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nandsukhlal Ratilal; 2. Shri Gunvantlal Ratilal; 3. Shri Rameshchandra Ratilal; 4. Shri Jagdishchandra Ratilal; Haripura, Kaskivad, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 2nd July 1982

Ref. No. P.R. No. 1717/Acq/23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 358-A Chokavala Sheri, situated at Wadi Falia, Wd. No. 9, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed here), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—196GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 358-A, Chakawala Sheri, Wadi Falia, Surat registered in November, 1981.

R. R. SHAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 2-7-1982

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1982

Ref. No. P.R. No. 1716/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 618/2 Tika No. 17 S. No. 2184, 2183, situated at 2186, 2187 (P) Station Road, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Navsari on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Gopaldas Lallubhai Amliwala; 2. Ratanben Gopaldas Amliwala; 6. Kishorlal Gopaldas Amliwala; 4. Anantlal Gopaldas Amliwala; 5. Uttamlal Gopaldas Amliwala; 6. Kishorlal Gopaldas Amliwala; Nagatalavadi, Station Road, Navsari.

(Transferor)

- (2) Saahil Apartment Coop. Housing Society Ltd. (Proposed); Promoters; 1. Kamarpal Chhaganlal Shah; 2. Manish Somchand Shah; Tower Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 618/2, Tika No. 17, S. No. 2184, 2185, 2186, 2187(P) Station Road, Navsari, registered in November, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1st July 1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Savitridevi Dwarkaprasad; Soni; 2. Dwarkaprasad Laxminarayan Soni; Mariyampura, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) President of Pinki Apartment C. Hsg. Society; Shri Laljibhai Dhanjibhai Patel; Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 1st July 1982

Ref. No. P. R. 1715/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

549, 548, 548/1, 548/7, Wd. No. 8, situated at Karsavad, Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at H. No. 549, 548, 548/1, 548/7, Wd. No. 8, Kangavad, registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 1st July 1982.
Send :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 30th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1714/Acq.23-II/82-83.—Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 51, C.S. No. 2398, R.S. No. 648 situated at Navsari,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Gangaben Kanjibhai Patel; 2. Kanjibhai Bhanabhai Patel: Maharani Shantadevi Road, Navsari.

(Transferor)

- (2) Smt. Savitaben Morarbhai Patel; Ganesh Sisodara, Tal. Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 51, C.S. No. 2398, R.S. No. 648, Navsari registered in Nov., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 30-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Karsanbhai Danjibhai Tamakuvala; Kajivad Mahindharpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Bhavaniprasad Shanbhudayal Agarwal 603, Rashiraj Apartment, Diwali baug, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 3rd July 1982

Ref. No. P. R. No. 1713/Acq/23-II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wd. No. 7, Nondh No. 4940, Nr. Rly. Goods, situated at Yard, Surat (S. No. 5081);

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 5081, Nr. Rly. Goods Yard, registered in November, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3rd July, 1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1676-Acq.23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 1739, TPS. 4, Navagam, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Parvatiben Ishvarlal Kapadia;
2. Ishvarlal Jamnadas Kapadia;
3. Ramlal Ishvarlal Kapadia and others;
Mahidharpura, Vania Sheri, Surat.

Transferor(s)

- (2) 1. Shri Purshottambhai Mavjibhai, Mahidharpura, Limbu Sheri Surat.
2. Smt. Shantaben Vallabhbhai, Mahidharpura, Jadakhadi, Surat.
3. Shri Vallabhbhai Chhaganlal, Madhdharpura, Limbu Sheri, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1759 (P) Block No. 3, Plot No. 6, Block No. 4, Navagam, registered in Nov. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1677 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 1059, Adarsh Society, Athwa Lines, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Ramanlal Kalidas Desai P. A. Holder of Puspaben Dolatbhai Patel, Adarsh Society, Athwa Lanes, Surat.

Transferor(s)

- (2) Asiana Park Apartments Coop. Hsg. Society; President Shri Yogesh Shantilal Contractor; Daria Mahal, Chok Bazar, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1059, Adarsh Society, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1678 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S No 363-1, Katargam, Bhatniwadi, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jashmaben Ashvinbhai Mehta;
B. No. 32, Sadhana Society,
Varachha Road, Surat.

Transferor(s)

- (2) Smt. Ambalal Khimjibhai Patel;
B. No. 115, Gurunagar Society,
Varacha Road, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 363-1, TP S. 4, F. P. 40A, Bhatniwadi, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDILOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1679 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 433, H-1, TP S. 3, FP No. 303, situated at Katargam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—196GI/82

- (1) Shri Kantilal Chhotubhai Patel & Others;
Gotalavadi, Patel Falia, Surat.

Transferor(s)

- (2) 1. Shri Hiralal Lallubhai Soparivala;
Zampa Bazar, Hathi Falia, Surat.
2. Ramavatiben Kantilal Bhagat;
Rani Talav, Parsi Sheri, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 433, H-1, TPS 3, FP. 303, Katargam, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Managing Director of Chunawala Masjid Trust;
Shri Ismail Ahmed Salehbbhai; Rander,
Surat

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Anant Coop. Hsg. Society Ltd.,
2/1894, Chhavalani Pole, Sagrampura,
Surat.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1680 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1861 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 231/2, situated at Rander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer
at Surat on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Rander—S. No. 231/2, duly registered in
November, 1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1681 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the competent authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. Nondh No. 2159 situated at Nani Chhipvad, Gopipura,
Surat,(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on November, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of the Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Induben Wd/o Dinkarra Ramchandra Desai;
2. Jayshriben Wd/o Ashokkumar Dinkarra Desai
Self and guardian of minor Binal Ashokkumar,
Gopipura, Nani Chhipvade, Surat.

Transferor(s)

- (2) Chandulal Vijbhukhandas;
Bhagvandas Vijbhukhandas;
Wadi Falia, Chokvala Sheri, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of -
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2159, Wd. No. 8, Gopipura, Nani
Chhipvad, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 9th June, 1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1682 Acq. 23-JI.82-83.—Whereas, I,
G. C GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Survey No. 91 (Part) situated at Village Sargasan,
Gandhinagar District(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Gandhinagar on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

- (1) 1. Shri Kalabhai Prabhatbhai;
2. Shri Punjabhai Prabhatbhai;
Both as Karta of their respective HUFs.
Village Sargasan, Gandhinagar District.
Transferor(s)
- (2) 1. Shri Govindsingh Takhatsingh Patmar;
2. Shri Jayendra Dhirubhai Vyas;
3. Shri Bhogilal Ganeshdas Putel;
All staying at Gandhinagar.
Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at village Sargasan, Gandhinagar District bearing S.
No. 91 (Part) as fully described in sale deed No. 1988,
registered in the office of Sub-Registrar, on 4-11-1981.

G. C GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1683 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 273 plus 273/3 (P) Plot No. 6, situated at Nagatalavadi, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Deepakkumar Rameshchandra Doshi;
2. Shri Deepakkumar Rameshchandra Doshi;
Attorney of :
Shri Nutanben Deepakkumar Doshi;
Sudhirkumar Rameshchandra Doshi;
Shri Jyotsnaben Sudhirkumar Doshi;
"Dipti", Opp. Fuwara, Navsari.

Transferor(s)

- (2) 1. Smt. Hansaben Ramjibhai Rajput;
2. Shri Sureshchandra Jamnadas;
Rajkamal Building, Dobivad, Navsari.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 273 plus 273/3 (P) Plot No. 6, Nagatalavadi, registered in November, 1981

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 14-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1684 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 285, Tika No. 42, C.S. No. 1881 situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Navsari on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Dali Postanji Dumasla;
Moti Agiari Street, Tarota Bazar,
Navsari.
2. Shri Dinesh Naranbhai Patel;
Jayshree Apartment, Navsari.

(Transferor)

- (2) Chairman of Suvidha Apartment Coop. Hsg. Socy.
Shri Atul Hasmukhbhai Shah;
Three Bungalow, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 285, Tika No. 42, C. S. No. 1881, Navsari, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 14-6-1982

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohanbhai Jivanbhai Patel & others;
Kachhiavadi, Navsari.

(Transferor)

(2) Darpan Coop. Hsg. Society Ltd.
Kudanbari Shopping Centre,
Staiton Rd., Navsari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1685 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. R. S. No. 234, C. S. No. 4384, situated at Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on Nov., 1981for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 234, C. S. No. 4384, registered in
November, 1981.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AhmedabadDate : 14-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1686 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Tika No. 2/1, S. No. 8 (P) & S. No. 56 (P) situated at Land at Charpool, Navsari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Alamay Pirojsha Mehta & others;
Charpool, Navsari.

Transferor(s)

- (2) 1. Shri Khalil Ahmed Hasan Desai;
2. Shri Abubakar Hasan Desai;
Village Jagwad, Tal. Navsari.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tika No. 2/1, S. No. 8 (P) & S. No. 56 (P)
Charpool, Navsari, registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 14-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal Jivanji Patel & others;
Kachhiavadi, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Samarpan Coop. Hsg. Society Ltd.
Kadlawbari Centre, Station Road, Navsari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1687 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARGbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. R. S. No. 232, 225, C. S. No. 4383 situated at Chhar-
pool Road, Navsari(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Navsari on Nov., 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income as any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

32—196GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette for a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 232, 225, C.S. No. 4384, at Chhapara
Road, Navsari registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 14th June, 1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th June, 1982

Ref. No. P.R. No. 1688 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARGbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. C.S. Tika No. 18, S. No. 34, New Tika No. 86 situated
at Nondh No. 4607, Navsari(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on Nov., 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Nayana Manubhai Wd/ of Nanubhai Desai;
self and guardian of Minor Bindu Manubhai &
Hemani Manubhai, Navsari.
(Transferor)
- (2) Smt. Shantaben Natvarlal Desai;
Smt. Kalpanaben Harshadbhai Desai;
Lunsikui, Navsari.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. Tika No. 18, S. No. 34, New Tika No.
86, and Nondh No. S. No. 4607, Navsari registered in Nov.,
1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 14th June, 1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 16th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1689 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARGbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNondh No. 707, Vanki Bardi situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on December, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Coomic Jamshedji Paymaster;
-
2. Phiroza D/o Jamshedji Paymaster;
-
- 23, Hier View, Huzes Road, Bombay-26.
-
- (Transferor)
-
- (2) 1. Shri Dineshchandra Chimanlal Chaliavala;
-
2. Shri Prakash Chimanlal Chaliavala;
-
3. Shri Paresh Chimanlal Chaliavala;
-
- 12/966-B, Lalgate. Khad Bazar, Surat.
-
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later.
-
- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of
-
- the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 707, Wd. No. 12, Vanki Bardi,
Surat registered at Bombay in the month of December, 1981.G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 16th June, 1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1690 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 449-455, Ankleshwar situated Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Navrang Housing Society;
Smt. Bhagvatiben Dineshchandra & others;
Ankleshwar.

(Transferor)

- (2) Hotel Woodlands;
Pratima Apartment, 2nd Floor,
Siz Road, Ambala, Andheri West,
Bombay-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 449-455, Ankleshwar, registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 17th June, 1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1691 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARGbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingS. No. 453/2, 452/2 at Ankleshwar situated at Ankleshwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ankleshwar on November, 1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Rameshchandra Moraji Patel;
Rajpipla Road, Opp. O.N.G.C. Colony,
Ankleshwar.

(Transferor)

- (2) Manish Organics India Ltd.,
1. National Chambers, First Floor,
New Dipali Theatre, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 453/2, 452/2, Ankleshwar, registered
in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 17th June, 1982.
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1692 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

S. No. 419-1-3(P) situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vijaylaxmi Jagdishchandra Enani & others;
P.A. Holder of Jagmohan Jagdishram Anand;
Ankleshwar.

(Transferor)

- (2) President & Secretary of Shri Ram Housing Society;
Shri Tushar J. Shah,
2, Prakash Lokhandvala;
Opp. Vegetable Market, Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 419-1-3 (P) Ankleshwar registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 17th June, 1982.
Seal:

FORM ITNS—

- (1) Shri Parsottam Nathabhai Patel;
Shri Anbabbhai Nathabhai Patel;
Village Gadkhol, Tal. Ankleshwar. (Transferor)
- (2) The Rachana Enterprise;
Opp. J. P. College, Old N.H. Way No. 8,
Broach. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1693 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
R. S. No. 201/2(P) situated at Gadkhol
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ankleshwar on November, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 201/1(P) Gadkhol registered in Nov.,
1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 17th June, 1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 17th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1694/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 71 (P), situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar in November, 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Krishnakant Maganlal,
Shri Harendra Maganlal Desai,
Shri Jayantkumar Maganlal Desai,
Goya Bazar, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Shri Kiritkumar Swarupchand Shah,
Ankleshwar.
Shri Jayantilal Raichand,
Zagadia (Broach).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 71(P) land at Ankleshwar, registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-6-1982.
Seal :

FORM ITNS

(1) Susheelaben Jashbhai Amin;
Chhani, Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Ambalal Trikammbhai Patel;
2. Thakorbbhai C. Patel;
Both staying at Chhani, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 19th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1695 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARGbeing the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.Survey No. 155, situated at Moje Chhani, Baroda Taluka
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 6-11-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
33—196 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Moje Chhani, Baroda Taluka, bearing S. No. 155
as fully described in sale deed No. 5961 registered in the
office of S.R. Baroda on 6-11-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 19-6-82.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Maheshchandra Krishnalal Zaveri;
Sheth Falia, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gokalnagar Coop. Hag. Society;
Broach (Vejalpur).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1696 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 107-B, Vejalpur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the Transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 107-B, Vejalpur, registered in November,
1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date : 22-6-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Musa Adam Asmal Lelly,
Dungari, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Al Rashid Traders;
C/o. Mahmud Musa Ibrahim Patel;
Moti-Dungari, Broach.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1699 Acq. 23-/82-83.—Whereas, I
G. C. GARGbeing the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.S. No. 156/1-B, Dungari situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Broach on November, 1981for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, of the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;
-
- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
are defined in Chapter XXA of the said
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 156/1-B, Dungari, registered in Novem-
ber, 1981.G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, AhmedabadDate : 22-6-1982.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajesh Vithalbhai Patel;
Zadeshwar, Broach.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mahavir Estate;
"Usha Darshan", 2nd Floor,
R. A. Kidvai Road, King Circle,
Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1698 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 18 & 19(P) land situated at Zadeshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 18 & 19(P) land at Zadeshwar registered in November, 1981.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-6-1982.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1699 Acq. 23-II/82/83.—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 91/3, Bholav situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vasantlal Pranshanker Raval;
Shri Mukundkumar Rasiklal Raval;
Shri Rasiklal Pranshanker Raval;
Ashwinkumar, Fulpada, Surat.

(Transferors)

- (2) Chairman : Madhuben Ramjibhai Makwana;
Jawaharnagar C.H. Socy. Ltd.
Broach-Kumbharia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 81/3, Bholav, registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-6-1982.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 22nd June 1982

Ref. No. P. R. No. 1700 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I
G. C. GARG
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
S. No. 22, Bholav situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Broach on November, 1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Ishvarbhai Jesangbhai Patel;
Jamanaben Karsanbhai Patel;
Zadeshwar, Broach.

(Transferors)

- (2) Avdhutnagar C.H. Socy. Ltd.
Promoter : Hemantkumar Prabhodchandra Shukla;
Lalbhai Pat, Kesurmama Chakla, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property S. No. 22, Bholav registered in Nov., 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-6-1982.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1701 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
S. No. 144 land, situated at Palej
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Broach in Nov. 1981
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Partner of Jayant Pulse Mills,
Shri Jayantilal Umarsi Kelia,
Shri Vasram Velji Hansora,
Shri Manilal Umarsi Kelia,
Shri Ramniklal Umarsi Kelia,
Jilana—Taluka Jilana,
Dist. Aurangabad.

(Transferor)

(2) 1. Rabiabai Abdulsattar Meman, Behind Jannabai
Hospital, Baroda.
2. Sh. Abdul Majid Haji Hasam Meman, Palej.
3. Jannabai Abdulmajid Sattar, Behind Jannabai
Hospital, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 144, Palej, registered in Nov. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-6-82
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1702 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 42A/1/A1(P) Kasak, situated at Broach Broach (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jitendraprasad Hariprasad Desai,
Sindhvai Road, Broach.

(Transferor)

(2) Sh. Adani Vali Patel,
Kasak, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 42A/1/1/A/1(P) Kasak, registered in November, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Ahmedkhan Limdakhan Pathan & others,
Palej, Tal. Broach,
(Transferor)
- (2) President : Vajirkhan Ahmedkhan Pathan,
Jehangir Park Coop. Housing Society Ltd.,
Palej, Tal. Broach.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1703 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 145, Palej, situated at Broach
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—196 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building at Block 145, paiki, duly registered in Nov. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-6-82
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1704 Acq, 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 335, 334 (P) situated at Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Pardi on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Fardun Ardeshor Vapivala & others;
Zanda Chowk, Vapi.
(Transferors)
- (2) Sh. Jalaram Society;
Partners : Sh. Chhotubhai Lallubhai Patel & others;
Vapi Taluka Pardi.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 335, 334 (P) Vapi registered in November, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Vasanji Bhagvanji Desai;
Chhiri, Tal. Pardi.

(Transferors)

(2) Sh. Khushalbhai Meghijibhai Ghala & others;
Atul Society, Vapi.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1705 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 151, Chhiri, Tal. Pardi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 151, at Chhiri, registered in November, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Chandraben Champaklal Shah;
2. Champaklal Hiralal Shah & minor
Bharatkumar; Saribujrang.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Yoginagar Coop. Hsg. Society;
Saribujrang, Tal. Gandevi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1708 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 301/A, 304-C, 305-G, 301-D (P) situated at Saribujrang (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 301-A, 305-C, 305-B, 301-D, at Saribujrang registered in Nov. 1981.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Vasanji Bhagvanji Desai;
Chhiri, Tal. Pardi.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Khushalbai Meghjiabhai Ghala & others;
Atul Society, Vapi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 1705 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 151, Chhiri, Tal. Pardi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at S. No. 151, at Chhiri, registered in November, 1981.

G. C. GARG,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1706 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 571+572, Vapi situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on November 1981 for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Manekchand Bahichand Shah & others;
Bazar, Vapi. (Transferor)
- (2) Sh. Yusufbhai Gulam Mustafa Lakdawala;
Firoz Manzil, Bazar, Vapi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 571+572 Vapi registered in Nov. 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009

Date : 21-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 21st June 1982

Ref. No. P.R. No. 1707 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1972-A-1(P) situated at Vapi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Amratlal Lalbhai Desai, P. A. Holder of Naginbhai Lalubhai Desai, Vapi, Tal. Pardi.
(Transferor)
- (2) Sh. Vijay Builders;
Vapi, Tal. Pardi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 1072-A-1(P) at Vapi registered in Nov. 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 21-6-1982
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1708 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, J. C. GARG, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 301/A, 304-C, 305-G, 301-D (P) situated at Saribujrang (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on November 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Chandraben Champaklal Shah;
2. Champaklal Hirrelal Shah & minor
Bharatkumar; Saribujrang.

(Transferor)

- (2) Yoginagar Coop.. Hsg. Society;
Saribujrang, Tal. Gandevi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 301-A, 305-C, 305-B, 301-D, at Saribujrang registered in Nov. 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Manibhai Dahyabhai bin Mathurbhai Patel;
Gopalpura Junction, Vadod, Anand Taluka.
(Transferees)

(2) Sh. Narendrakumar Jashbhai Patel;
P.A. Holder : Patel Jashbhai Shivabhai;
Vallabhvidyanagar, Anand Taluka.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1709 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Sur. No. 559, Plot No. 422,
situated at Vallabhvidyanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 30-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Vallabh Vidyanagar, bearing C.S. No. 559, Plot No. 422, as fully described in sale-deed No. 3167 registered in the office of S.R. Anand on 30-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Bhagwatiprasad Radhakrishna Joshi;
Vallabhvidyanagar, Anand Taluka.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimlaben Chimunbhai Patel;
Vallabh Vidyanagar, Anand Taluka.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1710 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. 402, Plot No. 897, situated at Vallabh Vidyanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 4-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Vallabhvidyanagar bearing C.S. No. 402, Plot No. 897 as fully described in the sale deed No. 2964 registered in the office of S.R. Anand on 4-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 22nd June 1982

Ref. No. P.R. No. 1711 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TPS. 2, Final Plot No. 492/1 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 18-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35—196 GI/82

- (1) Patel Bhailalbhai Dadabhai & others;
Mota Adadh, Anand. (Transferor)
- (2) The Guru & Oil Merchants Union;
Through Partner : Chandrakant Vithaldas Gandhi;
Sardarganj, Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at TPS. 2, bearing F.P. No. 492/1, as fully described in sale deed No. 3088 registered in the office of S.R. Anand on 18-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009,

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1712 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 252, Hissa No. 3 (Part), C.S. No. 4793 situated at Kalol sim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalol (N.G.), on 21-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sanjaybhai Incha Prasad Bhatt & others;
Vatva, Dascroi Taluka,
Ahmedabad District.

(Transferor)

- (2) Jignesh Land Association,
through : Partner Maneklal Nanchanddas Patel;
Kalol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Kalol sim as fully described in sale-deed No. 1183 registered in the office of S.R. Kalol (N.G.) on 21-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 24-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1967 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 187-2-7-6-1-F, F. 20-21-22, TPS. 3, situated at Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jay Jalaram Moulding Works;
Partner :—
Ramanlal Chunilal Shah;
Gujarat Rice Mills Compd.,
Dudheshwar Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) "ESDYCHEM"
Partner : Shri Malaybhai Vimalbhai Zaveri;
25, Shardanagar, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop adm. 210 sq. ft. situated at National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 13048/18-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1968 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5148/5, situated at Raikhad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Tahenida Abdulkadir Kadri,
Sanskar Kendra Marg, Kagdiwad,
Kocharab, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Musabbhai Mohamad Paleri & another;
Three Gates, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 100.88.78 sq. mts. situated at Raikhad, Opp. Bhatia Pole, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 13483/19-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad-380 009.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1969 Acq. 23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. FP. No. 931 paiki, Sub-Plot No. 9, TPS.3, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ambalal Narandas Mody;
Chandrodaya Society, Nr. Stadium,
Navrangpura, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Monalisa Corporation;
Promoters: Shri Mukeshkumar Lalbhai Patel & anr.
Vasta Veljini Pole, Halim's Khadki,
Shahpur, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 331 sq. yds., situated at Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale-deed No. 1065/ November, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Date: 7-6-1982
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1970 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 101, Sub-Plot No. 1-3, situated at Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-11-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Keshavlal Chhaganlal Patel;
5-B, Bhagirath Society, Memnagar,
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Sh. Shantilal Mulchandbhai Patel;
Nayaknagar, Nr. Sardar Patel Colony,
Navrangpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 4997 sq. yds., situated at Sheikhpur-Khanpur, Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 13913/30-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Manilal Mangaldas Patel & Ors.
Village Memnagar, Dist. Ahmedabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Padam Prabhu Kali C. H. Socy. Ltd.,
Chairman : Niranjanbhai Kantibhai Patel;
C/o Parswanath Corporation,
Ashram Road, Ahmedabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1971 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 192 situated at Village Kali, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 4A—01 G situated at village Kali, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale deed No. 13439/18-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1972 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No. S. No. 761/2,761/1,761/6,
situated at Village Makarba Dist. Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexd hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 17-11-1981
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Revaben widow of Fulaji Kalapi;
Village Makarba, Dist. Ahmedabad.
2. Manaji Ramaji; Village Makarba, Dist.
Ahmedabad.
3. Ugriben widow of Hathiji Chelaji;
Village Makarba, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Laxmanbhai Nandulal Dalal;
2. Sh. Shantikumar N. Dalal;
both at Manali Apartment, Nr. Atira, Ahmedabad.
3. Sh. Nitin Shantilal Parikh;
Nr. Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. AO—17 G, AO-15 G, & OA—30 Ganthas,
situated at village Makarba, Dist. Ahmedabad, duly registered
by S.R. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 11275, 11281, 11259/
17-11-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date : 7-6 1982
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1973 Acq. 23-I/82-83.--Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 489/1 situated at

Wadaj, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-11-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jaldhara Coop. H. Socy. Ltd.
Secretary : Shri Ratilal Nanlal Vyas;
Nawa Wadaj, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) 1. Sh. Nitinbhai Rawal Family Trust;
Karta : Nitinbhai S. Rawal;
13-B, Ananddham Society, Nawa Wadaj,
Ahmedabad.
2. Manorama A. Gajjar Family Trust;
Through : Smt. Manorama A. Gajjar;
1/A, New Govind Park Society, Narangpura,
Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2904 & 290½ sq. mts. situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed Nos. 13485 and 13486/17-11-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1974 Acq. '23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 275/1, Block No. 367, situated at Village: Bopal, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-11-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Rambhai Ishwerbhai Patel & others;
Village Bopal, Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Devising Ramsingh;
Nr. Umiyavijay Society, Sattelite Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 6050 sq. yds. situated at Village Bopal, Dist. Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale-deed No. 13007/3-11-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P.R. No. 1975 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 278 paiki situated at Village Ranip, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than for fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons namely :—

- (1) 1. Sh. Shanaji Gandaji;
2. Sh. Jivaji alias Jitendra Gandaji;
3. Sh. Ambalal Gandaji;
4. Bai Kashi widow of Gandaji Goraji;
All at Village Ranip, Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Ranip Akshar Purshottam C. H. Socy.
Secretary : Sh. Patel Rambhai Mahenbhai;
Maheshwari Appt. Nr. Subhash Bridge,
Ashram Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. sq. yds. 850.89+850.89+850.89 sq. yds. + 850.89 sq. yds. situated at Ranip Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed Nos.-13082 to 13085/6-11-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1976/Acq.23-1/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 321 paiki, Hissa No. 7, situated at Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering

Officer at
Ahmedabad on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Rukhiben Jethabhai;
Village Vastrapur, Dist. Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Hasmukhbhai Kasturchand Shah;
'Monali', Sthanakwadi Jain Society,
Nr. Naranpura Rly. Crossing, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1071-72 sq. yds. situated at Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad, duly registered by S. R. Ahmedabad vide saledeed No. 7967/5-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380 009Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1977/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

S. No. 321-paiki, Hissa No. 3, 6, 5, 2, Village Bodakdev, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Baldevbhai Sankabhai, Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 2. Shri Rabari Sankabhai Versibhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 3. Ambarben Sankabhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 4. Jatanben Sankabhai Rabari Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 5. Gafurbhai Sankabhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad; 6. Rabari Bhagwanbhai Sankabhai Vastrapur, Dist. Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) 1. Ashit Arvindbhai Shah, Navdeep Appt. Opp. Telephone Exchange, Navrangpura, Ahmedabad; 2. Monali Sharadbhai Shah, Shantinagar Society, Wadaj, Ahmedabad; 3. Moulesh Hasmukhbhai Shah, 'Monali', Sthanakwasi Jain Society, Nr. Narangpura Rly. Crossing, Ahmedabad; 4. Arvindbhai I. Shah, Navdeep Appt. Opp. Telephone Society; 5. Ushaben Chandulal Shah, Srimali Society, Navrangpura, Ahmedabad; 6. Divyaben Vimanbhai Dalal, Jain Society, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1071.72 + 1071.72 + 1071.72 + 1071.72 + 1071.72 sq. yds. each situated at Bodakdev Dist. Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 7992, 7982, 7981, 7975, 7974 & 7981 respectively/5-11-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1978/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP No. 722-B TP S. 3, TP S. 3-5, Varied FP.722 Hissa No. 1 'Parimal' Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 23-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Champaklal Purshottamdas Mehta; "Amijyot", Parimal, E.B. Ahmedabad-6.

(Transferor)

- (2) Smt. Vina Anichandra Rana & another, A-2, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 2. Smt. Swati Rohit Maru A-1, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 3. Shri Kantilal D. Buddh, A-4, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 4. Shri Jawant B. Sutaria, A-8, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 5. Shri Pravin-chandra A. Modi, A-3, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad; 6. Shri Nantamlal K. Dalal, A-6, Amijyot Appt. Parimal Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. A-2, A-1, A-4, A-8, A-3 & A-6, built up area of 157.08 each, situated at Chhadawad (Amijyot Appt.) Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 13380/13381/13382/13383/13384/13385/23-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS

- (1) Jashumatiben widow of Sureshchandra Ambalal & another; "Gokul Niwas", Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad-5.

(Transferors)

- (2) Dr. Balkrishna Natverlal Dani; Variawad; Village : Chikbali, Dist. Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1979/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing S. No. 38-2-3-A-3 paiki, situated at 'Achior' Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 3464 sq. yds. situated at Chier, Sabarmati, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale-deed No. 12823/3/18-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1980/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1953 situated at Wadhawan sim, Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandrakant Butalal Shah; Village : Kondha, Tal. Dhrangadhara, Dist. Surendranagar, (Transferor)
- (2) Sukan Machine Products Pvt. Ltd. Director : Jitendra Ramniklal Shah; Udhogynagar, Surendranagar. (Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 34 gunthas i.e. 4114 sq. yds., situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar, duly registered by S. R. Wadhawan, vide sale-deed No. 4494/Nov.. 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Thakarshibhai Keshavjibhai Thakkar, in Bazar, Virangam, Dist. Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natverpark C. H. Socy. Ltd. Laxmansinh Toravars in Zala, Sharda Society, Surendranagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1981/Acq.23-1/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 1931 situated at Wadhawan Dist. Surendranagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhawan on 27-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 4016-1-6 sq. yds. situated at Wadhawan, duly registered by S. R. Wadhawan, vide sale-deed No. 4570/27-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

37—196 G1/82

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM 111.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1982/Acq.23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Muni. Wd. 2, H. No. 241 situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wadhawan on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Zaveriben Chhaganlal Pujara; -----
14, Nagin-Mahal, 4th Floor, Nr. Church Gate,
Bombay-20.

(Transferor)

(2) Jyotsnaben Rameshchandra Kapadiya;
22, Alam B Road, Churchgate,
Bombay 20

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 337 sq. Gaj. situated at Dhrangadhara, Dist. Surendranagar, duly registered by S. R. Dhrangadhara vide sale-deed No. 1635/Nov., 1981.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I,

Ahmedabad

Date : 10-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1983/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARGbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingS. No. 5199 paiki Plot No. 14-15 paiki situated at Gintan
Road, Surendranagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Wadhawan on 16-11-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Girishchandra Liladhar Thakkar; of Dhran-
gadhar, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Suryakant Himmatlal Shah & another; Tanhi
Chawk, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 395 sq. yds. & 41 sq. ft. situated at Jintan Rd.
Surendranagar, duly registered by S. R. Wadhawan, vide sale-
deed No 4467/81/16-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 10-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1984/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I,
G. C. GARGbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.Building situated at Keshod, Dist. Junagadh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Junagadh on 23-11-1981for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) 1. Vijyagauri Harilal;
2. Jasumati Girdharilal;
3. Ranjanbennhotalal;
4. Shitalben Manharlal;
through : P.A.H. Shri Harilal Hirachand of
Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Goswamy Trikam Vikramacharyaji;
2. Kusumbala Vahuji Trikamacharyaji;
Kota (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 417 sq. yds. situated at Keshod
Dist. Junagadh, duly registered by S. R. Keshod vide sale-
deed No. 594/23-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th June 1982

Ref. No. P. R. No. 1985/Acq.-23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 162/1, paiki—S. No. 1526/76 situated at Village Khapat, Dist. Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 16-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arsibhai Jodhabhai,
Village Khapat, Tal. Una, Dist. Junagadh,
(Transferor)
- (2) Shri Jagdamba Khandsari Sugar Mills;
through : Partner Shri Govindbhai Rambhai Mori,
Village Khapat, Tal. Una, Dist. Junagadh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory bldg. standing on land 12140-60 sq. mts. known as Jagdamba Khandsari Sugar Mill, Khapat Tal. Una, Dist. Junagadh, duly registered by S. R. Una, vide sale-deed No. 1940/16-11-81.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 7-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/92.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot at Raghunathpura situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov.. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kahan Chand s/o Jai Kishan & Shmt. Champa Wati wd/o Sh. Jai Kishan r/o Bombay through Sh. R. A. Boga through mukhtar aam Sh. Joginder Singh Mudal r/o vill. Mudal Teh. Distt. Amritsar, (Transferor)
- (2) Sh. Gautam minor son Sh. Arun Khanna through Sh. Arun Khanna r/o 58-Lawrance Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Raghunath pura Sant Avenue off the Mall Amritsar as mentioned in the sale-deed No. 14744/dated 4-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83 '93.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot at Raghunath Pura situated at Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kahan Chand s/o Shri Jai Kishan and Smt. Champa Wai wd/o Jai Kishan R/o Bombay through Shri R. A. Boga through Shri Joginder Singh Mudal mukhtar Aam R/o Village Mudal Teh. & Distt. Amritsar, (Transferee)
- (2) Smt. Usha Khanna w/o Shri Anan Kumar Khanna R/o 58 Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Raghunath Pura Sant Avenue off the Mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14745 dated 4-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/94.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land in Raghunath Pura situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kahan Chand s/o Shri Jai Kishan and Smt. Champa Wati wd/o Shri Jai Kishan R/o Bombay through Shri R. A. Boga through Shri Joginder Singh Mudal Attorney General R/o Village Mudal Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Arun Khanna s/o Shri Shiv Parkash Khanna R/o 58, Lawrence Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in abadi Raghunath Pura Sant Avenue off the Mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14746 dated 4-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd June 1982

Ref. No. ASR/82-83/95.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Plot at Race Course Rd., situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—196 GI/82

(1) Shri Rakesh Chander Mehra s/o Shri Harbans Lal
R/o Race Course Road,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj, Prithvi Raj
ss/o Shri Ram Lubhaya
R/o Race Course Road,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above und tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot No. 18-D measuring 655 sq. yards situated on Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15987 dated 30-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-6-1982

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 22nd June 1982

Ref. No. ASR 82-83/96.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house in Gali No. 2 Bharat Nagar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Leela Wati alias Leela Devi
W/o Kisan Chand
R/o Bharat Nagar,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jagjit Singh s.o Joginder Singh,
Surinder Kaur w/o Jagit Singh
R/o Gali No. 2, Bharat Nagar,
Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 255 sq. yards) situated in Gali No. 2 Bharat Nagar, Batala Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 14947 dated 9-11-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 22-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/97.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Pathankot has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Maya Devi w/o Gian Chand and
Gian Chand s/o Karam Chand Mahajan
R/o Dhangu Road, Pathankot.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Goel w/o Shri R. K. Goel
R/o H. No. 261/144 Dhangu Road,
Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house situated at Dhangu Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2420/dated 27-11-1981 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/98.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing One house in Sarai Bhagwan Dass Putlighar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Onkar Nath s/o Shri Ram Chand
R/o 42, Rani Ka Bagh,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Parmala Devi w/o Kanwaljit Randhawa
R/o H. No. 2844/20 Gali No. 3 Putlighar,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 951/IV-17 (area 79 sq. yards) situated opposite Sarai Bhagwan Dass cemetery Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15794 dated 25-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/99.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house in Bhagtanwala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the
of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dia Singh s/o Mahal Singh
R/o Kothi No. 78 Golden Avenue,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Lal Singh Dhingra s/o Shri Sarup Singh
R/o Bazar Bagh Jhanda Singh,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 190 and new No. 3828/9-19 33574/9-19 situated in Nai Abadi Inside gate Bhagtanwala Gali No. 2 Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15616 dated 20-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/100.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house in Bhagtanwala situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kripa Singh s/o Mahal Singh
R/o Kothi No. 78 Golden Avenue,
Amritsar, (Transferor)
- (2) S. Satnam Singh Dhillon
S/o Shri Sarup Singh
R/o Bagh Jhanda Singh,
Amritsar, (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. 190 and new No. 3828/9-19 and 3574/9-19 situated in Nai Abadi inside Gate Bhagtanwala Gali No. 2, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15522/dated 19-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 29th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/101.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in Sant Avenue situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on November, 19981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Champa Wati wd/o Shri Jai Kishan and Kahan Chand s/o Shri Jai Kishan
R/o Bombay through Shri Rustam Ardeskar Boga-Mukhtar aam through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudal Teh. & Distt. Amritsar.
(Transferor)

- (2) Shri Balkishan Anand
S/o Shri Gauri Shankar Anand
R/o Katra Bagh Singh,
Amritsar.
and Satish Kumar and Vipin Kumar Anand
Ss/o Shri Balkishan
R/o Katra Bagh Singh,
Amritsar.
(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 250 sq. yards situated in Sant Avenue behind SSP's Kothi the Mall Amritsar mentioned in the sale deed No. 14877 dated 6-11-82 of the Registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/102.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in Sant Avenue situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Champa Wati wd/o Shri Jai Kishan and Kahan Chand s/o Shri Jai Kishan
R/o Bombay through Shri Joginder Singh attorney
R/o Mudal Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar, Surinder Kumar, Ravinder Kumar
Ss/o Shri Kidar Nath
R/o Gali No. 3-A Bagh Rama Nand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue behind SSP's kothi, the mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15002/dated 10-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AmritsarDate : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/103.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot in Raghunathpura situated at Sant Avenue Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

39—196 GI/82

- (1) Smt. Champa Wati wd/o Jai Kishan,
Kahan Chand s/o Jai Kishan
R/o Bombay through Shri Joginder Singh
R/o Village Mudal attorney
(Transferor)
- (2) Shri Kidar Nath s/o Amar Nath,
Ashwani Kumar s/o Kidar Nath
R/o Gali No. 3-A, Bagh Rama Nand,
Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated in Sant Avenue behind SSP's kothi, the Mall Amritsar as mentioned in the sale deed No. 14860/dated 6-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/104.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New at SR Amritsar on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari W/o Janki Dass & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra of Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shrimati Kulwant Kaur W/o Parkash Singh C/o S. Harbeant Singh of Hamidpura Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh & (vi) Sh. Raghbir Singh (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15910/dated 27-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/105.—Whereas, I,
Anand Singh IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra
R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Gurbinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh
r/o Hamidpura Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15911 dated 27-11-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/106.—Whereas, I, Anand Singh IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) S. Jatinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh c/o S. Harbeant Singh of Hamidpura Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Surup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One bldg. situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 13909 dated 27-11-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/107.—Whereas, I,
Anand Singh IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jatinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh r/o Hamidpura Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh & Sh. Raghbir Singh (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 15912/dated 27-11-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.Date : 28-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURL, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/108.—Whereas, I,
Anand Singh IRS,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Gurbinderbir Singh s/o S. Harbeant Singh c/o S. Harbeant Singh r/o Hamidpura Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghubir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh & Sh. Raghubir Singh
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 15841/dated 26-11-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, AmritsarDate : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/109.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (18 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari W/o S. Janki Dass & Ashok Kumar S/o Janki Dass of Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Raj Jeet Kaur w/o S. Harbeant Singh c/o S. Harbeant Singh of Hamidpura Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh & (vi) Sh. Raghbir Singh
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15842/dated 26-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR
Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/110.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Dharamarth through Smt. Raj Kumari W/o Janki Dass & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra R/o Queens Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Amolak Singh s/o Gurbachan Singh c/o Harbeant Singh r/o village Hamidpura Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any Sh. Ram Lal S/o Hans Raj Sh. Raghubir Singh S/o Sarup Singh Sh. Pritam Singh Sh. Gian Singh S/o Soha Singh Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh & Sh. Raghubir Singh (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15840/dated 26-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/111.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

40—196 GI/82

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari W/o Janki Dass Mehra & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra
R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Nito w/o S. Harbeant Singh
c/o S. Harbeant Singh of village Hamidpura Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any
Sh. Ram Lal S/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh S/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh S/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh S/o Harnam Singh &
(vi) Sh. Raghbir Singh

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15908 dated 27-1-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/112.—Whereas, I,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One bldg. at Queens Rd. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass & Sh. Ashok Kumar s/o Janki Dass
r/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Kulwant Kaur w/o Sh. Parkash Singh r/o Hamidpura Teh. Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) Sh. Ram Lal s/o Hans Raj
Sh. Ragbir Singh s/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh s/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh s/o Harnam Singh &
Sh. Ragbir Singh

(Person in occupation of the property)

- *(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15913/dated 27-11-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal ;

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/113.—Whereas, 1,
ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Bldg. at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari Wd/o Janki Dass & Ashok Kumar s/o Janki Dass
r/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Raj Jeet Kaur w/o S. Harbeant Singh
c/o S. Harbeant Singh
r/o Hamidpura Ter. & Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) Sh. Ram Lal s/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh s/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh s/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh s/o Harnam Singh &
Sh. Raghbir Singh
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

One building at queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15914/dated 27-11-1981 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-6-1982
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/82-83/114.—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Queens Rd. situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on Nov., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari wd./o Janki Dass & Ashok Kumar S/o Janki Dass Mehra
& Ashok Kumar s/o Janki Dass Mehra. (Transferor)

- (2) Bibi Harneet Kaur Sakhon d/o Harbeant Singh r/o Hamidpura Teh & Distt. Amritsar. (Transferee)

- *(3) Sh. Ram Lal s/o Hans Raj
Sh. Raghbir Singh s/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gain Singh s/o Sohan Singh
Sh. Gain Singh s/o Harnam Singh & (iv Sh. Raghbir Singh
(Person in occupation of the property)

- * (4) Any other Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15915/dated 27-11-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 28th June 1982

Ref. No. ASR/83/115.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One bldg. at Queens Road, Amritsar situated at Amritsar (Amritsar)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar, on November 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the earth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Daulat Ram Durga Dass Mehra Dharamarth Trust through Smt. Raj Kumari wd/o Janki Dass and Ashok Kumar s/o Janki Dass
1/0 Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Amolak Singh s/o Gurbachan Singh
c/o Hamidpura Teh & Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
Ram Lal s/o Hans Raj
Sh. Ragbir Singh s/o Sarup Singh
Sh. Pritam Singh
Sh. Gian Singh s/o Sohan Singh
Sh. Gian Singh s/o Harnam Singh &
Calcutta, the 25th May 1982
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building situated at Queens Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 15916/dated 27-11-1981 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar

Date : 28-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, hte 25th May 1982

Ref. No. AC-12/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28 situated at Andul Road, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 9-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Samar Banerjee, 11, Haridas Banerjee Road, P.O. Shibpur, Dist. Howrah.
(Transferor)
- (2) M/s. Mohan Laminators (P) Ltd.
5/1, Clive Road, Calcutta-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 cottahs 0 chs. 16 sft. Address : 28, Andul Road, P.S. Shibpur, Distt. Howrah, Deed No. 5317 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV,
Calcutta

Date : 25-5-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. AC-9/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I,
K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 210, situated at C.I.T. Scheme No. VII (M), Calcutta,

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at R. A. Calcutta on 29-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Provabati Poddar,
C/o. Sri Harinarayan Poddar,
P-26, Raja Radha Kanta Deb Lane,
Calcutta-700006.

(Transferor)

- (2) Smt. Mira Gupta,
C/o. Sri Krishna Lal Gupta,
P-199B, C.I.T., Scheme No. VI,
Calcutta-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 5 Cottahs 1 Chittaks 11 sq. ft. being Plot No. 210, C.I.T. Scheme No. VII (M), Calcutta. More particularly described in deed No. 9488 of R. A. Calcutta of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Calcutta

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Bina Mitra
Sm. Hena Bose

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prohlad Kr. Nath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No. 1102/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12 situated at Radhabazar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs 3 chittacks 43 sq. ft. with building being premises at 12, Radhabazar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.Date : 9-6-1982
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Bina Mitra
Sm. Hena Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Pronab K. Nath

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No. 1103/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at Radhabazar Lane, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28 Nov. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
41—196 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs 3 chittacks 43 sq. ft. with building being premises No. 12, Radha Bazar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sm. Bina Mitra
Sm. Hena Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Asoke Kr. Nath.

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASS'T. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref No.-1104/Acq. R-III/82-83/Cal.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
12 situated at Radhabazar Lane, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs
3 Chettacks 43 sq. ft. with building being premises No. 12,
Radha Bazar Lane, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM ITNS

(1) Sm. Bina Mitra
Sm. Hena Bose

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anup Kr. Nath.

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 9th June 1982

Ref. No 1105/Acq.R-III/82-83/Cal.—Whereas, J. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12 situated at Radha Bazar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share of land measuring 6 cottahs 3 chittacks 43 sq. ft. with building being premises No. 12, Radha Bazar Lane, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-6-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 18th June 1982

Ret. No. III-558/Acq/82-83.—Whereas, I,

H. NARAIN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Tauzi No. 5282 (Previous) 28-C (Present) Khesara No. 595, 589, 598, Thana No. 18 situated at Mouza Rukunpura, P. S. Dinapore Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 14-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shambhoo Nath Singh S/o Ram Ganesh Singh,
R/o Village—Khajepura, P. S. Gardanibagh,
Dist. Patna.
(Transferor)

- (2) (i) Shri Md. Sahid S/o Hajan Rashid
(ii) Md. Naseem S/o Abdul Hakim,
R/o Fulwarisharif, P. S. Gardanibagh,
P. S. Fulwari, Dist. Patna.
(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land about 29½ decimals situated at Mouza Rukunpura P.S. Dinapore Dist. Patna more fully described in Deed No. 8662 dated 14-11-1981 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 18-6-1982

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 30th June 1982

Ref. L.C. 586/82-83.—Whereas I, P. J. THOMASKUTTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 25-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Kochudevassy,
S/o Thermadathinkal Ambakadam Lonappan,
Near Ambakadan Well, Trichur.

(Transferors)

- (2) M/s Udaya Traders, Money Lenders,
High Road,
Trichur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

7 cents of land with a building as per schedule attached to Doc. No. 6544 dated 25-11-1981.

P. J. THOMASKUTTY,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 30-6-1982

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,

COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 29th June 1982

Ref. L.C. No. 585/82-83.—Whereas I, P. J. THOMASKUTTY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 10-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Kochupara
S/o Sri Paran Nediyaiveetil, Thiruvambady,
Near Cherumukh Temple, Trichur. (Transferors)
- (2) 1. V. K. Rajasimham S/o Kunjappam Karamukku, P.O. Kandanamkadavu.
2. T. K. Gopalan, Thandiakal, P.O. Anthikad, Trichur.
3. K. V. Bhaskaran, Jr. Supdt. K. S. E. Board, Tritala, Palghat.
4. Dr. K. R. Rajan, Dy. Director, Animal Husbandry, Civil Line Ayyanthole, Trichur.
5. M. D. Vareed, Muniyadam House, Kuttur Village Desom, Near Malamkunnathukave, Trichur. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

78 cents of land in Sy. No. 143 of Trichur village.
Date : 29-6-1982.

P. J. THOMASKUTTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Date : 29-6-1982
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 1st July 1982.

Ref. No. IAC/CA5/SR. Bombay/729/Nov. 81/82-83.—
Whereas, I. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. F-235/11 situated at City, Kolhapur, Tal. Karvir, Dist. Kolhapur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Bombay on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vidyadhar Ganesh Katre & Others 2,
1224 (Belvedere),
Warden Road,
BOMBAY-26.

(Transferor)

- (2) Shri Abdul Aziz Mahomed Amin Hurzuk,
Shri Mohomed Yusuf Mohomed Amin Hurzuk,
Kelvakar's Bunglow,
247/E, Tarabai Park,
KOLHAPUR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. E-235/11, situated at City Kolhapur, Tal. Karvir Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R-1095 in the Office of the Sub Registrar, Bombay in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 1-7-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 29th June 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR, Haveli-II/Jan. 82/728/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 106/8 T.P. No. 1, F.P. No. 58/6 situated at Erandwane, Pune-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Haveli-II on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Niwatti Maruti Balkawade & Others 2,
106/8 Erandavane,
PUNE-4.

(Transferor)

- (2) Shri Vijay Parshuram Joglekar,
Chairman,
Makrand Co-operative Housing Society,
106/8, Erandavane,
PUNE-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 106/8, T.P. No. 1, F.P. No. 58/6 situated at Erandavane, Pune-4.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 749 in the office of the Sub Registrar, Haveli-II in the month of January 1982).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 29-6-1982,
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

- (1) 1. Shri Dagadulal Laxmandas Parakh
2. Shri Kevalchand Bhagchand Desai
210, Balaji Peth,
JALGAON.

(Transferor)

- (2) United Properties and Investment Co. Jalgaon,
Partner Shri Satish Soma Bhole,
Bhavani Peth,
JALGAON.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/731/Nov. 81/82-83.—
Whereas, I. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Gat No. 391 situated at Kusumbe Khurd, Dist. Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 391 situated at Kusumbe Khurd, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3483 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of Nov. 1981).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 1-7-1982
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 1st July 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR. Miraj/Nov. 81/730/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 458, Plot No. 28 situated at Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Miraj-I on Nov. '81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahmad Bapusaheb Sayyad,
1259, Khanbhag,
SANGLI.

(Transferor)

- (2) Shri Valarmal Vakshayatrai Shambhawani,
Gavali Galli,
SANGLI.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R. S. No. 458, Plot No. 28 situated at Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2304 in the office of the Sub Registrar, Miraj-I in the month of Nov. 81)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 1-7-1982
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-I.

Pune-I, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli-II/Nov. 81/736/82-83.—

Whereas, I. R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Apartment No. B-101 on the first floor and parking space No. B-1 in bldg. No. B-constructed on S. No. 161/A/1/6 B & C situated at Shivajinagar, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer SR. Haveli-I on Nov. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. (R) Shantha,
Flat No. 34 E, Highway Apartments,
Opp. C.I.T. Sion,
Bombay-400 022.

(Transferor)

(2) (1) Mrs. Kamala Ratilal Bhayani
(2) Mrs. Ranjan Subhas Bhayani
Apartment No. B/101, Building No. 8,
Ashit Apartment, Mody Baug,
S. No. 161/A/1/6 B & C,
Ganeshkhind Road,
Pune-411 016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Apartment No. B-101 on the first floor and parking space No. B-1 in bldg. No. B constructed on S. No. 161/A/1/6 B & C, Shivajinagar, Poona.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 4360 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I in the month of November, 81)

R. K. AGGARWAL.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 5-7-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Newasa/733/Jan. 82/82-83.—
Whereas, J. R. K. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Shet Gat No. 101 situated at Kangoni, Tal. Newasa Dist.
Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SR. Newasa on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Smt. Sonibai Navalmal Gandhi,
Dal Mandai,
AHMEDNAGAR.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Nensukh Murha and 4 Others,
Navi Peth,
AHMEDNAGAR.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 101 situated at Kangoni, Tal.
Newasa, Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered under
document No. 69 in the office of the Sub-Registrar, Newasa
in the month of January, 1982)

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 5-7-1982.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/Nov. 81/735/82-83.—
Whereas, I. R. K. AGGARWAL,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Gat No. 88 Nimkhedi Khurd, Dist. Jalgaon
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
SR. Jalgaon on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vishwanath Anandrao Patil,
Managing Partner Rajesh Apartment Jalgaon,
172, Navi Peth,
JALGAON.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Totaram Varhade,
Managing Partner M/s. Sonal Traders Jalgaon,
Samarth Colony,
JALGAON.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 88 situated at Nim-
khedi Khurd, Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under
document No. 2606 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon
in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-7-1982.
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ahmednagar/Nov. 81/734 '82-83—
Whereas, I. R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 494/1 situated at Kedgaon, Tal. & Dist. Ahmednagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Ahmednagar on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said, to the following

(1) Shri Samarbahadursinh Tabsildarsinh,
Akhgaon Road,
Near C.M.E. Foundry,
Ahmednagar.

(Transferors)

(2) Shri Prabhakar Dinkar Deshpande,
Chief Promotion of Niyojit Shivajinagar
Grih Bandhani Society,
Kedgaon,
Tal & Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 494/1 situated at Kedgaon, Tal. & Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3043 in the office of the Sub Registrar, Ahmednagar in the month of Nov. 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 5-7-1982.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th July 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Satara/Nov. 81/737/82-83.—
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

512, situated at Sadar Bazar, Satara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Satara on Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Amrutlal Hirachand Sanghavi,
2. Dr. Subhash Amrutlal Sanghavi,
896, Shanwar Peth,
SATARA.

(Transferor)

- (2) Shri Jayant Hirachand Shaha & Others 5,
11, Sadashiv Peth,
SATARA.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 512, Sadar Bazar, Satara.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1897 in the office of the Sub-Registrar, Satara in the month of November, 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 5-7-1982.

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 28th May 1982

G.I.R. No. M-135/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 56/6 to 9, Tilpurwa situated at Husainganj, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 6-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Praveen Chandra Gupta.
(Transferor)
- (2) Manas Sahkari Grih Nirman Samiti Limited, 54, Jai Narain Road, Lucknow through Shri Ram Awdhesh Tewari.
(Transferee)
- (3) Above transferee.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 56/6 to 9, Tilpurwa, Husainganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form No. 37G No. 6842, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 6-11-1981.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date : 28-5-1982
Seal :